सुप्रभात
रांची, गुरुवार
19.12.2024
* * नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

khabarmantralive.com

khabarmantra.net

पौष, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी संवत् 2081

मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 158

न्यूज डायरी

रूस ने मचाया कोहराम मारे 540 यूक्रेनी सैनिक

मास्को। पिछले 24 घंटों में रूस ने 540 यूक्रेनी सैन्यकर्मियों को मार गिराया है। इसके साथ ही कई अमेरिकी और पोलिश बख्तरबंद गाड़ियां और वाहनों को भी ध्वस्त कर दिया गया है। पुतिन के सबसे भरोसेमंद जनरलों में से एक इगोर किरिलोव की हत्या ने रूस को हिला कर रख दिया है। एक बम धमाके में किरिलोव की मौत के बाद रूस ने यूक्रेन से इसका जबरदस्त बदला लिया है।

नक्सली रंथू उरांव से एनआइए की पूछताछ शुरू

रांची। नक्सली रंथू उरांव से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) की टीम चार दिनों तक पूछताछ करेगी। लातेहार के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत लुकुइया गांव में नक्सली हमले में चंदवा थाने में तैनात दारोगा सुकरा उरांव सहित चार पुलिसकर्मियों को मौत के घाट उतारने वाली नक्सली घटना में शामिल रंथू को एनआईए के विशेष अदालत पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की इजाजत दे दी है। पूछताछ 18 से 21 तक होगी।

बिजली विभाग का जेई घूस लेते गिरफ्तार

गिरिडीह। धनबाद एसीबी की टीम ने बुधवार की शाम गिरिडीह के धनवार में बड़ी कारवाई करते हुए बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर को गिरफ्तार किया है। आरोपित इंजीनियर दुर्गेश नंदन सहाय को एसीबी की टीम ने धनवार में एक बिजली उपभोक्ता से बकाया बिजली बिल माफ करने के नाम पर आठ हजार रुपये का घूस लेने के आरोप में रंगेहाथ दबोचा।

प्रेम प्रसंग में महिला की हत्या, प्रेमी गिरफ्तार

चतरा। सिमरिया थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग में एक महिला की हत्या कर दी गयी। पुलिस ने इस मामले में प्रेमी बीरेंद्र दास को गिरफ्तार किया है। वह हजारीबाग कि बरकट्ठा थाना के बसरिया गांव का रहने वाला है।

केंद्र से हम झारखंडियों के बकाये की मांग हवा- हवाई नहीं है बाबूलाल जी

हम अपना हक लेकर रहेंगे : हेमंत

बकाया राशि पर हेमंत मरांडी आमने सामने

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्र सरकार पर झारखंड की बकाया राशि 1.36 लाख करोड़ को लेकर बाबूलाल मरांडी और सीएम हेमंत सोरेन आमने-सामने आ गये हैं। हेमंत सोरेन ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर कहा कि हम झारखंडियों की मांग हवा- हवाई नहीं है बाबूलाल जी। ये हमारे हक और मेहनत का पैसा है। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि हम अपना हक लेकर रहेंगे। दरअसल मंगलवार की रात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री मरांडी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर झामुमो के केंद्र सरकार पर 1 लाख 36 हजार करोड़ की बकाया राशि को निराधार और भ्रामक बताया था। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी टैग कर दोष मढ़ने की बजाय राज्य के असल समस्याओं पर ध्यान देने की सलाह दे डाली। इसी पर सीएम ने भी उनके सवालों के जवाब देते इस मांग को झारखंडियों के हक का पैसा बताया।

सीएम की प्रदेश भाजपा को नसीहत : झारखंड सरकार मार्च 2022 से बकाये की मांग कर रही है। खुद सीएम हेमंत सोरेन ने मोर्चा संभाल रखा है। पीएम से ले कर कोयला मंत्री तक को वह पत्र लिख चुके हैं। इसके बावजूद झारखंड में जमकर राजनीति हो रही है। सीएम हेमंत सोरेन ने इसी मसले पर 18 दिसंबर को भी एक्स पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा है कि भाजपा अगर झारखंडियों के साथ अपना आवाज बुलंद नहीं करती है तो यह माना जायेगा कि इस हकमारी में उसकी बराबर की सहभागिता है। उन्होंने यह भी कहा है कि एक-एक रुपया का विस्तृत ब्रेकअप कई बार केंद्र सरकार को दिया जा चुका है।

किस मद में कितना बकाया : सीएम हेमंत सोरेन ने तत्कालीन कोयला मंत्री प्रल्हाद जोशी को पत्र कर बकाये का पूरा व्यौरा दिया था। उन्होंने वॉशड कोल रॉयल्टी मद में 2,900 करोड़, एमडीडीआर एक्ट के सेक्शन 21(5) के तहत खनन क्षेत्र के बाहर जाकर किए गये उत्खनन मद में 32,000 करोड़ का बकाया बताया था। इसके अलावा जमीन मुआवजा मद में 41,142 करोड़ का जिक्र किया था। जिसपर करीब 60 हजार करोड़ का ब्याज बनता है। इस हिसाब से राज्य सरकार का कोयला कंपनियों पर 1.36 लाख करोड़ रु. बकाया है। चार पन्नों के पत्र में मिनरल कंसेसन रूल 1960, एमडीडीआर एक्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का भी हवाला दिया गया था।

आपका विरोध दुखद

श्री सोरेन ने आगे लिखा कि झारखंड के हितों को लेकर यह विरोध वाकई बेहद दुखद है। जब आपको (बाबूलालजी) अपने संगठन की ताकत लगाकर हमारे साथ खड़े होना था तब आप विरोध में खड़े हो गये। अंत में हेमंत सोरेन ने लिखा है कि हम अपना हक लेकर रहेंगे, क्योंकि यह पैसा हर झारखंड का है। दरअसल, लोकसभा में 16 दिसंबर को सांसद पप्पू यादव के एक सवाल पर गत दिनों केंद्र सरकार ने जवाब में कहा कि झारखंड सरकार का कोई पैसा केंद्र पर बकाया नहीं है। इस जवाब के बाद झारखंड की राजनीति गरमा गयी है। एक तरफ सरकार ने बकाये को लेकर तमाम तरह के तथ्य व दस्तावेज दिये हैं। हेमंत सोरेन ने भाजपा सांसदों से अपील भी की थी की वे 1 लाख 36 हजार करोड़ की बकाया राशि दिलाने में संसद में आवाज बुलंद करें। सरकार ने कानूनी कार्रवाई करने की बात की है। वहीं झामुमो ने विरोध में आंदोलन की बात की है।

अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

ब्रिस्बेन। भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को क्रिकेट के तीनों प्रारूपों से संन्यास ले लिया। बुधवार को गाबा टेस्ट के बाद संवाददाता सम्मेलन में अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। संन्यास से पहले अश्विन ड्रेसिंग रूम में विराट कोहली और रोहित को गले लगाया। सभी साथी खिलाडियों का आभार जताया। अश्विन एडिलेड डे नाइट टेस्ट में टीम इंडिया का हिस्सा रहे थे, पर पहले ही रिटायरमेंट की घोषणा कर दी। टेस्ट क्रिकेट में स्पिन के जादूगर कहे जानेवाल इस गेंदबाज के सामने अच्छे अच्छे बल्लेबाज नहीं चल पाते थे। यही वजह है कि दुनिया में सबसे ज्यादा 11 बार टेस्ट मैच में मैन ऑफ द सीरीज रहे।

अनोखा रिकार्ड : दिग्गज स्पिनर अश्विन के रिकार्ड की बात करें तो भारत के लिए सबसे तेज 300 विकेट लिये। उन्होंने 54 मुकाबले मे ही यह रिकार्ड अपने नाम कर ऑस्ट्रेलिया के डेनिस लिली का (56 मैचों में 300 विकेट) का रिकार्ड तोड़ा। 106 टेस्ट में 537 विकेट झटके। 116 वनडे में 156 विकेट हासिल किया। टी-20 इंटरनेशनल मुकाबलों में 65 मुकाबलों में 72 विकेट लिये। टेस्ट में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेनेवाले बने। पहले नंबर पर अनिल कुंबले (132 मैच में 619 विकेट) हैं। अश्विन विकेट लेने में दुनिया के 7वें नंबर के गेंदबाज हैं। वह ा हमेशा से टीम इंडिया के लिए मैच विनर साबित हुए। सबसे ज्यादा एक पारी में पांच विकेट भी लिये।

तीसरा टेस्ट ड्रा करने में भारत सफल भारत ने बॉर्डर- गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा मैच ड्रॉ कर लिया। टीम इंडिया के प्लेयर्स की हार न मानने की जीद के सामने ऑस्ट्रेलिया की कोई न चली और यह मैच आखिरकार ड्रॉ हुआ। ड्रॉ मे भारत को बारिश ने भी बहुत साथ दिया। टेस्ट के आखिरी दिन तक भारत ने फॉलोऑन बचा लिया था और एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया को बैटिंग करने पर मजबूर कर दिया। कंगारू टीम दूसरी पारी मे बैटिंग करते हुए 7 विकेट पर 89 रन बनाये। भारत को 54 ओवर मे 275 का लक्ष्य था। मैच बारिश की भेट चढ़ गया।

बिना प्रश्न पत्र के ही ले ली अर्द्धवार्षिक परीक्षा

शिक्षा विभाग ने रचा इतिहास

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड के गिरिडीह स्थित सरकारी स्कूलों से एक अनूठी खबर आयी है। यह स्कूलों में चल रही अर्द्धवार्षिक परीक्षा से जुड़ा है। इस बार जेसीइआरटी रांची ने विद्यालयों को प्रश्न पत्र उपलब्ध करवाया ही नहीं और न उत्तर पुस्तिका मुहैया करवायी। बगैर प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिका के ही कक्षा एक से लेकर 7 तक बच्चों की परीक्षा ले ली गयी। 16, 17 और 18 दिसंबर, तीनों दिनों तक परीक्षा चली है और परीक्षा लेने में न सिर्फ शिक्षकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा है, बल्कि बच्चों को भी दिक्कत उठानी पड़ी है।

ऑनलाइन प्रश्न पत्र से टीचर के छूटे पसीने

अर्द्धवार्षिक परीक्षा से काफी पहले जेसीईआरटी ने आदेश जारी कर 'जे - गुरूजी' एप पर प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने की बात थी। आदेश के अनुसार विद्यालय के हेड मास्टर के 'जे - गुरूजी' एप पर एक दिन पूर्व प्रश्न पत्र भेजा गया। अब शिक्षकों को प्रश्न पत्र कक्षा के ब्लैकबोर्ड पर लिखना पड़ा। फिर उसी प्रश्न को विद्यार्थी अपने पास के कॉपी या पन्ने में उतारते रहे और उसको हल करते रहे। प्रश्न पत्र को ब्लैकबोर्ड में लिखने में आधा घंटा का समय गुजर गया। फिर बाकी बचे समय में ही बच्चों को प्रश्न का हल लिखना पड़ा। सदर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक बताते हैं कि उनके यहां एक-एक कमरे में तीन-तीन कक्षा का संचालन होता है। अब सभी की परीक्षा एक ही समय है, आप सोच सकते हैं कि किस तरह से एक ब्लैकबोर्ड और दो से तीन कक्षा का प्रश्नपत्र लिखा गया होगा। उनके यहां उन्हें लेकर दो शिक्षक हैं ऐसे में परीक्षा लेने में भी दिक्कत हुई। पहली दफा ऐसा हुआ कि बच्चों को प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिका नहीं मिली।

रूस का दावा- बना ली कैंसर की वैक्सीन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय ने ऐलान किया है कि उसने कैंसर की वैक्सीन विकसित कर ली है। अगले साल की शुरूआत में यह दवाएं रूसी नागरिकों को मुफ्त में लगायी जायेंगी। बताया जाता है कि यह वैक्सीन कैंसर मरीजों को नहीं लगायी जायेगी, बल्कि लोगों को कैंसर से बचाने के लिए इस्तेमाल की जायेगी। रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के महानिदेशक एंड्री काप्रिन ने इस बात की जानकारी दी। हालांकि अभी इस वैक्सीन को लेकर कई सवाल हैं। मसलन यह किस तरह के कैंसर का इलाज करेगी और इसका नाम क्या होगा। गामालेया नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एपिडेमियोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी के निदेशक एलेक्जेंडर गिंट्सबर्ग ने वैक्सीन को लेकर समाचार एजेंसी तास को जानकारी दी है। इसके मुताबिक वैक्सीन के प्री-क्लीनिकल ट्रायल किया गया है। इस दौरान पता चला है कि यह वैक्सीन ट्यूमर के विकास और संभावित मेटास्टेसिस को दबा देता है। इससे पहले, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि रूसी वैज्ञानिक कैंसर के लिए टीके बनाने के करीब हैं। उन्होंने कहाकि यह वैक्सीन जल्द ही रोगियों के लिए उपलब्ध हो सकती है।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	:	71500 रु./10 ग्राम
चांदी	:	91000 रु./प्रति किलो

राज्य में 20 को बारिश 21 से फिर बढ़ेगी ठंड

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड में ठंड का सितम जारी है। मौसम विभाग के अनुसार 20 और 21 दिसंबर को झारखंड के कई जिलों में बारिश की संभावना है। दक्षिणी और मध्य इलाकों में हल्के या मध्यम दर्जे की बारिश संभव है। इस कारण दिन के तापमान में गिरावट आयेगी और ठंड बढ़ेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, 21 से ठंड बढ़ने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। कई इलाकों में कोहरे छाये रहेंगे। वहीं 22 को ओड़िशा से सटे कुछ इलाकों में बूंदाबांदी की संभावना है। इससे कोल्हान के जिले पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिले में बारिश होगी।

मौसम केंद्र रांची के मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि बुधवार की तरह गुरुवार को भी मौसम शुष्क रहेगा। इस कारण शीतलहर से लोगों के थोड़ी राहत मिलेगी। हालांकि बुधवार को ठंड से थोड़ी राहत रही। गुरुवार को भी मौसम थोड़ा शुष्क रहेगा। साथ ही ठंडी हवाओं से झारखंडवासियों को राहत मिलेगी। इससे कंपकंपी ज्यादा नहीं होगी।

ऐसा रहा 24 घंटे का तापमान : बीते 24 घंटों में झारखंड में कई इलाकों में हल्का कोहरा छाया रहा। सबसे अधिक ठंड राजधानी के कांके इलाके में पड़ी।

राजभवन मार्च में कांग्रेस ने भाजपा पर हमला बोला

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने बुधवार को अडानी और उनके सहयोगियों को बचाने एवं मणिपुर में जारी हिंसा की अनदेखी करने सहित अन्य मुद्दों के विरोध में राजभवन मार्च निकाला। इस दौरान कांग्रेसी नेताओं ने भाजपा पर जम कर हमला बोला। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में शहीद स्थल से राजभवन तक किया गया, वहां सभा में परिवर्तित हो गया। सभा में श्री कमलेश ने कहा कि केंद्र सरकार अडानी और मणिपुर मामले पर पूरी तरह मौन है। मणिपुर में शांति बहाली की मांग कांग्रेस लगातार कर रही है, केंद्र सरकार इस पर चुप है। (पेज 2 भी देखे)

आंबेडकर पर शाह के बयान से संसद में हंगामा, कांग्रेस ने मांगा इस्तीफा

कांग्रेस ने कई बार बाबासाहेब का अपमान किया : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर पर दिये गये एक बयान को लेकर विपक्षी पार्टियां गृह मंत्री अमित शाह पर हमलावर हैं। उन्होंने इसे आंबेडकर का अपमान बताया है। पीएम से गृह मंत्री को हटाने तक की मांग कर डाली। संसद के दोनों सदनों में भारी हंगामा किया। विवाद बढ़ते देख पीएम मोदी को खुद अमित शाह के बचाव में उतरना पड़ा। पीएम मोदी ने कहा कि अगर कांग्रेस और उसका सड़ा हुआ इकोसिस्टम यह सोचता है कि उनके दुर्भावनापूर्ण झूठ कई वर्षों के उनके कुकर्मों को छिपा सकते हैं, खासकर डॉ. आंबेडकर के प्रति उनके अपमान को, तो वे गंभीर रूप से गलत हैं। भारत के लोगों ने बार-बार देखा है कि कैसे एक फैमिली के नेतृत्व वाली एक पार्टी ने डॉ आंबेडकर की विरासत को मिटाने और एससी/एसटी समुदायों को अपमानित करने के लिए हर संभव गंदी चाल चली है।

क्या कहा था शाह ने : संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर राज्यसभा में बहस का जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने आंबेडकर को लेकर एक बयान दिया था। शाह ने कहा था कि आजकल आंबेडकर को लेकर एक फैशन सा चल पड़ा है, विपक्षी पार्टियां और उनके नेता आंबेडकर-आंबेडकर चिल्लाते रहते हैं ...अगर इतनी बार भगवान का नाम लिया होता, तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिलता। उनके इसी बयान की कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियां उत्तेजित हो गयीं।

कांग्रेस के कारनामों की सूची काफी लंबी है

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि डॉ. आंबेडकर के प्रति कांग्रेस के कारनामों की सूची लंबी है। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस ने उन्हें एक बार नहीं, बल्कि दो-दो बार चुनाव में हरवाया। खुद नेहरू ने उनके खिलाफ चुनाव प्रचार किया और उनकी हार को प्रतिष्ठा का मुद्दा बना लिया। कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में उन्हें भारत रत्न सम्मान से सम्मानित नहीं किया, उनके चित्र को संसद के सेंट्रल हॉल में जगह नहीं दी। कांग्रेस जितनी चाहे कोशिश कर सकती है। (शेष पेज 11 पर)

नक्सली रंथू उरांव से एनआईए से पूछताछ शुरू की

रांची। नक्सली हमले में शहीद हुए चार पुलिसकर्मियों से जुड़े मामले में गिरफ्तार आरोपी गुमला के ऊपर कुल्ली गांव निवासी रंथू उरांव उर्फ गुरुचरण से एनआईए की टीम ने पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ प्रारंभ कर दी है। यह पूछताछ 21 दिसंबर के दिन के 10 बजे तक की जायेगी। पूछताछ की अवधि पूरी होने के बाद दिन के 11 बजे एनआईए कोर्ट में आरोपी को पेश किया जायेगा। इससे पूर्व एनआईए के एएसपी ने विशेष कोर्ट में आवेदन देकर चार दिनों की एनआईए पुलिस रिमांड की मांग की थी। सुनवाई पश्चात विशेष न्यायाधीश एमके वर्मा की अदालत ने तीन दिनों की पुलिस रिमांड की अनुमति प्रदान की। कोर्ट की इजाजत के बाद एनआईए ने बुधवार को जेल से उसे पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई है। मालूम हो कि लातेहार के चंदवा थाना क्षेत्र के लुकुइया गांव में 22 नवंबर 2019 की रात नक्सली हमले में चंदवा थाना में पदस्थापित एसआई सुकरा उरांव समेत चार पुलिसकर्मी शहीद हो गये थे। घटना को लेकर चंदवा थाना में 23 नवंबर को कांड संख्या 158/2019 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसे 2020 में एनआईए ने टेक ओवर कर जांच की रही है। मामले में अब तक 34 आरोपियों के खिलाफ एनआईए ने चार्जशीट दाखिल कर चुकी है।

The court of Executive Magistrate, Ranchi

AFFIDAVIT

I Salim Ansari S/O Late Abbas Ansari resident of Vill-New pirra, P.O-Ratu, P.S-Ratu, Dist-Ranchi Jharkhand-835222, do hereby solemnly affirm and declare as follows-

1.That i am indian citizan by birth and resident of above said mentioned address.

2. That my correct name is salim Ansari S/0 late Abbas Ansari and my correct address is Vill-New pirra, P.O-Ratu, P.S- Ratu, Dist-Ranchi Jharkhand -835222 my correect date of birth is 05/06/1980.

3. That I have a Aadhar card in my name in which my name has been wrongly mentioned as Sobrati Ansari S/o Abbas Ali and wrong address written as Tarhasi, P.O+P.S-Tarhasi, Dist, Palamu, Jharkhand-822118 vide Aahar card no. is 6846 4529 6349.

4. That now I have to correction my correct name and father name and correct address as Salim Ansari S/o Abbas Ansari and corrent Address VILL-New Pirra, Po-Ratu, PS-Ratu, Dist. Ranchi, Jharkhand-835222 in my said Aadhar card from the concerning authority for needful purpose.

3560
21/11/2024
L.NO- 4407/05

कांग्रेस ने अमित शाह के बयान सहित अन्य मुद्दों को लेकर निकाला विरोध मार्च

केंद्र की सरकार अडानी और मणिपुर मामले पर पूरी तरह मौन है : कमलेश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में बुधवार को अमित शाह द्वारा संसद में दिये गये बयान, अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा उद्योगपति गौतम अडानी पर लगाये गये आरोपों और मणिपुर में हो रही हिंसा पर पीएम मोदी की चुप्पी के विरोध में आज मार्च निकाला। यह मार्च शहीद चौक स्थित शहीद स्थल से शुरू होकर राज भवन तक पहुंचा। जहां मार्च में शामिल कांग्रेस नेताओं ने अपना विरोध प्रकट किया। मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि केंद्र सरकार अडानी और मणिपुर मामले पर पूरी तरह मौन है। हमारे नेता सदन में दोनों मामलों को लगातार उठा रहे हैं। मणिपुर में शांति बहाली की मांग कांग्रेस द्वारा लगातार जारी है, लेकिन मोदी जी चुप हैं। अडानी और उनके सहयोगियों के जालसाजी का पदार्फाश हुआ है। रिश्वतखोरी का खुलासा हुआ है, लेकिन आज तक इस मामले पर जनता के सामने केंद्र सरकार ने सफाई देने की भी जरूरत महसूस नहीं की। जिस तरह से मणिपुर जल रहा है, लगातार हिंसा हो रही है, कर्फ्यू लगा हुआ है लेकिन आज तक प्रधानमंत्री वहां नहीं गए। दोनों मुद्दे पर प्रधानमंत्री मौन हैं।

▶ बाल्मीकि जी को भगवान मान सकते हैं, तो फिर बाबासाहेब को मानने में क्या हर्ज है

वहां के मुख्यमंत्री भी इस मामले में फिसड्डी साबित हुए हैं। लेकिन प्रधानमंत्री उन्हें हटाने की बजाये उन्हें संरक्षण दे रहे हैं।

वहीं, कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव ने कहा कि यह जनता की आवाज है कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री उनके सवालों का जवाब दें। पिछले 1वर्ष में अमित शाह दर्जनों बार झारखंड आ चुके हैं लेकिन मणिपुर जो वर्षो से जल रहा है हत्याएं,बलात्कार की घटनाएं हो रही हैं,संवैधानिक मूल्यों की हत्या हो रही है लेकिन गृह मंत्री को वहां जाने का वक्त नहीं मिल रहा है, प्रधानमंत्री के मुंह पर ताला है।पूरे विश्व का दौरा प्रधानमंत्री कर रहे हैं लेकिन मणिपुर नजर नहीं आ रहा है। इस लोकतंत्र की यह बड़ी घटना है।अडानी प्रकरण पूरी तरह जनता के सामने है लेकिन अडानी को बचाने के लिए मोदी जी भारत की प्रतिष्ठा को विश्व के सामने धूमिल कर रहे हैं। उप नेता राजेश कच्छप ने कहा कि मोदी जी शायद यह भूल गए हैं कि संविधान ने ही यह ताकत प्रदान की है की चाय बेचते बेचते मोदी जी आज प्रधानमंत्री बन पाए। अगर अडानी को बचाने मोदी जी निकलेंगे तो जनता उन्हें गाड़ी से उतार देगी। राहुल गांधी के नेतृत्व में हमें खुद को मजबूत करना है यकीनन कांग्रेस के नेतृत्व में मणिपुर जैसी घटना नहीं होगी। अगर हम संजिदगी के साथ नहीं रहेंगे तो देश में पूंजीपतियों का राज आ जाएगा और ऐसे ही पूंजीपतियों से 200 वर्षों तक लड़कर हमने आजादी हासिल की थी।

वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि यदि कोई राजनीतिक दल या व्यक्ति अंबेडकर जी का अपमान करता है तो यह एक व्यक्ति का अपमान नहीं पूरे हिंदुस्तान का अपमान है और ऐसा दल जो हिंदुस्तान का अपमान करें किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था का राजनीतिक दल हो ही नहीं सकता। भारत मे अगर ऐसा कोई दल है तो वह है भाजपा। संविधान के माध्यम से देश में आर्थिक और सामाजिक समानता की जो कल्पना की गई थी वह समाप्त हो रहा है। कांग्रेस मोदी जी के कुकृत्यों को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि जनता ने साफ मन बना लिया है कि मोदी सरकार को कुर्सी से उतारना है। अगर भारत में बाबा साहब का रचित संविधान नहीं होता तो आज अल्पसंख्यक,आदिवासी,पिछड़े हाशिये पर होते। वहीं, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि लोगों का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाने के लिए तरह-तरह की चीजों को परोसा जा रहा है। संविधान खतरे में है यह सिर्फ बातों में नहीं है यह साफ दिख रहा है। भाजपा के लोग कहते हैं कि यहां बहुसंख्यकों का चलेगा अल्पसंख्यकों का नहीं,समाज तोड़ने की बात करते हैं।

पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री राजेश ठाकुर ने कहा कि जिस तरह से संविधान और बाबा साहब का अपमान सदन में भाजपा द्वारा किया गया है वह बर्दाश्त करने के लायक नहीं है। यह देश संविधान से चलेगा मोदी और अडानी के विधान से नहीं। राजभवन मार्च में विधायक सुरेश बैठा, नमन विक्सल कोंगाडी, भूषण बाड़ा, श्वेता सिंह, रामचन्द्र सिंह, ममता देवी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार बलमुचू, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख, योगेन्द्र साव, लाल किशोर नाथ शाहदेव आलोक कुमार दुबे, डॉ राजेश गुप्ता, राकेश सिन्हा, सोनाल शांति, रमा खलखो, आभा सिन्हा, शान्तनू मिश्रा, अमुल्य नीरज खलखो, गजेन्द्र सिंह, डॉ राकेश किरण महतो, डॉ कुमार राजा, प्रमोद दूबे, संतोष सिंह, धनंजय सिंह समेत हजारों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अवैध निर्माण को नियमित नहीं किया जा सकता : सुप्रीम कोर्ट

इस आदेश से झारखंड को भी लगेगा करंट

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची/ नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान अपने आदेश में कहा है कि अवैध भवन निर्माण को नियमित नहीं किया जा सकता। चाहे वह भवन कितना भी पुराना क्यों न हो। शीर्ष कोर्ट ने कहा है कि स्थानीय निकाय द्वारा पास नक्शा से हटकर हुए निर्माण और बिना नक्शा स्वीकृति के हुए निर्माण को नियमित करके ऐसा करने वालों को प्रोत्साहित नहीं किया जा सकता। निर्माण के लिए नियमों का पालन किया जाना जरुरी है। अगर अदालत में ऐसे मामले आते हैं, तो अवैध निर्माण के प्रति नरमी गलत होगा। शीर्ष अदालत ने यह आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा अवैध निर्माण को ध्वस्त किये जाने के फैसले को चुनौती देने के मामले में सुनवाई करते हुए कही। जस्टिस महादेवन ने आदेश दिया है कि गैरकानूनी तरीके से किये गए अवैध निर्माण को नियमित नहीं किया जा सकता।

झारखंड में फंसेंगे लाखों घर-मकान : बताते चलें कि झारखंड की राजधानी रांची ही नहीं, बल्कि अन्य शहरों में लाखों घर ऐसे हैं, जिनका निर्माण बिना नक्शा स्वीकृत कराये किया गया है। करीब आठ साल पहले रघुवर सरकार में ऐसे घरों को नियमित करने के लिए सरकार ने कदम बढ़ाये थे। हेमंत सरकार के पहले कार्यकाल में भी इस दिशा में आगे बढ़ते हुए नगर विकास विभाग के अधिकारियों ने कई बैठकें की थी।

जाली कागजात पर नौकरी करने का आरोपी बरी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जाली कागजात पर सरकारी नौकरी प्राप्त करने के मामले में ट्रायल फेस कर रहा आरोपी रोहतास जिला निवासी शैलेंद्र सिंह उर्फ सुरेंद्र सिंह को 32 साल बाद एसीबी के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार सिंह की अदालत ने बुधवार को बरी कर दिया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मामले में सबूत नहीं जुटा पाई। इसका लाभ आरोपी को मिला। बचाव पक्ष के वकील बिजय लक्ष्मी श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि शैलेंद्र सिंह ने 28 साल की उम्र में जाली प्रमाणपत्र पर रोहतास के राजकीय औषधायलय गोड़ारो में फरवरी 1984 को योगदान देने का आरोप था। इतना ही नहीं उस पर नौकरी में आने के बाद उसने कई लोगों को जाली बहाली भी करवाने का आरोप था। मामले में शैलेंद्र सिंह समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ कैबिनेट;निगरानीद्ध के निर्देश पर निगरानी के तत्कालीन एसपी ब्रज नंदन प्रसाद सिंह शिबकाटश ने पीई दर्ज की थी। इसी शिकायत पर 28 मार्च 1992 को प्राथमिकी कांड संख्या 18/92 दर्ज की गई थी। प्राथमिकी के पहले ही आरोपी ने नौकरी छोड़ दी थी।

सुरेंद्र सिंह ही निकला शैलेंद्र सिंह : एसीबी को आरोपी शैलेंद्र सिंह को खोजने में 29 साल से अधिक समय लगा। उसके पते पर एसीबी की टीम कई बार गई। लेकिन शैलेंद्र सिंह नाम का व्यक्ति का पता नहीं चल पाया। इसी दौरान एसीबी को पता चला कि शैलेंद्र अपने गांव में सुरेंद्र सिंह के नाम से जाना जाता है। तब जाकर भेद खुला। शैलेंद्र सिंह ने फरवरी 1984 से फरवरी 1988 तक नौकरी में रहा। 1992 में प्राथमिकी दर्ज की गई। 2002 में चार्जशीट दाखिल की गई जिसमें शैलेंद्र के अलावा कुंदन कुमार सिन्हाए सुरेंद्र प्रसाद वर्मा व उमा शंकर प्रसाद का नाम शामिल था। मामले के दो आरोपी सुरेंद्र प्रसाद वर्मा व उमा शंकर प्रसाद अब तक फरार है।

10 साल बाद की गई थी चार्जशीट दाखिल

प्राथमिकी के 10 साल बाद निगरानी ब्यूरो के डीएसपी भगवान प्रसाद ने आरोपियों के खिलाफ ठोस सबूत के साथ 12 दिसंबर 2002 को चार्जशीट दाखिल की थी। जिस पर अदालत ने संज्ञान लिया। इसके बाद आरोपियों को समन जारी किया गया। लेकिन शैलेंद्र सिंह फरार रहे। दवाब पर उसने 25 जून 2021 को कोर्ट में सरेंडर किया। सात महीने जेल काटने के बाद झारखंड हाईकोर्ट ने 25 जनवरी 2022 को सशर्त जमानत की सुविधा प्रदान की। जेल से निकलने के बाद मामले में उसके खिलाफ आरोप तय किया गया था। सुनवाई के दौरान एसीबी सबूत प्रस्तुत नहीं कर सकी।

खबर एक नजर में

मनी लाउड्रिंग के आरोपी को ईलाज कराने की मिली अनुमति

रांची। मनी लाउंड्रिंग मामले में ट्रायल फेस कर रहा दिल्ली निवासी सीए मुकेश मित्तल को इलाज कराने के लिये पीएमएलए कोर्ट ने अनुमति प्रदान कर दी है। इलाज के दौरान उसको अदालत में सशरीर उपस्थिति से छूट रहेगी। यह छूट 18 दिसंबर से 22 फरवरी 2025 के बीच की तारीखों तक रहेगी। इसके बाद मामले में निर्धारित अगली तारीख को आरोपी को सशरीर अदालत में उपस्थिति दर्ज करानी होगी। ग्रामीण विकास विभाग के निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम की अवैध कमाई का मनी लाउंड्रिंग करने के आरोप में मुकेश मित्तल चार्जशीटेड है। हाल ही में उस पर आरोप तय किया गया है। इस मामले में पूर्व मंत्री आलमगीर आलम समेत 12 आरोपी हैं। वर्तमान में वह मामले में निर्धारित प्रत्येक तारीख को सशरीर उपस्थित रहने की अंडर टेकिंग पर जमानत पर है। निर्धारित तारीख को हर हाल में सशरीर कोर्ट में मौजूद रहना है। नहीं होने पर अंडर टेकिंग खारिज हो सकती है। इससे पूर्व मुकेश मित्तल के अधिवक्ता ने याचिका दाखिल कर अदालत से गुहार लगाई कि गंभीर रूप से जलने से हुये घावों से परेशानी में है। याचिकाकर्ता का बायें हाथ की प्लास्टिक सर्जरी तत्काल करवाने की आवश्यकता है। सर्जरी के दौरान याचिकाकर्ता को अस्पताल में रहना होगा। नियमित रूप से विशेष फिजियोथेरेपी करानी होगी। इसमें डेढ़ से तीन महीने का समय लग सकता है। दाखिल याचिका पर सुनवाई पश्चात अदालत ने दो महीने 18 दिसंबर से 22 फरवरी 2025 के बीच की तारीखों में व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट की अनुमति प्रदान की है।

माकपा माले ने शुरू की जोहार झारखंड संकल्प अभियान

रांची। माकपा माले ने दिवंगत विनोद मिश्र और झारखंड आंदोलन के नेता विनोदबिहारी महतो के स्मृति दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाते हुये राज्य व्यापी जोहार झारखंड संकल्प अभियान के प्रारंभ किया है। भाकपा माले के राज्य सचिव मनोज भक्त ने कहा कि जल, जंगल, जमीन के संघर्ष के पक्ष में जनादेश देने के लिये जनता का अभिनंदन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिये जन गोलबंदी करेगा। संकल्प कार्यक्रम में मोदी सरकार द्वारा झारखंड के बकाया चुकता करने से इंकार करने का विरोध किया गया। इसे झारखंड पर मोदी सरकार द्वारा आर्थिक हमला कहा गया। माले कार्यालय में कॉ विनोद मिश्र और विनोद बिहारी महतो के स्मृति दिवस कार्यक्रम में जोहार झारखंड संकल्प अभियान के तहत पदयात्रा आयोजित करने का फैसला लिया गया। कॉ महेंद्र सिंह के 20वें शहादत दिवस के उपलक्ष्य में 16 जनवरी को बगोदर में पदयात्रा के विभिन्न जत्थे रैली में शामिल होंगे। संथाल परगना स्तर का 18 जनवरी को, द. छोटानागपुर व कोल्हान प्रमंडल का 20 जनवरी को, उत्तरी छोटानागपुर स्तर का हजारीबाग में 22 जनवरी को और पलामू प्रमंडल का 23 जनवरी को जनकंवेंशन आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में शुभेंदु सेन, जगन्नाथ उरांव, सुदामा खलखो, वरूण कुमार, ऐती तिर्की, भीम साव, नंदिता , समर , एनामुल खान, मो नसीम आदि उपस्थित थे।

मंत्री योगेंद्र महतो ने की उत्पाद विभाग की समीक्षा बैठक

रांची। उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री योगेंद्र महतो ने बुधवार को उत्पाद विभाग की समीक्षा बैठक। इस बैठक में उत्पाद आयुक्त समेत सभी सहायक उत्पाद आयुक्त शामिल हुए। बैठक के दौरान मंत्री ने अधिकारियों से राजस्व लक्ष्य के बारे में जानकारी ली। साथ ही कहा कि राजस्व के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में काम करें। बैठक में मंत्री योगेंद्र महतो ने अधिकारियों से कहा है कि वह सुनिश्चित किया जाये कि किसी भी हाल में खरीददरों से ज्यादा राशि की वसूली न हो। मालूम हो कि पिछले दिनों ऐसे मामले सामने आये हैं, जिनमें शराब विक्रेता दुकानदारों द्वारा प्रिंट रेट से अधिक कीमत वसूला गया है। बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को यह निर्देश भी दिया है कि किसी भी परिस्थिति में राज्य में नकली शराब की बिक्री ना हो।

झाप्रसे के 925 पदाधिकारियों की अंतिम वरीयता सूची जारी

रांची। राज्य सरकार ने झारखंड प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारियों की अंतिम वरीयता सूची जारी कर दी है। 925 पदाधिकारियों की सूची जारी की गयी है, जो बिहार पुनर्गठन अधिनियम 2000 के अधीन अंतिम संवर्ग विभाजन के बाद पारस्परिक एवं एकल आधार पर स्थानांतरण के बाद झारखंड प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारियों झारखंड लोकसेवा आयोग द्वारा अनुशंसित तथा नियुक्त पदाधिकारियों को छोड़कर की अंतिम वरीयता सूची जारी की गयी है। यानि इनमें वैसे पदाधिकारी है, जो बिहार लोकसेवा आयोग के अनुशंसा से नियुक्त हुए थे और झारखंड गठन के बाद पारस्परिक या एकल आधार पर स्थांतरित होकर झारखंड आये थे। कार्मिक विभाग ने एक संकल्प पूर्व में जारी किया था और इसमें म्यूचल ट्रांसफर कराके आने वाले पदाधिकारी की वरीयता उस वक्त राज्य में कार्यरत पदाधिकारियों के समान ही तय किया था। ऐसे में झारखंड सचिवालय सेवा के पदाधिकारी संजय कुमार ने हाइकोर्ट में एक वाद दायर किया था और झासस के अलावा वैसे सभी सेवा के पदाधिकारी जो म्यूचल ट्रांसफर या एकल ट्रांसफर आये थे उनकी वरीयता पर सवाल खड़ा किया था। मामले पर 8 दिसंबर 2020 को आदेश पारित हुआ और इसी आलोक में नये सिरे से वरीयता निर्धारण के लिए आपत्ति ली गयी। कार्मिक के पुराने संकल्प को विलोपित किया गया। आपत्तियों के निराकरण के बाद अंतिम वरीयता सूची जारी की गयी है। अब ये पदाधिकारी झारखंड में नियुक्त वरीय पदाधिकारियों से न्यून वरीयता में रहेंगे। हालांकि, इनमें अधिकारी अभी प्रमोशन पाकर उच्च पदों पर काबिज हैं।

हत्या के मामले में आरोपी को दोषी करार

रांची। नौ साल पुराने हत्या से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुये अपर न्यायायुक्त प्रथम योगेश कुमार की अदालत ने बुधवार को अभियुक्त देवनाथ महतो को दोषी करार दिया है। साथ ही, सजा के बिंदु पर सुनवाई करने के लिये 21 दिसंबर की तिथि निर्धारित की है। अभियुक्त पर चरण महतो की हत्या करने का आरोप है। देवनाथ महतो इस मामले में 15 फरवरी 2017 से लगातार जेल में ही है। इस घटना को लेकर मृतक के पिता पंचू कुमार ने 19 जुलाई 2015 को लापुंग थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि 18 जुलाई 2015 की रात्रि 11 बजे घर में परिवार के सभी सदस्य बैठकर आपस में बात कर रहे थे। उसी समय तीन अज्ञात अपराधी घर में घुस गये और चरण महतो के सीने में गोली मार दिये। इससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मामले में अनुसंधान की कार्रवाई के दौरान तीन आरोपी कुलदीप साहू, सोमरु मुंडा और देवनाथ महतो का इस हत्याकांड में सम्मिलित होने का खुलासा हुआ। दो आरोपी कुलदीप साहू और सोमरु मुंडा का भी हत्या कर दिया गया।

कार्यालय :-असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी कोडरमा
Sadar Hospital Campus, Koderma (Jharkhand) 825410
E-mail:- cs.koderma4@gmail.com

संशोधित सूचना

सदर अस्पताल कोडरमा के ए0आर0टी0 सेन्टर में अनुबंध के आधार पर चिकित्सा पदाधिकारी एवं स्टाफ नर्स के पद पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन संख्या 02/2024(Estb.) प्रकाशन की गई है। जिसका PR. No. 336855 है। उक्त प्रकाशन की सेवा/शर्तें इत्यादि में आंशिक संशोधन किया गया है। इसकी विस्तृत विवरणी koderma.nic.in अथवा कार्यालय अवधि में सिविल सर्जन कार्यालय कोडरमा से प्राप्त की जा सकती है।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, कोडरमा।

PR 342282 Health Med Edu and Family Welfare(24-25)D

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना संख्या: पीसीएमएम/जीईएनएल/टीपी/2024/43, दिनांक: 18/12/2024। "ई" प्राप्ति प्रणाली हेतु निविदा। भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, मुख्यालय कार्यालय (5वीं मंजिल), नया प्रशासनिक भवन, 11, गार्डन रीच रोड, कोलकाता-700043 खुली ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं, जिन्हें वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निम्नानुसार अपलोड किया गया है। सभी निविदाएं दोपहर 2.00 बजे बंद कर दी जाएंगी। क्र.सं.; निविदा संख्या; निर्धारित तारीख; संक्षिप्त विवरण; मात्रा और जमा बयाना राशि निम्नानुसार हैं: 1; 38243953सी; 13.01.2025; बीओएक्सएन वैगन के लिए टॉप साइड बियरर लाइनर आदि; 14090 अदद और ₹ 3,55,800। 2; 38243932बी; 16.01.2025; बीओएक्सएनएचएल वैगन के लिए नया डोरवे स्टीफनिंग क्रॉस बार; 8504 अदद और ₹ 5,88,030। 3; 60240006बी; 30.12.2024; कंक्रीट स्लीपर पर एचबीएन-66 इंसुलेटिंग लाइनर्स प्लेट टो का विनिर्माण और आपूर्ति आदि; 1600000 अदद और ₹17,36,960। 4; 33245035; 15.01.2025; विभिन्न प्रकार के हेलिकल स्प्रिंग; वेबसाइट के अनुसार और ₹ 17,85,870। 5; 33241486सी; 15.01.2025; डिस्क ब्रेक सिस्टम के लिए ब्रेक पैड का गैर-एस्बेस्टस आधारित सेट (1 अदद- एलएच और 1 अदद- आरएच) आदि; 27,000 सेट और ₹ 11,50,150। 6; 33245034; 16.01.2025; एलएचबी एसी कोचों के लिए एसएस ट्रॉफ असेंबली की आपूर्ति; 2400 सेट और ₹ 20,00,000। 7; 60240043ए; 19.12.2024; आरडीएसओ ड्राइंग संख्या : टी-8822 के अनुसार थिक वेब स्विच एक्सपैंशन जॉइंट (टीडब्ल्यूएसईजे) के निर्माण और आपूर्ति के लिए चालू अनुबंध; 1050 सेट और ₹ 20,00,000। निविदाओं के सम्पूर्ण विवरण/ब्योरा/स्पेसिफिकेशन के लिए इच्छुक निविदादाता वेबसाइट www.ireps.gov.in देख सकते हैं और अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इन मदों के लिए किसी भी परिस्थिति में मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। वि.द्र.: अन्य सभी निविदाओं में भाग लेने तथा तत्पश्चात प्रकाशित किसी भी संशोधनी के लिए भावी बोलीदाता वेबसाइट: www.ireps.gov.in नियमित रूप से देख सकते हैं। (PR-925)

चुटूपालू घाटी में सड़क का होगा चौड़ीकरण

जैना मोड़ से देवघर व गोला से रामगढ़ तक फोरलेन सड़क का हो निर्माण

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। आजसू सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने बुधवार को नई दिल्ली में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव से मिलकर के रांची एवं रामगढ़ के बीच चुटू पालू घाटी में गंडके मोड़ के समीप आये दिन होने वाली सड़क दुर्घटना में जान माल की हो रही क्षति को रोकने, सड़कों को दुरुस्त करने, फोरलेन सड़क का निर्माण, फुट ओवर ब्रिज अंडरपास का निर्माण कराने व सड़क निर्माण के लिये व अधिग्रहण किये गये भूमि का भुगतान करने कई संबंधित विषयों को लेकर चर्चा की। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष ने रामगढ़ चुटू पालू घाटी में होने वाली सड़क दुर्घटना को लेकर कहा कि इस विषय पर लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। वाहन चालक ज्यादा गति से नहीं चले। न्यूट्रल में नहीं चलायें और ओवरलोडिंग भी नहीं हो। इस पर भी ध्यान रखने की जरूरत है। स्थायी समाधान निकालने के लिए अलग से सड़क निर्माण कराया जायेगा। सांसद ने अध्यक्ष का ध्यान जैना मोड़ से देवघर वाया बेरमो, नावाडीह, डुमरी, ससारखों, नारायणपुर, मधुबन व गिरिडीह तक में फोरलेन सड़क का निर्माण कराने, गोविंदपुर एनएच 19 से गिरिडीह तक सड़क को फोरलेन करने, डुमरी मोड़ केवी हाई स्कूल के सामने व आईबीपी गूझाडीह मोड़ में आर ओबी का निर्माण कराने, गोला से रामगढ़ तक फोरलेन सड़क का निर्माण कराने पर आकृष्ट कराया।

दुष्कर्म पीड़िता से गुजरात मिलने पहुंची दीपिका पांडेय सिंह

मंत्री ने टीम के साथ झारखंड निवासी दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग बेटी से की मुलाकात, पहुंचायी आर्थिक मदद

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह के नेतृत्व में तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड निवासी दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग बेटी से गुजरात के वड़ोदरा में मुलाकात कर उसका हाल जाना। मंत्री के साथ गई टीम ने ना सिर्फ बच्ची का हाल जाना बल्कि उसे आर्थिक मदद पहुंचाते हुये पीड़िता के परिजन को चार लाख रुपये का चेक भी सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने गुजरात सरकार से दुष्कर्म के आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। मंत्री दीपिका पांडे सिंह के साथ आईजी सुमन गुप्ता, डायरेक्टर सोशल वेलफेयर किरण पांसी बच्ची से मुलाकात करने गुजरात गईं थीं।

यह है मामला

गुजरात के भरूच स्थित झघड़िया जीआईडीसी क्षेत्र में झारखंड निवासी एक नाबालिग बच्ची के साथ गत दिन दुष्कर्म हुआ था। इसके बाद पीड़ित बच्ची का इलाज अंकलेश्वर अस्पताल से भरूच सिविल और फिर वडोदरा के एसएसजी अस्पताल में हो रहा है। मामले की जानकारी के उपरांत मुख्यमंत्री ने मंत्री दीपिका पांडे सिंह के नेतृत्व में टीम को वडोदरा भेज बच्ची को मदद पहुंचाया। मालूम हो कि राज्य में रह रहे तथा प्रवासी झारखंडवासियों के प्रति राज्य सरकार हमेशा संवेदनशील रही है। फिलहाल आरोपी को स्थानीय पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सरकार अल्पसंख्यकों की समस्याओं के समाधान को प्रतिबद्ध : हफीजुल हसन

अल्पसंख्यकों को सिर झुका कर जिंदगी गुजारने की जरूरत नहीं : डॉ इरफान अंसारी

- कडरू स्थित हज हाउस में अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर परिचर्चा का किया गया आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग एवं झारखंड राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड के तत्वावधान में बुधवार को कडरू स्थित हज हाउस में अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि झारखण्ड सरकार ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में अल्पसंख्यक कल्याण के लिए जितने कार्य किये हैं, उतने कार्य आज से पहले कभी नहीं हुए थे। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के शैक्षणिक विकास के लिए सरकार कई योजनाएं चला रही हैं। उन्होंने कहा कि मदरसा बोर्ड एवं उर्दू अकादमी का सरकार जल्द गठन करेगी।

इस अवसर पर मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि झारखण्ड सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अल्पसंख्यक पूरी तरह से सुरक्षित हैं। इससे पूर्व अपने स्वगत भाषण में झारखण्ड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हाजी हिदायतुल्ला खान ने कहा कि झारखण्ड के अल्पसंख्यक समुदाय को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन पर पूरा विश्वास है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर विकास एवं भवन निर्माण मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, राज्यसभा सदस्य एवं झारखंड राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सरफराज अहमद, झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह माथारू और अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य डॉ. एम तौसीफ, वारिस कुरैशी, बरकत अली समेत कई लोग मौजूद थे।

एदारा-ए-शरीया झारखंड का प्रतिनिधिमंडल अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री से मिला

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। एदारा- ए शरीया झारखंड के नाजिमे आला मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी के नेतृत्व में झारखंड के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन अंसारी से उनके आवासीय कार्यालय में बुधवार को मिला एवं पुनः मंत्री बनाये जाने पर कमेटी की ओर से उन्हें मोबारकबाद देते हुए झारखंड के अल्पसंख्यकों की ज्वलंत समस्याओं से संबंधित उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में झारखण्ड में उर्दू एकेडमी गठन की मांग, 15 सूत्री क्रियान्वयन समिति गठन की मांग, मदरसा बोर्ड गठन की मांग, राज्य हज कमेटी गठन की मांग, राज्य के अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को एमएसडीपी स्कीम से लाभान्वित किए जाने, झारखण्ड में वैसे तमाम उर्दू स्कूल जिन्हें हिन्दी स्कूल में बदल दिया गया है को निरस्त करते हुए पूर्व की तरह उसका स्टेटस बहाल करते हुए उर्दू स्कूल बहाल किया जाना सहित अन्य मांगों को रखा। प्रतिनिधिमण्डल में मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी के साथ-साथ अकीलुर्रहमान, मो. इसलाम, कारी अय्यूब, मौलाना मसूद फरीदी (शहर काजी), मौलाना गुलाम हैदर अली सहित अन्य गणमान्य लोग मुख्य रूप से शामिल थे।

केंद्रीय मंत्री ने विशाखापतनम में सर्वेक्षण पोत का किया जलावतरण

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का गौरवपूर्ण कदम : संजय सेठ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बुधवार को विशाखापत्तनम में सर्वेक्षण पोत के जहाज निर्देशक को इंडियन नेवी में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कमिशनिंग किया। यह जहाज हमारी समुद्री सीमाओं के साथ नौसेना को भी मजबूती प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में अब सबकुछ संभव हो रहा है। यह 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ निर्मित और मल्टी.बीम इको साउंडर्स, साइड स्कैन सोनार सहित कई अत्याधुनिक प्रणालियों से सुसज्जित है। हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण, नेविगेशन, गहरे समुद्र में संचालन और पर्यावरण अध्ययन में हमारा निर्देशक अब महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। हमारी समुद्री सीमायें और क्षमताएं भी मजबूत होंगी। हमारी नौसेना अब आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ रही है। विकसित भारत की तरफ हम आगे बढ़ रहे हैं।

डीएसपीएमयू में पुस्तकों का नियमित प्रकाशन एक अच्छा संकेत है : डॉ टीके शांडिल्य

- डीएसपीएमयू में डॉ राहुल देव साह की पुस्तक का लोकार्पण

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के कांफ्रेंस हॉल में बुधवार को विश्वविद्यालय के इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग में प्राध्यापक डॉ राहुल देव साह की पुस्तक-ए कंप्रीहेंसिव गाईड टू डिजिटल एजुकेशन का लोकार्पण कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह पुस्तक नई शिक्षा नीति के अंतर्गत वैल्यू ऐडेड पाठ्यक्रम को ध्यानगत रखते हुए लिखी गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति के पाठ्यक्रम को सामने रखते हुए और विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी अकादमिक अपेक्षाओं को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न संकाय के शिक्षकों के द्वारा पुस्तकों का नियमित प्रकाशन किया जा रहा है, जो एक अच्छा संकेत है। प्रस्तुत पुस्तक उसी कड़ी का हिस्सा है। पुस्तक के लेखक डॉ राहुल देव साह ने कहा कि यह पुस्तक पूरी तरह से नई शिक्षा नीति के अंतर्गत वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम पर आधारित है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ नमिता सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ आशीष गुप्ता, डॉ अनुपम कुमार, डॉ अशोक नाग, डॉ आई एन साहू और डॉ राजेंद्र महतो उपस्थित थे।यह जानकारी पीआरओ प्रो राजेश कुमार सिंह ने दी।

झाप्रसे से 9, नॉन एससीएस से 6 अफसर बनेंगे आइएएस, 9 पर मिली सहमति

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रशासनिक सेवा (झप्रसे) सेवा से 9 अधिकारी को आईएएस में प्रमोशन मिलेगा। नयी दिल्ली में यूपीएससी के अधिकारियों के साथ इस संबंध में बैठक हुई। इसमें झारखंड से मुख्य सचिव अलका तिवारी व कार्मिक सचिव प्रवीण टोप्पो प्रमुख रूप से शामिल हुए। बताया जा रहा है कि सभी रिक्तियां 2023 की हैं। राज्य सरकार ने विभिन्न विभागों में कार्यरत वरीय झारखंड प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी का पैनल तैयार किया था और 27 नाम के अनुशंसा यूपीएससी को की थी। अधिकारियों ने बताया कि यूपीएससी ने बोर्ड मीटिंग में सझारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को आईएएस बनने पर सहमति दी है। यूपीएससी सारे तथ्यों की जांच करके प्रस्ताव कार्मिक मंत्रालय भारत सरकार को भेजेगा। संभावना जताई जारी की जनवरी माह में उनके प्रमोशन की अधिसूचना जारी हो जाएगी।

एससीएस कैडर के अधिकारियों के प्रमोशन को 27 को इंटरव्यू : झारखंड प्रशासनिक सेवा को छोड़कर दूसरी सेवा यानी स्वास्थ्य विभाग, योजना विकास विभाग, इंजीनियरिंग सेवा इत्यादि के छह अधिकारियों को भी भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रमोशन दिया जाएगा। कार्मिक विभाग ने पहले ही 21 नामों की सूची भारत सरकार और यूपीएससी को भेजी है। मिली जानकारी के अनुसार 27 दिसंबर को इन अधिकारियों के साथ साक्षात्कार होगा। इनमें जो योग्य होंगे उन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रमोशन दिया जाएगी।

इन अधिकारियों को मिला आईएएस में प्रमोशन

सुधीर बाड़ा	विशेष सचिव कल्याण विभाग
अनिल कुमार तिर्की	विशेष सचिव गृह विभाग
शैल प्रभा कुजूर	अपर सचिव पंचायती राज
संदीप कुमार	निदेशक स्पोर्ट्स
पशुपति नाथ मिश्र	डीडीसी गढ़वा
राजकुमार गुप्ता	संयुक्त सचिव जैप आईटी
नीलम लता	मंत्रिमंडल निगरानी
पवन मंडल	संयुक्त सचिव

खबर एक नजर में

जनजाति समाज के बीच तेजी से हो रहे अवैध धर्मांतरण पर विश्व हिंदू परिषद ने जतायी चिंता

रांची। विश्व हिंदू परिषद धर्म प्रसार विभाग की बैठक प्रांत कार्यालय, किशोरगंज में मंगलवार को हुई। इसमें झारखंड के जनजाति समाज के बीच तेजी से हो रहे अवैध धर्मांतरण पर चिंता व्यक्त की गई। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय धर्म प्रसार प्रमुख सुधांशु मोहन पटनायक ने कहा कि जनजातीय समाज के हितों की रक्षा के लिये धर्मांतरण रोकना अति सेवा आवश्यक है। गांव-गांव में सत्संग एवं अन्य धार्मिक कार्यों से ग्रामीणों के बीच धर्म के प्रति जागृति लाने की आवश्यकता है। इसके लिये विहिप कार्यकर्ताओं को सक्षम प्रयास करना होगा। क्षेत्र संगठन मंत्री आनंद पांडे ने कहा कि समाज के बीच संतों का प्रवास होना चाहिये। इससे समाज में समरसता आयेगी। बैठक में उपेंद्र कुशवाहा, राजेंद्र सिंह मुंडा, देवी सिंह, मिथिलेश्वर मिश्र, मनोज पोद्दार, रंगनाथ महतो, सच्चिदानंद देव, रेणु जायसवाल, नवीन मिश्र सहित कई जिलों के धर्म प्रसार प्रमुख एवं टोली के सदस्य भी उपस्थित थे।

एसआर डीएवी पुंदाग स्काउट एवं गाइड के विद्यार्थियों ने किया कंबल वितरण

रांची। एसआर डीएवी पुंदाग के स्काउट एंड गाइड के विद्यार्थियों ने स्काउट मास्टर अनुरंजन कुमार एवं जिला संगठन आयुक्त दिलीप कुमार के नेतृत्व में बुधवार को ओरमांझी प्रखंड के सुथरपुर गांव के जरूरतमंद लोगों की मदद करते हुए उनके बीच कंबल का वितरित किया। इसका उद्देश्य बच्चों में समाज सेवा की भावना जगाना था। प्राचार्य एस के मिश्र ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों में मानवता की भावना जगाने के लिए इस तरह की गतिविधियां होती रहनी चाहिए। बच्चों को बचपन से ही अच्छी - अच्छी बातें सिखानी चाहिए ,जिससे वे बड़े होकर संवेदनशील तथा जिम्मेदार नागरिक बन सकें। इस अवसर पर स्काउट एवं गाइड के प्रशासक पूर्व आईएएस ए के सिंह ने इस मानवीय काम के लिए डीएवी परिवार की सराहना की।

इंडियन बैंक की नयी रातू शाखा एवं आरसीएच नामकुम शाखा के नये परिसर का उद्घाटन

रांची। इंडियन बैंक रांची अंचल के तहत काठीटांड़ में नयी रातू शाखा एवं नामकुम में आरसीएच नामकुम शाखा के नये परिसर का उद्घाटन बुधवार को मुख्य अतिथि बालमुकुंद सहाय, निदेशक इंडियन बैंक और अंचल प्रबंधक राम स्वरूप सरकार की उपस्थिति में किया गया। रातू शाखा के साथ-साथ निदेशक ने एटीएम का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर रांची अंचल के सहायक महाप्रबंधक दिलीप कुमार सरकार, सभी मुख्य प्रबंधकगण, दोनों शाखाओं के शाखा प्रबंधक सहित विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रबंधक एवं अंचल कार्यालय के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

दिल्ली की विशेष पुलिस झारखंड में कार्यरत रेलवे कर्मियों पर भ्रष्टाचार मामले में करेगी जांच, सरकार की सहमति

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य सरकार ने दिल्ली विशेष पुलिस को झारखंड में कार्यरत रेलवे के कर्मचारियों के खिलाफ बीएनएस 2023 की धारा 61 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988-2018 संशोधित की धारा 6ए के तहत नियमित मामला दर्ज करने की सहमति प्रदान कर दी है। यह सहमति पुलिस शाखा प्रमुख, शाखा प्रमुख सीबीआई व एसीबी रांची द्वारा पांच दिसंबर 2024 के माध्यम से लिखे गये अनुशंसा पत्र के आलोक में दी गयी है। इस संबंध में गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने आदेश जारी किया है। यह स्पष्ट किया गया है कि इसके अतिरिक्त इस मामले की जांच के दौरान किसी भी अन्य अपराध, किसी षड्यंत्र, सहायता, उकसावे या समान अपराधों के संबंध में, जो एक ही लेन देन या समान तथ्यों से जुड़े हों तो उन पर भी कार्रवाई की जा सकती है। दरअसल, झारखंड में रेलवे के कर्मियों से जुड़े कई मामले सामने आये हैं, जिसमें दिल्ली की विशेष पुलिस जांच कर रही है। ऐसे में केंद्रीय अधिनियम 1946 के आलोक में दिल्ली पुलिस स्थापना के सदस्यों को झारखंड राज्य में इस एक्ट के तहत जांच करने के लिए शक्ति व अधिकार दिए गये हैं।

दिल्ली में कांग्रेस महासचिव से मिले बंधु तिर्की

रांची। पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने दिल्ली में कांग्रेस महासचिव एवं लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की। उन्होंने केसी वेणुगोपाल को सरना अंगवस्त्र से सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने राज्य के विकास और राजनीति पर विचार विमर्श किया।

मानव अधिकार मिशन के प्रदेश अध्यक्ष बने अधिवक्ता पीके लाला

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखण्ड उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता पी.के. लाला को वर्ष 2024-26 के लिए मानव अधिकार मिशन का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। दीपक कुमार और मनोज कुमार को प्रदेश महासचिव अधिवक्ता सोहनी राय, डॉ ए.के. सिन्हा एवं सुरेश गुप्ता को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। प्रदेश कार्यकारिणी के कुल 28 पदाधिकारियों का भी मनोनयन किया गया है। मानव अधिकार मिशन संस्था यूएनओ न्यूयार्क यूएसए से एफिलिएटेड है एवं नीति आयोग के अंतर्गत निबंधित है। इस संस्था के मुख्य संरक्षक भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति के.जी. बाला कृष्णन है तथा संरक्षक सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश ज्ञान सुधा मिश्रा एवं भारत के महिला आयोग की पूर्व अध्यक्षा डॉ ममता शर्मा हैं। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ महेंद्र शर्मा हैं।

रोजगार का जुमला देकर मोदी सरकार ने देश के युवाओं को ठगा : प्रदेश युवा अध्यक्ष

- राहुल गांधी के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'यंग इंडिया के बोल कार्यक्रम' की लांचिंग

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रोजगार का जुमला देकर मोदी सरकार ने देश के युवाओं को ठगा है। ये बातें बुधवार को राहुल गांधी के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम यंग इंडिया के बोल कार्यक्रम की लांचिंग करते हुए प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अभिजीत राज ने कही। उन्होंने कहा कि देश में रोजगार खत्म हो गया, अडानी संचालित मुंद्रा पोर्ट के रास्ते देश में नशे के रास्ते खोल दिए गए हैं। साथ ही देश में बेरोजगारी हावी है।

इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक सह प्रदेश महासचिव मेहुल प्रसाद, प्रदेश महासचिव शादाब खान, संदीप कुमार, अभिषेक तिवारी प्रदेश सह समन्वयकगण अभिषेक सौरभ, अभिशांत गौरव, अंशुलक कुमार, शशिकांत वर्मा, रितेश तिवारी, चंदन सिंह, अंशु तिवारी, प्रियंका सिसोदिया, कोमल कुमारी, पूनम यादव, अजीत करमाली, गौरव सिंह, पुरुषोत्तम चौधरी, शराफत हुसैन, आरिफ हुसैन, इत्यादि मौजूद थे।

देश के हर त्रस्त युवा को आवाज और मंच देने के लिए इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई है

प्रदेश युवा अध्यक्ष ने बताया कि देश के हर त्रस्त युवा को आवाज और मंच देने के लिए इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। वीथ आईवाईसी ऐप प्लेस्टोर से डाउनलोड कर के अपना 60 सेकंड का वीडियो कोई भी युवा भेज सकता है। आगे प्रतियोगिताओं के माध्यम से राष्ट्रीय मंच देने के लिए वक्ताओं का चयन किया जाएगा।

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की नौवीं कार्यकारिणी की बैठक में आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की नौवीं कार्यकारिणी की बैठक बुधवार को शाखा अध्यक्ष विनीता सिंघानिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। मीटिंग में पिछली बैठक की कार्यवाही सभा पटल में रखी गई। इसके बाद सचिव शुभा अग्रवाल ने नवंबर माह का प्रतिवेदन पेश किया।

बैठक में दिसंबर और जनवरी माह में होने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा की गई।

बैठक में विशेष रूप से मंच स्थापना दिवस, कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर, गौ सेवा, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर, जन सेवा के कार्य आदि पर चर्चा की गई।

इस मौके पर कविता सोमानी, डोली बंसल, सचिव शुभा अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष सुमिता लाठ जी, मीना टाईवाला, कार्यकारिणी सदस्य रितु पोद्दार, कोमल पोद्दार, पूजा अग्रवाल, दीपिका मोतीका, चंद्रकला, दिशा जैन उपस्थित थी।

एनआइएएमटी में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

फाउंड्री व फॉर्मिंग तकनीक औद्योगिक विकास में काफी महत्वपूर्ण: राज्यपाल

- औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय संतुलन पर दिया जोर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मैन्यूफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी (एनआईएएमटी) की ओर से आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। एनआईएएमटी के डिपार्टमेंट ऑफ फाउंड्री एंड फोर्ज और दि इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया: झारकंड द्वारा आयोजित कार्यक्रम सम्मेलन का विषय एडवांसेस इन फाउंड्री एंड फॉर्मिंग

टेक्नोलॉजी था। सम्मेलन का उद्देश्य तकनीकी प्रगति और सतत विकास में योगदान देना है। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि फाउंड्री और फॉर्मिंग तकनीक औद्योगिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन तकनीकों का उपयोग निर्माण, ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस और रक्षा जैसे क्षेत्रों में किया जाता है।

औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय संतुलन पर जोर

राज्यपाल ने एनआईएएमटी की समृद्ध परंपरा और तकनीकी अनुसंधान में उसके योगदान की भी सराहना की। उन्होंने औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय संतुलन के बीच सामंजस्य स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि टिकाऊ प्रौद्योगिकियां, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण-संवेदनशील नवाचार सतत विकास के लिए नये अवसर प्रदान कर सकते हैं। दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एनआईएएमटी के कुलाधिपति डॉ अरुण कुमार झा, पूर्व अध्यक्ष श्याम अर्जुनवाडकर, राजनीतिक विशेषज्ञ डॉ एस. दत्ता, झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के कुलपति डॉ डीके सिंह, एनआईएएमटी के निदेशक प्रो. पीपी चट्टोपाध्याय और द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स झारखंड के अध्यक्ष इंजीनियर महेश कुमार गुप्ता सहित कई शिक्षाविद, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित थे।

आत्मनिर्भर भारत व विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को मिलेगी गति

राज्यपाल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को साकार करने में सहायक सिद्ध होंगे। राज्यपाल ने एनआईएएमटी से हटिया और आसपास के क्षेत्रों में शिक्षा, स्वच्छता और कौशल विकास के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने का आग्रह किया। राज्यपाल ने आशा प्रकट की कि यह सम्मेलन तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान का सशक्त मंच बनेगा और भावी इंजीनियरों व वैज्ञानिकों को प्रेरित करेगा। उन्होंने एनआईएएमटी और आयोजन समिति के प्रयासों की भी सराहना की।

बीआइटी के किसलय विद्या मंदिर ने 36वां वार्षिकोत्सव मनाया

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। बीआईटी मेसरा स्थित किसलय विद्या मन्दिर में 18 दिसंबर, 2024 को 36वां वार्षिक उत्सव मनाया गया। स्कूल की स्थापना 15 अगस्त 1988 को हुई थी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वेद प्रकाश बाग्ला (सचिव-श्री शिव नारायण मारवाड़ी कन्या मध्य पाठशाला, सहायक सचिव-नागरमल मोदी सेवा सदन, उपाध्यक्ष एवं ट्रस्टी चिन्मय मिशन आश्रम) ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। विद्यालय के बच्चों ने कबाड़ से जुगाड़ के खिलौने, मनमोहक क्राफ्ट, एग्जीबिशन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये ।

मुख्य अतिथि वेद प्रकाश बाग्ला ने बेस्ट स्टूडेंट एंड बेस्ट पैरेंट्स ऑफ द ईयर 2024 का पुरस्कार दिया। बीआईटी, मेसरा की डीन स्टूटेंड अफेयर्स डॉ भास्कर कर्ण ने सुलेख प्रतियोगिता का पुरस्कार दिया। समाजसेवी सतीश श्रीवास्तव ने वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण किया।

कार्यक्रम में सीनियर टेक्निकल सुपरीटेंडेंट सुभाष सिंह एवं असिस्टेंट बीआईटी मेसरा के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के असिस्टेंट राम महल वर्मा भी शामिल हुए।

प्रधानाचार्या सुमन ठाकुर ने बताया कि किसलय विद्या एक ऐसा स्कूल है, जहां शिक्षा के अलावा, भारतीय संस्कृति, परंपरा, नियमित खेल, स्वास्थ्य, मानवीय मूल्य, अनेकता में एकता का भाव पर बल दिया जाता है और कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। किसलय विद्या बीआईटी मेसरा संस्थान की देखरख में चलाया जाता है। प्रधानाचार्या ने बच्चों की उज्ज्वल भविष्य की कामना की एवं विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका जुगो देवी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षारता विभाग का पत्र जारी, ट्रांसफर के लिए तैयार हुआ पोर्टल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। स्कूली शिक्षा एवं साक्षारता विभाग द्वारा जारी पत्र के अनुसार राज्य के सरकारी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों/प्रधानाध्यापकों के पारस्परिक अंतर जिला स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल तैयार किया गया है। इस पत्र के मुताबिक ऑनलाइन आवेदन के लिए पारस्परिक स्थानांतरण के लिए दोनों पक्षों की सहमति आवश्यक है। इसके लिए यूजर मेन्युअल और सहमति पत्र का प्रारूप डाउनलोड किया जा सकता है।

ये है आवेदन की तारीख : शिक्षक 19 दिसंबर 2024 से 18 फरवरी 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

18 मार्च 2025 तक जिला शिक्षा पदाधिकारी/जिला शिक्षा अधीक्षक आवेदन का सत्यापन करेंगे। 18 अप्रैल 2025 तक जिला शिक्षा स्थापना समिति का अनुमोदन और राज्य स्तरीय समिति के लॉगिन पर ऑनलाइन अग्रसारण किया जाएगा।

यह पत्र राज्य के सरकारी स्कूलों में कार्यरत इच्छुक शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों को उनके स्थानांतरण के लिए निर्देशित करता है।

आनंद मार्ग आश्रम में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

खबर मन्त्र ब्यूरो

- उपयोगिता प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन आचार्य कृपामयानन्द अवधूत ने पांच फेडरेशन पर प्रकाश डाला

रांची। बुधवार को आनंद मार्ग आश्रम हेसल में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी। उपयोगिता प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन आचार्य कृपामयानन्द अवधूत ने पांच फेडरेशन पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्टूडेंट फेडरेशन, यूथ फेडरेशन, कृषक फेडरेशन, लेबर फेडरेशन, बुद्धिजीवी फेडरेशन की आवश्यकता की विशद चर्चा की।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्राउटिस्ट यूनिवर्सल के ग्लोबल सेक्रेटरी जनरल आचार्य सत्याश्रयानन्द अवधूत थे। उन्होंने कहा कि नैतिकता समय की मांग है। नैतिकता के मजबूत नींव पर ही स्वस्थ समाज की इमारत बनायी जा सकती है। नैतिकता के बिना समाज की इमारत जर्जर हो चुकी है। कभी भी ढहकर गिर जायेगा। आज चारों तरफ अनैतिकता व्याप्त है। इसको दूर करने के लिये यम-नियम को कठोरता से पालन करना होगा।

मौके पर आचार्य कृपामयानन्द अवधूत ने कहा कि आज नैतिकता के अभाव में भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद चल रहा है। अध्यात्मवादी ही नैतिकता हो सकता है।

गर्ल्स प्राउटिस्ट की सेक्रेटरी दीदी आनन्दप्रभा ने कहा कि समाज निर्माण में नैतिकवान महिलाओं की आवश्यकता है। राजनीति में नैतिकवान महिलाओं की प्रउत वकालत करता है।

आचार्य प्रियतोषानंद अवधूत ने कहा प्रउत की नीति लागू किये बगैर किसानों की, छात्रों की, बेरोजगारों को उचित न्याय नहीं मिलेगा।

डॉ करुणा शाहदेव ने कहा कि नैतिकता के अभाव में शिक्षा, चिकित्सा आज व्यवसाय बन गया है।

वक्ताओं और श्रोताओं का स्वागत रतन कुमार महतो ने किया। संचालन आचार्य कृष्णसुंदरानंद अवधूत ने किया। धन्यवाद भुक्ति प्रधान पंचुजी ने किया। अंत में रंगारंग सांस्कृतिक अनुष्ठान हुआ।

भारतीय वायु सेना से जुड़कर करियर बनायें युवा

- कैंब्रिज इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में करियर गाइडेंस प्रोग्राम आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। युवाओं को भारतीय वायु सेना से जुड़ने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से इंडियन एयर फॉर्स के दिशा सेल द्वारा बुधवार को कैंब्रिज इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में करियर गाइडेंस प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

भारतीय वायु सेना के प्रतिनिधि और मोटिवेशनल स्पीकर नितिश प्रकाश सूर्या ने विद्यार्थियों को वायु सेना से कैसे जुड़ें इसकी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने एयर फॉर्स

कॉमन एडमिशन टेस्ट (एएफसीएटी) के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि विद्यार्थी वायु सेना की वेबसाइट पर जाकर सीधे पंजीकरण करा सकते हैं। इसकी अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2024 को निर्धारित है। इससे संबंधित परीक्षा 22 एवं 23 फरवरी को होगी। कार्यक्रम में इंजीनियरिंग के सभी ब्रांचों के प्री फाइनल व फाइनल ईयर के विद्यार्थियों ने भाग लिया। मालूम हो कि सेशन का आयोजन संस्थान के इंस्टिट्यूशन इनोवेशन कॉउन्सिल एवं ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। इसके पूर्व प्राचार्य डॉ एल रंगनाथन ने पुष्प गुच्छ देकर आगंतुकों का स्वागत किया। मौके पर आईआईसी के अध्यक्ष प्रो. दीपक कुमार वर्मा, डॉ ए भट्टाचार्य, प्रो. अरशद उशमानी, डॉ नैयर मुमताज, प्रो. विकास गोराई आदि शिक्षक मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन प्रो. रिया सिंह ने किया।

दुमका से दो साईबर अपराधी गिरफ्तार

रांची। दुमका के तालझारी पुलिस ने साईबर ठगी करते हुए दो साईबर अपराधी को धर दबोचने में सफल रही। मामले का उद्भेदन बुधवार को डीएसपी इकुड़ डुंगडुंग ने की। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर तालझारी थाना क्षेत्र हेठतीनघरा गांव के पहाड़ के पास साईबर ठगी करने की सूचना मिली। इस बावत टीम गठन कर छापामारी दल के हेठतीनघरा स्थित पहाड़ पहुंचे। पुलिस को देख अपराधी भागने का प्रयास किया। जिसे पुलिस खदेड़कर दो अपराधियों को धर दबोचने में सफल रही। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों में थाना क्षेत्र के जौंका गांव निवासी पवन कुमार मंडल एवं बुढ़ीकुरूवा गांव निवासी राकेश कुमार उर्फ छोटू है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 6 मोबाईल,18 सीम कार्ड एवं घटनास्थल से 8 बाईक को जप्त किया। पूछताछ के क्रम में आरोपियों ने संदीप कुमार मंडल एवं सोनू कुमार मंडल की संलिप्तता बताया। मामले में थाना प्रभारी अजीत कुमार के बयान पर तालझारी थाना में मामला दर्ज किया। गिरफ्तार दोनों अभियुक्त को जेल भेज दिया है।

डीपीएस चास के सुजीत बने अंकगणित जीनियस प्रतियोगिता के विजेता

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। डीपीएस चास बोकारो के सुजीत कुमार महथा ने अंकगणित जीनियस प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य चैंपियन के रूप में जीत हासिल की। इसके लिए उसे पुरस्कार स्वरूप दस हजार रुपये प्रमाण-पत्र व ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

डीपीएस चास के दो अन्य

प्रतिभागी कियान ओझा एवं आदर्श कुमार सिंह ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया था जिन्हें प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। मौके पर विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ हेमलता एस मोहन ने छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए उनकी प्रशंसा की और कहा कि यह जीत छात्रों के अटूट दृढ़ संकल्प शिक्षकों के समर्पण का एक प्रमाण है। विद्यालय की निदेशिका डॉ मनीषा तिवारी ने भी छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह अविश्वसनीय उपलब्धि है। यह हमारे विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और दृढ़ता को दर्शाता है।

प्रदेश से कृषि उत्पादों के निर्यात की अपार संभावनाएं : चैंबर

- चैंबर की इंपोर्ट एक्सपोर्ट उप समिति की बैठक आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। चैंबर की इंपोर्ट एक्सपोर्ट उप समिति की बैठक बुधवार को चैंबर भवन में हुई। इसमें झारखंड से कृषि उत्पादों के निर्यात की संभावनाओं को देखते हुए चैंबर ने प्रदेश में एक्सपोर्ट हाउस, पैक हाउस, इंस्पेक्शन हाउस और क्वालिटी कंट्रोल यूनिट लेबोरेटरी की स्थापना के साथ रांची में एयर कारगो की सुविधा में बढ़ोत्तरी को जरूरी बताया।

प्रदेश से कृषि उत्पादों के निर्यात की अपार संभावनाएं : बैठक में कहा गया कि प्रदेश से

कृषि उत्पादों के निर्यात की अपार संभावनाएं हैं। इसके तहत माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस जैसे इमली, महुआ के अलावा सब्जियों जैसे फूलगोभी, पत्तागोभी, गाजर, बिंस, मटर, टमाटर आदि का निर्यात भारी मात्रा में किया जा सकता है। उप समिति चेयरमेन एसके अग्रवाल ने कहा कि झारखंड से ताजी सब्जियां निर्यात करने में फिलहाल परेशानी है, क्योंकि यहां पर पास में कोई बंदरगाह नहीं है। यहां से फ्रेश सब्जी निर्यात करने से कृषकों की आमदनी बढ़ाई जा सकती है। इसके लिए झारखंड में इरैडिशन की जरूरत होगी, साथ में मॉर्डन वेयरहाउस, मॉर्डन कोल्ड स्टोरेज यूनिट की भी जरूरत है, जिसकी विभागीय स्तर पर समीक्षा जरूरी है।

एक्सपोर्ट की संभावनाओं को गति देने की पहल की जाये : बैठक में कहा गया कि झारखंड से एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर, एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड को नोडल अफसर के रूप में (एफेडा) नियुक्त किया गया है। आवश्यक है कि नोडल अफसर द्वारा कृषि विभाग, कृषि विश्वविद्यालय, केंद्र सरकार के आईसीएआर पलांडु के पदाधिकारियों के साथ-साथ उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ संयुक्त बैठक कर एक्सपोर्ट की संभावनाओं को गति देने की पहल की जाए। चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने इस मामले में विभागीय उच्चाधिकारियों से वार्ता की बात कही। मौके पर चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी, उपाध्यक्ष राहुल साबू, ज्योति कुमारी, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, उप समिति चेयरमेन एसके अग्रवाल, सदस्य मनीष पियूष, सीए जेपी शर्मा, प्रेमशंकर मिश्रा, विवेक सिंघानिया, आदित्य कुमार के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

प्राथमिक और मध्य विद्यालय के बच्चों का अपार कार्ड बनाना अनिवार्य

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने कहा कि वन नेशन वन कार्ड योजना के तहत झारखंड के सभी प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में पढ़ाई कर रहे छात्रों का अपार आइडी कार्ड बनाना अनिवार्य किया गया है। इस आईडी कार्ड में बच्चों का पूरा शैक्षणिक डेटा उपलब्ध होगा, जिससे छात्रों के स्थानांतरण के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। एक बार आईडी नंबर जारी होने पर यह स्वचालित रूप से डिजीलॉकर में अपलोड हो जाएगा, और छात्र का डेटा हमेशा ऑनलाइन उपलब्ध रहेगा।

जन्म प्रमाण पत्र व बायोमेट्रिक अपडेट नहीं होने से बढ़ी परेशानी : हालांकि इस प्रक्रिया में कई तकनीकी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। सबसे बड़ी समस्या यह है कि अपार आईडी कार्ड बनाने के लिए बच्चों का आधार कार्ड होना जरूरी है और इसके लिए जन्म प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है। कई बच्चों के पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं है। इस कारण उनका आधार कार्ड बनाना मुश्किल हो रहा है। इस स्थिति के कारण गरीब छात्रों के लिए अपार आईडी कार्ड बनवाना चुनौतीपूर्ण हो गया है।

छात्रों के स्थानांतरण में भी हो रही परेशानी : कुछ बच्चों के आधार कार्ड में बायोमेट्रिक अपडेट नहीं हो पाई है, जिससे उनका आईडी नंबर जारी नहीं हो पा रहा है। इस कारण छात्रों के स्थानांतरण में भी परेशानी हो रही है, क्योंकि एक स्कूल से दूसरे स्कूल में प्रवेश के समय उनका परमानेंट एजुकेशन नंबर (पीईएन) सक्रिय नहीं हो पाता। शिक्षकों ने अवकाश रद्द करके इस कार्य को पूरा करने का प्रयास किया है, लेकिन जब तक इन समस्याओं को हल नहीं किया जाता, तब तक इसे पूरा करना आसान नहीं होगा। इस समस्या का समाधान यह हो सकता है कि विद्यालय द्वारा जारी किए गए पहचान पत्र के आधार पर आधार कार्ड बनाया जाए, जिससे सुदूर गांवों के बच्चों का आधार कार्ड बनवाना सरल हो सके और अपार आईडी कार्ड की प्रक्रिया पूरी की जा सके।

खबर एक नजर में

सरला बिरला पब्लिक स्कूल की छात्रा ने इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड में जगह बनाई

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल की ग्यारहवीं कक्षा की छात्रा जानवी सिन्हा ने रीजनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। यह प्रतिष्ठित परीक्षा छात्रों की तार्किक क्षमता और गणनात्मक कौशल का आकलन करती है। जानवी ने इस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड के लिए अपनी योग्यता साबित की। प्रधानाचार्या परमजीत कौर ने जानवी की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए उसके उत्कृष्ट प्रदर्शन को प्रेरणादायक बताया और अगले चरण में भी बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।

मानसिक व शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्ति भी परमात्मा की अनमोल निधि है : ब्रह्माकुमार सूर्य प्रकाश राव

रांची। ब्रह्माकुमार सूर्य प्रकाश राव ने कहा न बोल पाना, न सुन पाना तथा मानसिक व शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्ति भी परमात्मा की अनमोल निधि है। संसार में उनकी उपस्थिति का कोई न कोई महत्व अवश्य है। उनके प्रति संवेदनशील होना हमारा कर्त्व्य है। समाज के हर क्षेत्र में इनकी सहभागिता को प्रदर्शित करने में हमें सहयोग करना है। उनकी मानसिक भावनाओं को ऊंचा उठाने में समाज को आगे आना होगा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय सामान्य भाई बहनों तथा बच्चों के जीवन में आशा उत्साह और संघर्ष की चेतना जगा कर उन्हें कर्मठ नागरिक बनाने की सेवा करता है। ये बातें मंगलवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम झारखंड दिव्यांग समानता संरक्षण एवं सशक्तिकरण अभियान के तहत कोशिश विद्यालय अरगोड़ा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। इसके अलावा हरमू स्थित राजकीय मूक- बधिर विद्यालय में भी बच्चों की क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

बालाजी मंदिर में विशेष अनुष्ठान का आयोजन

रांची। बालाजी मंदिर में धनुर्मास महोत्सव में बुधवार को श्रीगोदम्बा देवी के द्वारा अनुष्ठित व्रत के तीसरे दिन के तरूप्पावै पाशुर में त्रिविक्रम वामन का मंगलाशासन किया गया। सम्पूर्ण विधि से नित्याराधन हुआ। पोंगल एचटनी और फल का वाल भोग लगा। भगवान को ओंगि युलगलंद नाम वाला पोषाक धारण कराया। औषध का पान और गरम शॉल ओढ़ाया गया। अनेकानेक प्रकार से स्तुति पूर्वक विनत भाव से स्तवन हुआ। धनुर्मास के अनुसार सौरमास, चांद्रमास, नाक्षत्रमास और सावन मास यही मास के चार भेद हैं। सौरमास का आरंभ सूर्य की संक्रांति से होता है। सूर्य की एक संक्रांति से दूसरी संक्रांति का समय सौर मास है। इसी प्रकार 16 दिसंबर को सूर्य के धनु राशि में प्रवेश करने से धनुर्मास कहा गया और 14 जनवरी से मकर राशि में संक्रमण करने के पश्चात मकरमास होगा। दक्षिण भारत में राशि के नाम से ही मासों का नाम होता है तथा सौरमास को माना जाता है। गोदा देवी वटपत्रशायि भगवान श्रीरंगनाथ के उपासना के लिये खास मास धनुर्मास को चुना है।

अमित शाह दलित विरोधी : कैलाश यादव

रांची। अमित शाह दलित विरोधी हैं। उन्होंने बाबा साहब आंबेडकर का अपमान किया। उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिये। ये बातें बुधवार को झारखण्ड प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने प्रेस बयान जारी कर कही। उन्होंने देश के गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि ये लोग दलित, पिछड़ा, आदिवासी आरक्षण विरोधी हैं। अब देश के 90 फीसदी बहुजन आबादी के खिलाफ बीजेपी का घृणित सोच बनावटी विचारधारा और नकली चाल चरित्र चेहरा बेनकाब हुआ।

भाजपा का दलित विरोधी चेहरा उजागर हुआ : नायक

रांची। भाजपा का दलित विरोधी चेहरा उजागर हुआ। गृह मंत्री अमित शाह को इस्तीफा देना चाहिये। ये बातें आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने कही। उन्होंने कहा कि आदिवासी और दलित बाबा साहब का अपमान नहीं सहेगा।

कांग्रेस के ओरमांझी प्रखंड अध्यक्ष की पत्नी का निधन

रांची। कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष तुलसी खरवार की पत्नी बीना खरवार 45 वर्ष का निधन बुधवार को हो गया है। बताया गया कि मंगलवार रात्रि में अचानक तबियत खराब होने के बाद उपचार के लिए क्यूरिस्टा ग्लोबल हॉस्पिटल बांधगाड़ी रांची ले जाया गया गया। वहां उपचार के दौरान मौत हो गई। मौत का कारण ब्रेन हेंब्रेज बताया जा रहा है। इधर निधन की समाचार मिलते ही प्रखंड क्षेत्र के कई कांग्रेसी कार्यकर्ता हॉसिपटल पहुंचे। विधायक राजेष कच्छप, पूर्व सांसद सुबोधिकांत सहाय, उपप्रमुख रिजवान अंसारी, रमेष उरांव, हरिमोहन महतो, सुरेष साहू, प्रेमनाथ मुंडा, अषोक गुप्ता, रवि साहू, अनिता सिंह, रीना मुंडा, जीतेंद्र करमाली, मुबारक अंसारी व सफीउल्लाह अंसारी सहित कई कांग्रेसी कार्यकताओं द्वारा निधन पर गहरा संवेदना प्रकट करते हुए दुख जताया गया।

मानव तस्करी पर लगाम लगाया जायेगा : श्रम मंत्री

रांची। सूबे के श्रम विभाग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने साहिबगंज सर्किट हाउस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य को विकास के पथ पर आगे ले जाने के लिए राजस्व की जरूरत है। ताकि उद्योग व कल कारखाने स्थापित कर लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। राज्य के लोगों का पलायन रोकने के मुद्दे को सरकार ने गंभीरता से लिया है। लोगों को राज्य में ही रोजगार मिले इसके लिए सख्ती से काम किया जा रहा है। जो आने वाले समय में दिख जाएगा। सीएम हेमंत सोरेन ने सभी मंत्री को टास्क दिया है। 2 महीने में 24 जिला घूम कर अफसर के साथ रिवीयू कीजिये। ब्लॉक घूम आम लोगों से मिल समस्या जानें। जनता मालिक है, उनकी समस्या का निदान करने के लिए सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। महंगाई सहित सभी बिंदुओं पर काम करेंगे। बिचौलिया पद्धति पसंद नहीं। लोन, सब्सिडी व जमीन लेकर भागने वाले को ढूढ़ कर जेल भेजने का काम किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि कल कारखने व उधोग लगाने के लिए उद्योग विभाग से जमीन की उपलब्धता व अन्य जानकारी ली गई है। वहीं मजदूरों के उत्थान को लेकर भी सरकार गंभीर है। मानव तस्करी पर पूरी तरह लगाम लगाया जाएगा।

बेड़ो में भाजपा की चुनावी समीक्षा बैठक

बैठक में मौजूद भाजपा कार्यकर्ता।

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। भाजपा मंडल बेड़ो एवं नरकोपी मंडल के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को सरस्वती विद्या मंदिर में चुनावी समीक्षात्मक एवं सदस्यता अभियान को लेकर बैठक हुई। बैठक में चुनाव में हुई कमियों की समीक्षा की गई। साथ ही जिन कारणों से विजय नहीं प्राप्त किया जा सका इस पर गहराई से समीक्षा किया गया। साथ ही आगामी तैयारी की रणनीति बनाई गई। भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने कहा कि जिस तरह से भाजपा का वोट मांडर में बढ़ा है, वह एक बड़ी बात है। आने वाले समय में इसका साकारात्मक लाभ आने वाले चुनाव में मिलेगा। उन्होंने कहा कि जनता का जनादेश हमें विपक्ष में रहकर जनता के हक, अधिकार और न्याय के लिए आवाज उठाने और उनके लिए सदैव तत्पर रहने का मिला है। जो हमें स्वीकार है। बैठक की अध्यक्षता बेड़ो मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह,संचालन मीडिया प्रभारी मनोज कुमार साहु ने किया। मौके पर रिपूसुदन साहु नरकोपी मंडल अध्यक्ष तेजु दास, भीखा उरांव, अरूण गुप्ता, गणेश महथा, सुमंती देवी, आदित्य, राजेश, रंजन, संजय लाल, रविशंकर, मनोज सिंह, समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

सोनाहातू: लिंग हिंसा के विरोध में चलाया गया जागरुकता अभियान

सोनाहातू। प्रखंड कार्यालय परिसर में लैंगिक हिंसा के विरुद्ध राष्ट्रीय अभियान नयी चेतना कार्यक्रम आयोजित किया गया। जेएसएलपीएस समूह से जुड़ी दीदियां के नेतृत्व में जेंडर आधारित हिंसा विषय पर 'न हिंसा करेंगे न हिंसा सहेंगे' का शपथ सभी प्रखंडकर्मियों को दिलवाया गया। प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक जेएसएलपीएस द्वारा नवंबर से दिसंबर तक नई चेतना कार्यक्रम के तहत किए जा रहे कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी का धन्यवाद करते हुए भ्रूण हत्या रोकने और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया। बीडीओ खगेश कुमार ने प्रखंडकर्मियों को अभियान को सफल करने मे अपना योगदान देने को कहा। मौके पर जेएसएलपीएस कर्मी, ललित चंद्र महतो, लतिका देवी, समैया लकड़ा, लखिन्द्र मुंडा, जेंडर सीआरपी संगीता, सम्पा देवी, हरेश्वरी देवी, विंदु देवी, कुमारी शांति, रातिक देवी, जयंती देवी सहित प्रखंडकर्मी मौजूद थे।

ऑटो और बाइक की टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल

सोनाहातू। थाना क्षेत्र के भारत पेट्रोल पंप के समीप बुधवार की शाम एक बाइक और ऑटो की सीधी टक्कर हुई। टक्कर में बाइक सवार दो युवक गंभीर रुप घायल हुये है। घटना के बाद ऑटो के चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। ग्रामीणों के अनुसार दोनों युवक चोगा गांव के राजू मछुवा और मंगल सिंह मुंडा है जो सोनाहातू बाजार से घर जा रहे थे। इस दौरान विपरीत दिशा से आ रही एक ऑटो से टक्कर हुई। टक्कर इतना भीषण था कि बाइक की परखचे उड़ गए। वहीं ऑटो बीच सड़क पर पलट गई। दुर्घटना से घायल युवकों को जेएमएम के युवा प्रखंड अध्यक्ष बासुदेव महतो अपने सहयोगी प्रकाश महतो, कृष्णा सिंह मुंडा, मुन्ना महतो, मनीष महतो पुलिस के सहयोग से दोनों घायलों को प्राथमिक ईलाज के लिए सीएचसी सोनाहातू लाया गया।

रक्तदान शिविर 23 को

सिविल सोसाइटी के पांचवें स्थापना दिवस के मौके पर सोसायटी का 25 वां रक्तदान शिविर 23 दिसंबर को डकरा डिस्पेंसरी भवन में आयोजित किया गया है। इस शिविर का उद्घाटन महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता द्वारा किया जाएगा। सोसायटी के राजीव चटर्जी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 16 दिसंबर को शिविर आयोजित होता है लेकिन अपरिहार्य कारणों से अब 23 दिसंबर को करने का निर्णय लिया गया है।

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड
एक मिनीरत्न कंपनी
(कोल इंडिया लिमिटेड की एक सहायक कम्पनी)
Fuelling Sustainable Growth

सूचना

सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं के खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट **www.coalindia.in/** संबंधित अनुषंगी कंपनी (सीसीएल, **www.centralcoalfields.in**), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://coalindiatenders.nic.in** एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://eprocure.gov.in** पर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल **https://gem.gov.in** के माध्यम से भी खरीद की जाती है।

स्पीड न्यूज

राहे में पुलिस ने 7 एकड़ में लगे पोस्ते की खेती को नष्ट किया

राहे। रांची के एसएसपी और ग्रामीण एसपी के निदेर्शानुसार बुंडू डीएसपी द्वारा गठित टीम में राहे थाना प्रभारी फैज रब्बानी के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के फुलवार, बेहराबेड़ा, कापीडीह गांव के जंगल के बीच 7 एकड़ में लगे पोस्ते के पौधे को नष्ट किया। थाना प्रभारी फैज रब्बानी ने कहा कि अवैध खेती और मादक पदार्थों के व्यापार में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी संदिग्ध गतिविधि में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिसने पोस्ते की खेती किया है पहचान किया गया है। जल्द करवाई होगी।

समेति निदेशक ने सुकुरहुटू गांव का किया दौरा

चान्हो। समेति निदेशक विकास कुमार ने प्रखंड के सुकुरहुटू गांव का दौरा बुधवार को किया। इस दौरान गांव में ब्लॉकचेन के माध्यम से दिए गए बीज के माध्यम से की गई फसल, सरसों, गेहूं, चना, मसूर आदि का उन्होंने निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद ग्रामीणों के साथ बैठक कर सरकार की ओर से दी जाने वाली विभिन्न योजनाओं के विषय में किसानों को विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार जो भी सुविधा किसानों को दे रही है उसका समुचित लाभ उठाएं। किसानों की आय बढ़ाने हेतु किसान उत्पादक समूह का जो निर्माण किया गया है उस समूह के माध्यम से किसान अपनी छोटी-मोटी समस्याओं का निराकरण भी कर सकते हैं। साथ ही समूह के माध्यम से सरकार द्वारा मिलने वाली विभिन्न योजनाओं का सही लाभ भी प्राप्त किया जा सकता है। मौके पर प्रखंड के बीटीएम जनक सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

सीसीएल हेड क्वार्टर रांची में कोल फील्ड मजदुर यूनियन का बैठक

राँची/खलारी। सीसीएल हेड क्वार्टर राँची में कोल फील्ड मजदुर यूनियन कार्यालय में केन्द्रीय समिति की बैठक किया गया। बैठक की अध्यक्षता विनय सिंह मानकी व संचलन महामंत्री राघवान रघुनंदन ने किया। इस बैठक में एनके एरिया में कोल फील्ड मजदुर यूनियन की केन्द्रीय समेलन मार्च में करने का निर्णय लिया गया। केंद्रीय समिति की बैठक में एनके एरिया से सामिल हुए केंद्रिय संगठन सचिव ध्वजा राम धोबी, रामा उरांव, नंदू मेहता, रमेश कुमार सिंह, एवं सोमनाथ मालिक सहित अन्य मौजूद थे।

सिविल सोसायटी के प्रतिनिधिमंडल एनके एरिया के महाप्रबंधक से मिले

खलारी। सिविल सोसायटी खलारी-डकरा का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार शाम को एनके एरिया के महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता से मिलकर उन्हें सोसायटी द्वारा आयोजित किया जाने वाला रक्तदान शिविर की जानकारी दी। महाप्रबंधक ने सोसायटी द्वारा किए जाने वाले कार्य की सराहना की और कहा कि थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की जो सेवा आपके माध्यम से लोगों के सहयोग से किया जा रहा है यह प्रशंसनीय है। उन्होंने सोसायटी को हर संभव सहयोग का भरोसा दिया है। इस अवसर पर राजीव चटर्जी, कमलेश प्रसाद, मुनेश्वर मुन्ना, शिवरतन विश्वकर्मा, सुधीर चौहान मौजूद थे।

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा दिवस मना

सिकिदिरी। विक्रमशिला एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में सिकिदिरी के सांडी में समाज कल्याण निदेशालय झारखंड सरकार की निर्देश पर प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा दिवस मनाया गया। दिसंबर माह के विषय अनुसार खेल एवं नृत्य दिवस मनाया गया। जिसमें बच्चों की शारीरिक विकास को लेकर चर्चा की गई। अभिभावकों के साथ मिलकर शारीरिक विकास के तहत गतिविधियां एवं बच्चों को घरों में कामकाज के दौरान कैसे घरेलू गतिविधियां कराई जाएगी इस पर चर्चा की गई। आगामी जनवरी माह की विषय पर चर्चा की गई। संचालन विक्रमशिला के सुशीला कुमारी, पंकज महतो एवं रितु कुमारी ने किया। इसके दड़दाग, लोहरजारा, पार बरीडीह एवं सांडी में भी कार्यक्रम आयोजित की गई।

डीसी ने किया प्रखंड मुख्यालय का औचक निरीक्षण, कहा

दलालों व बिचौलियों पर लगेगा अंकुश

▸▸ **मुख्यालय आए जनता से रेनडम जानकारी ली**

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। डीसी रांची मंजूनाथ भजंतरी बुधवार को प्रखंड मुख्यालय का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होने प्रखंड के एक-एक कार्यालय में जाकर कर्मियों की उपस्थिति देखी। वहीं अपने-अपने कार्य से कार्यालय पहुंचे बारीडीह के जगदीश प्रजापति, कुच्चू के मजबुल खान व पुष्पा देवी सहित कई लोगों से उन्होने रेंडम पुछताक्ष कर प्रखंड व अंचल की कार्यप्रणाली को जाना, कहा केंद्र सरकार व राज्य सरकार की योजनाए जनता तक पहुंचाने की दिशा में सरकार कार्य कर रही है। इसी को लेकर जिला के विभिन्न प्रखंडो में जाकर कार्य योजनाओं में गति दे का कार्य किया जा जा रहा है। वहीं निरीक्षण के दौरान ही कई लोगों ने डीसी से मुख्यालय से संबंधित शिकायत कर बताया मुख्यालय में दलालों को अड्डा रहता है। आम लोगों को भी दलालों के माध्यम से अपना कार्य कराना पड़ता है। खूद से कार्य करना चाहते हैं उसका कार्य लटका दिया जाता है। उन्होने कहा सरकार द्वारा अबुआ साथी टोल फ्री नंबर जारी किया गया है। समस्याओं को लेकर शिकायत करें। सभी प्रखंड के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है। मुख्यालय परिसर में विचैलिया व दलालों का प्रवेश न हो, सभी पर प्रशासनिक कार्रवायी हो, शिकायत मिलने पर जिला स्तर से भी कार्रवयी होगी। साथ ही उन्होने बताया सरकार की योजना धरतल पर कार्यरत हो रहा है या नही, इसकी जानाकरी लेने के लिए पहुंचे थें। बाद में उन्होने बीडीओ कामेश्वर बेदिया से सभी कर्मियों की उपस्थिति व अवास योजना की प्रगति रिर्पोट की जानाकरी ली। उन्होने खूद ही कर्मियों की दैनिक उपस्थिति पंजी, भूमि मोटेशन व कैस बूक पंजी आदि को चेक किया। वहीं डीसी के अचनाक पहुंचने प्रखंड व अंचक कर्मियों में हड़कंप मच गया था। मौके पर बीडीओ कामेश्वर बेदिया, थाना प्रभारी अनिल कुमार तिवारी, उपप्रमुख रिजवान अंसारी, प्रखंड व अंचल कर्मी आदि उपस्थित थें।

जशपुरिया बीएड कॉलेज में क्रिसमस गेदरिंग का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। जशपुरिया बीएड कॉलेज बीसा में आज क्रिसमस गेदरिंग का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जशपुरिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के अध्यक्ष श्री जैलेन्द्र कुमार ने केक काटकर किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में क्रिसमस के संदेश प्रेम शांति और भाईचारे को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। प्राचार्य डॉ अनिल कुमार मिश्र ने अपने कहा कि क्रिसमस हमें समर्पण सेवा और मानवता के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देता है। निदेशक डॉ शालिनी प्रिया ने क्रिसमस को एकता और सहयोग का प्रतीक बताते हुए विद्यार्थियों को सामाजिक समरसता में योगदान देने की प्रेरणा दी कार्यक्रम का संचालन प्रशिक्षु आशा और तपेश्वर ने किया। इस मौके पर प्रशिक्षुओं ने नृत्य गीत और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जो क्रिसमस की भावना को जीवंत करते हुए सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में असिस्टेंट प्रोफेसर प्रभा हेनरी सरिता कुमारी साजिब कुमार रीमा उपासना कच्छप गीता महाराज और रंचन कुमारी सहित सभी फैकल्टी और प्रमुख सदस्य उपस्थित थे।

धान कटाई कर किसान फिर खेती करें, बीज मिला

ओरमांझी। धान की कटाई करने के बाद खाली पड़े खेतों में फिर से खेती करने के उदेश्य से प्रखंड क्षेत्र के 30 किसानों के बीच बीज वितरण किया गया। कृषि विभाग के राष्ट्रीय खाद सुरक्षा मिशन के तहत प्रखंड क्षेत्र के सुदूरवर्ती गांव बरगाईं बंडा के 20 किसानों को मसूर बीज व गंजा के 10 किसानों को चना का बीज दिया गया। इसकी जानाकरी देते हुए बीटीएम जलीजान हुसैन ने बताया प्रखंड मुख्यालय स्तर से चैनित सभी किसानों को 8-8 किला बीज दिया गया है। सभी किसानों को मुखिया उपमुखिया, वार्ड सदस्य व प्रखंड तकनीकी प्रबंधक द्वारा बीज वितरण किया गया। साथ ही धान फसल की कटाई के बाद खाली पड़े खेत में बीज लागने आदि की जानाकरी दी गई। मौके पर कृषक मित्र, लाभुक किसान व ग्रामीण उपस्थित थें।

सहायिका का निधन

ठाकुरगांव। बुढ़मू प्रखंड के बंसरी गांव निवासी दुबराज महली की पत्नी सरस्वती देवी 55 वर्ष का आकस्मिक निधन बुधवार को हो गया। मृतका गांव के आंगनबाड़ी केंद्र में सहायिका के पद पर कार्यरत थी। सरस्वती देवी के आकस्मिक निधन पर प्रमुख सत्यनारायण मुंडा, जिप सदस्य मनोज वाजपेयी, मुखिया दशरथ उरांव, पंसस भुनेश्वर साहु, बालेश्वर साहु, जनार्दन साहु, ग्राम प्रधान शिबु पाहन आदि ने गहरा दुःख प्रकट किया है।

चोरों का बढ़ा आतंक, एक ही रात दो दुकानों में चोरी

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड मुख्यालय में चोरों का आतंक बढ़ गया है। जहां मंगलवार की रात चोरों ने बाजार टांड़ स्थित थाना के महज कुछ दूरी पर अवस्थित दो दुकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने दुकान में शटर के ऊपर व दीवार में सेंधमारी कर नकदी समेत समानों की चोरी कर ली। पहली घटना विजय बड़ाइक के बंद पान दुकान में घटित हुई। पीड़ित दुकानदार ने बताया कि रोजाना कि भांति मंगलवार की रात्री वह अपनी दुकान बंद कर अपने घर चला गया। वहीं मंगलवार की रात लगभग साढ़े ग्यारह बजे रात में नाइट गार्ड बहादुर ने मेरे घर आ कर बताया कि आपके दुकान में चोरी हो गई है। वहीं मैं अपने दुकान पहुंचा तो देखा कि समान सब बिखरा पड़ा है और दुकान में रखे चेंज पैसा, सिगरेट, बिस्किट, गुटखा सहित अन्य सामानों को चोरों ने चोरी कर ली है। इधर सुबह में जब आस पास के दुकानदार जमा हुए तो पता चला कि बगल के देवी होटल में भी चोरों ने दीवार में सेंधमारी करके चोरी कर ली है। वहीं दुकानदारों द्वारा सूचना पर दुकान संचालक जरिया पुरनाडीह बेड़ो निवासी देवेंद्र महतो अपने दुकान पहुंचे। जब वह अपनी दुकान खोला तो देखा कि दीवार में छेद किया हुआ है। दुकान के अंदर रखा पैसा रखने वाला बॉक्स गायब है। वही बर्तन वगैरह बिखरा पड़ा हुआ था।

मदर जीरामणि बीए कॉलेज में क्रिसमस गैदरिंग का अयोजन

समाजिक विभेद पर अंकुश लगाने में शिक्षक की अहम भूमिका

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। मदर जीरामणि बीएड कालेज में बुधवार को क्रिसमस गैदरिंग को लेकर एक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं ने जमकर मस्ती किया, वहीं कई छात्र-छात्राओं द्वारा ग्रुप में सांस्कृति नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके अलावे सांस्कृतिक कार्यक्रम व नाटय प्रस्तुति के माध्यम से ईसामसीह के जन्म का महत्व भी बताया गया। इससे पूर्व समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत निदेशक कृष्णा राम व राधा देवी सहित उपस्थित अतिथियों द्वारा विधिवत कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कालेज के निदेशक स्वामी देवेंद्र प्रकाश ने छात्र-छात्राओं की प्रस्तुति की सरहाना करते हुए कहा शिक्षण संस्थानों में आयोजित कार्यक्रम का उदेश्य मनोरंज के साथ ज्ञानवर्धन भी होना चाहिए। बीएड कालेज के लगभग सभी प्रशिक्षु विद्यार्थी आने वाले समय में शिक्षक बनेगें, या शिक्षा के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाएंगे। शिक्षक को बच्चों का भविष्य निमार्ता भी कहा जाता है। बच्चों को जैसा शिक्षा मिलेगी, उसका भविष्य भी उसी अनुरूप आगे बढेगा। बच्चें देश के भविष्य होते हैं, और उन बच्चों को बेहतर शिक्षा देना शिक्षकों का दायित्व है। उन्होने समाजिक विभेद पर चिंता जताते हुए कहा समाजिक विभेद में अंकुश लगाने के लिए बच्चों को पढाने के साथ उन्हे सांस्कृति व संस्कारिक शिक्षा देना जरूरी है। तभी समाज में आपसी प्रेम बढेगा। समारोह में अतिथियों के अलावे उपप्रचार्य डॉ नजिस नाज ने भी संबोधित किया, और कहा किसी भी संस्थान का मपदंड बच्चों के आचरण व उसकी समलता से होती है। मौके पर मुख्य रूप से डॉ नीलम कुमारी, प्रो. राजेश कुमार साहू, मुबारक अंसारी, नितेश कुमार यादव, हरणी कुमारी, नीरा कुमारी, जीतेन्द्र कुमार, इरसाद अंसारी, शालो देवी, इमरोज अंसारी, राजू खान, धनेश लकड़ा, रोहित कुमार, मजहर अंसारी, कालेज कर्मी व छात्र-छात्राएं उपस्थित थें।

कार्यालय- समेकित जनजाति विकास अभिकरण (I.T.D.A) लातेहार
(अ०ज०जा०, अ०जा०, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग)

प्रवेशिकोत्तर पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के छात्र/छात्राओं के लिए छात्रवृति योजना वर्ष 2024-25 हेतु ऑनलाईन आवेदन से संबंधित आवश्यक सूचना

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजनान्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए झारखण्ड राज्य के बाहर नामांकन लेने वाले छात्र-छात्राओं के लिए झारखण्ड राज्य पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना नियमावली, 2022 के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए निम्न प्रकार ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं :-

क्र०	प्रक्रियात्मक कार्यवाही	कार्यवाही के लिए निर्धारित अंतिम तिथि
1	शैक्षणिक संस्थानों द्वारा ई-कल्याण पोर्टल पर पंजीकरण हेतु आवेदन की अंतिम तिथि।	31-12-2024
2	शैक्षणिक सत्र- 2024-25 हेतु छात्र/छात्राओं के आवेदन प्रक्रिया की अंतिम तिथि।	20-03-2025
3	संबंधित शैक्षणिक संस्थान के INO द्वारा छात्र/छात्राओं के आवेदन का सत्यापन की अंतिम तिथि।	21-03-2025

नोट :-
- पोस्ट छात्रवृति योजना से संबंधित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग, कल्याण विभाग, झारखण्ड, रॉंची से निर्गत दिशा-निर्देश एवं अन्य अनुवर्ती सूचना वेबसाईट http://ekalyan.cgg.gov.in पर देखा जा सकता है। ऑनलाईन आवेदन करने के पूर्व कृपया उक्त वेबसाईट पर दिए गए निर्देश को अवश्य देख लें।
- पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए झारखण्ड राज्य पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना नियमावली, 2022 के द्वारा निर्धारित शर्तों एवं नियमों का अनुपालन करते हुए ऑनलाईन आवेदन किया जाए। (ई-कल्याण पोर्टल पर पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना नियमावली, 2022 की प्रति उपलब्ध)
- निश्चित समय सीमा की समाप्ति के पश्चात् किसी प्रकार का आवेदन पत्र का विचार नहीं किया जाएगा।
- प्रत्येक छात्र-छात्रा आधार आधारित बैंक खाता KYC कराने के उपरान्त ही आवेदन करें।
- एक से अधिक आवेदन पत्र भरने पर छात्र-छात्रा का आवेदन पत्र रद्द कर दिया जाएगा।
- ऑनलाईन आवेदन में त्रुटि/अशुद्धि/गलत अथवा भ्रामक सूचना देन पर आवेदन रद्द कर दिया जाएगा।

जिला कल्याण पदाधिकारी,
लातेहार

PR 342297 Welfare (24-25)_D

कार्यालय,
विद्युत कार्यपालक अभियंता
विद्युत कार्यप्रमंडल, इन्जीनिर्यस हॉस्टल, धुर्वा, रॉंची।

अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 96/24-25.

1. विभाग का नाम :- उर्जा विभाग।
2. विज्ञापन दाता का पदनाम :- विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमंडल, रॉंची।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि :- दिनांक 26/12/2024 तक (2.00 बजे अपराह्न तक)
4. निविदा प्राप्ति की तिथि :- दिनांक 27/12/2024 को 2.00 बजे अपराह्न तक।
5. निविदा खोलने की तिथि :- दिनांक 27/12/2024 को 3.00 बजे अपराह्न में।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :- नगर नियंत्रण कक्ष, रॉंची, / विद्युत अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत कार्य अंचल रॉंची, एवं विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉंची।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :- नगर नियंत्रण कक्ष, रॉंची।
8. निविदा खोलने का स्थान :- विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉंची।

क्रम सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	सरायकेला-खरसावाँ अंतर्गत ग्राम- सालवनी, राजनगर प्रखण्ड में एक अदद 16 मीटर, 12 एल०ई०डी० लाईट अधिष्ठापन का कार्य पाँच वर्षो के वार्षिक सम्पोषण के साथ।	8,80,926=00	1250=00	18,000=00	अधिष्ठापन कार्य-30दिन वार्षिक सम्पोषण-05वर्ष
2.	सरायकेला-खरसावाँ अंतर्गत ग्राम- जयकान, गम्हरिया प्रखण्ड में एक अदद 16 मीटर, 12 एल०ई०डी० लाईट अधिष्ठापन का कार्य पाँच वर्षो के वार्षिक सम्पोषण के साथ।	8,25,093=00	1250=00	17,000=00	अधिष्ठापन कार्य-30दिन वार्षिक सम्पोषण-05वर्ष
3.	सरायकेला-खरसावाँ अंतर्गत राजनगर प्रखण्ड में नवोदय चौक, सिजुलता में एक अदद 16 मीटर, 12 एल०ई०डी० लाईट अधिष्ठापन का कार्य पाँच वर्षो के वार्षिक सम्पोषण के साथ।	8,03,670=0	1250=00	17,000=00	अधिष्ठापन कार्य-30दिन वार्षिक सम्पोषण-05वर्ष

विद्युत कार्यपालक अभियंता,
विद्युत कार्य प्रमंडल, रॉंची।

PR 342332 (Energy) 24-25 (D)

झारखंड सरकार
अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग
(उप निदेशक कल्याण कार्यालय, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल, रॉंची)

नामांकन सबंधी सूचना वर्ष-2025-26

दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल, रॉंची अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित निम्न अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति आवासीय विद्यालयों में वर्ष 2025-2026 के रिक्ति के अनुसार वर्ग प्रथम में नामांकन हेतु इच्छुक छात्र/छात्राओं से विहित प्रपत्र में आवेदन पत्र दिनांक 03.02.2025 तक आमंत्रित किये जाते हैं।

दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल, रॉंची अन्तर्गत संचालित विद्यालय

रॉंची— अनुसूचित जाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय, कमड़े।
अनुसूचित जाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय, बुण्डू।
टाना भगत अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय, सोनचीपी।
अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय,बारीडीह, रॉंची।
अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालिका उच्च विद्यालय, तमाड़।
अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, अमनबुरू।
अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, ओरमांझी पिस्का।
खूँटी— अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालिका उच्च विद्यालय, कुन्दी।
अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय, हूँट,अड़की।
अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, तपकरा।
अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, डोम्बारी।
बिरसा आवासीय बालक उच्च विद्यालय, उलीहातु।
गुमला— अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय, सखुआपानी।
अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय, जोभीपाट।
टाना भगत अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालिका उच्च विद्यालय, चापाटोली।
टाना भगत अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय, घाघरा।
अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, डोकापाट।
अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालिका मध्य विद्यालय, चौरापाट।
आदिम जन-जाति आवासीय प्राथमिक विद्यालय, जेहनगुटुवा। (एन0जी0ओ0 द्वारा संचालित)
आदिम जन-जाति आवासीय प्राथमिक विद्यालय, महेशपुर, चैनपुर।(एन0जी0ओ0 द्वारा संचालित)
आदिम जन-जाति आवासीय प्राथमिक विद्यालय, तुसगाँव, बिशुनपुर।(एन0जी0ओ0 द्वारा संचालित)
लोहरदगा— अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय, किस्को।
अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालिका मध्य विद्यालय, लोहरदगा।
अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, पेसरार।
अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, तुयुमुपाट।
टानाभगत अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, बमनडीहा।
सिमडेगा— अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, हाटिंगहोड़े।
अनुसूचित जन-जाति आवासीय बालिका मध्य विद्यालय, सेवई।

1. वर्ग प्रथम में नामांकन हेतु आवेदन प्रपत्र संबंधित विद्यालय से प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे प्राप्त किये जायेंगे।
2. अनुसूचित जाति के विद्यालय में अस्वच्छ कार्य में लगे परिवार के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत तथा मुसहर एवं भुईंया जाति के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत स्थान नामांकन में सुरक्षित रहेगा। उसी प्रकार अनुसूचित जन जाति की सभी उपजातियों के लिए संचालित आवासीय विद्यालयों में आदिम जनजातियों के लिए नामांकन में 25 प्रतिशत स्थान सुरक्षित रहेगा। यदि उक्त कोटि की आरक्षित सीटों के लिए छात्र/छात्राएँ उपलब्ध नहीं होते हैं तो प्रमंडलीय उप निदेशक, कल्याण का अनुमोदन लेकर मेधा सूची से ही अन्य अनुसूचित जाति एवं जन जाति की अन्य उपजातियों के बच्चों/बच्चियों का नामांकन आरक्षित सीट के विरूद्ध किया जायेगा।
3. टानाभगत के लिए संचालित विद्यालय (सोनचीपी, बमनडीहा, चापाटोली एवं घाघरा) में टानाभगत के समुदाय के ही आवेदन-पत्र वर्ग प्रथम के लिए विद्यालय में हीं स्वीकार किए जायेंगे।
4. नामांकन हेतु आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि 03.02.2025 निर्धारित है।
5. वर्ग प्रथम में नामांकन हेतु मौखिक परीक्षा दिनांक 09.02.2025 को सबंधित विद्यालय में प्रातः 11:00 बजे से होगी।
6. नामांकन हेतु चयनित छात्र/छात्राओं की सूची विद्यालय के सूचना पट पर प्रकाशित की जायेगी।
7. नामांकन के समय चयनित छात्र/छात्राओं को आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र एवं बी0 पी0 एल0/आय प्रमाण पत्र एवं टाना भगत आवासीय विद्यालयों के लिए टाना भगत समुदाय का प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
8. गरीबी रेखा से नीचे आय वाले परिवार के बच्चों को ही नामांकित किया जायेगा इसके लिये बी0 पी0 एल0/ आय प्रमाण की सूची में नाम अंकित होने के आधार पर नामांकन की पात्रता निर्धारित की जायेगी।
9. बिरसा आवासीय उच्च विद्यालय, उलिहातु में प्रथम वर्ग में 40 छात्रों का नामांकन किया जायेगा जिसमें 10 बच्चे उलिहातु ग्राम के एवं 30 बच्चे अड़की प्रखंड के विभिन्न गाँव के होंगे।
10. जिन छात्र/छात्राओं के माता पिता सरकारी सेवा में कार्यरत है उनके बच्चों का नामांकन हेतु आवेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा। इस आशय का घोषणा पत्र आवेदक के माता पिता/अभिभावक के द्वारा आवेदन पत्र के साथ जमा करना अनिवार्य होगा। असत्य/फर्जी घोषणा देने वाले अभिभावक के विरूद्ध आवश्यक कानूनी कारवाई की जायेगी।
11. चयनित छात्र/छात्राओं को दिनांक- 20.03.2025 तक नामांकन कराना अनिवार्य होगा। प्रतीक्षा सूची से नामांकन- 04.04.2025 तक किया जायगा।
12. इच्छुक छात्र/छात्राओं का चयन विभाग द्वारा गठित चयन समिति द्वारा करने के उपरान्त चयनित छात्र/छात्राओं के नामांकन हेतु कार्यवाही पंजी सभी सदस्यो से हस्ताक्षर के उपरान्त, पंजी उप निदेशक कल्याण, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमण्डल, रॉंची को दिनांक 11.02.2025 को उपस्थापित कर अनुमोदन प्राप्त कर लेगें।

उप निदेशक, कल्याण,
दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल, रॉंची

PR 342310 Welfare(24-25)#D

खबर मन्त्र

रांची. गुरुवार . 19 दिसंबर 2024

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

22 हजार करोड़ की वसूली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बताया कि सरकारी बैंकों ने भगोड़े कारोबारी विजय माल्या की संपत्तियों की सेल से 14,131.6 करोड़ रुपये वसूल किए हैं। यह वसूली आर्थिक अपराधों से निपटने और प्रभावित बैंकों को राहत देने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा है। पूर्व सांसद और किंगफिशर एयरलाइंस के प्रमोटर विजय माल्या 2016 में देश छोड़कर भाग गए थे। उन पर वित्तीय गड़बड़ियों के गंभीर आरोप हैं। भारत सरकार लंबे समय से उन्हें यूके से प्रत्यर्पित कराने की कोशिश कर रही है। उनकी संपत्तियां धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत जब्त कर बैंकों और कर्जदाताओं का पैसा वसूला गया है।

वित्त मंत्री ने लोकसभा में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अन्य बड़े आर्थिक अपराधियों की संपत्तियों की वसूली का भी जिक्र किया। विजय माल्याः 14,131.6 करोड़ रुपये, नीरव मोदीः 1,052.58 करोड़ रुपये , मेहुल चोकसी से 2,565.90 करोड़ रुपये की संपत्तियां नीलामी के लिए जब्त किये गये। नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड ने 17.47 करोड़ रुपये असली निवेशकों को लौटाए गए। कुल मिलाकर ईडी ने आर्थिक अपराधों से जुड़े मामलों में 22,280 करोड़ रुपये वसूले हैं। वित्त मंत्री ने ब्लैक मनी एक्ट 2015 के असर का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि इस कानून की वजह से करदाताओं में विदेशी संपत्तियों का खुलासा करने की प्रवृत्ति बढ़ी है।2021-22 में 60,467 खुलासे हुए थे, जो 2024-25 में बढ़कर 2 लाख हो गए।जून 2024 तक, इस कानून के तहत 697 मामलों में 17,520 करोड़ रुपये की मांग उठाई गई है। अब तक 163 मामलों में अभियोजन दर्ज किया गया है। चुनाव में यह एक बड़ा मुद्दा बना था जिस पर सरकार को जबाव देने में कठिनाई हुई थी। निश्चित तौर पर देश के लिए यह सकून की बात है।

कार्टून वर्ल्ड

आज का राशिफल

मेष : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष : अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन : अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क : उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह : यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या : घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला : शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक : अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु : बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर : आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुंभ : बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन : व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ा संविधान पर चर्चा का सत्र

जहां विपक्ष ने आरक्षण विरोधी आरोपों को दोहराते हुए कहा कि सत्ता पक्ष मूल रूप से आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ है और जब-तब दबे-छुपे ढंग से उसकी यह अंदरूनी इच्छा संघ और पार्टी के छोटे-बड़े नेताओं के बयानों से जाहिर होती रहती है।

सर्वोच्च लोकतांत्रिक सदन लोकसभा संजीदा बहस की जगह हंगामे का केंद्र बनती जा रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है। जहां जनता से जुड़े मुद्दों पर सार्थक बहस की जगह शोर शराबा, हंगामा और सदन का स्थगित होना ही आम होता जा रहा है। यही बात लोकसभा में संविधान को लेकर हुई दो दिनों की बहस की चर्चा के दौरान देखने को मिली। संविधान निर्माण के 75वें वर्ष पर हुई यह चर्चा भी छिछालेदार, आरोप-प्रत्यारोप एवं उच्छृंखलता का माध्यम बनी, जबकि संविधान पर इस चर्चा से जनता को एवं देश को सही दिशा मिलनी चाहिए थी, संविधान के प्रति प्रतिबद्धता दोहरायी जानी चाहिए थी। संविधान जैसे सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय पर सार्थक बहस न होना लोकतंत्र को कमजोर करने एवं लोकतंत्र रूपी उजालों पर कालिख पोतना ही है। सत्तापक्ष और विपक्ष ने संविधान पर चर्चा के बहाने एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने का काम करके आकाश पर पैबंद लगाने एवं सछिद्र नाव पर सवार होकर संविधान रूपी सागर की यात्रा करने का ही संकेत देकर देश की जनता को निराश ही किया है।

भले ही अपने तर्कों एवं तथ्यों से पक्ष एवं विपक्ष ने अतीत के प्रसंगों और विषयों को अधिक रेखांकित किया गया हो। निश्चित ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के अलग-अलग नजरियों को स्पष्ट करने वाली यह बहस न केवल समकालीन राजनीतिक मुद्दों पर बल्कि लोकतंत्र, समाज और इतिहास से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं को उजागर करने वाली रही, लेकिन इस बहस में आरक्षण, सावरकर, मनुस्मृति और अदाणी को शामिल करना विपक्ष की बुद्धि का दिवालियापन ही कहा जा सकता है। इनमें से अनेक प्रसंग और विषय ऐसे थे, जिन पर पहले भी किसी न किसी बहाने संसद के भीतर या बाहर चर्चा होती रही है। यह पहले से दिख रहा था कि विपक्ष संविधान पर चर्चा के बहाने यह बताने की कोशिश करेगा कि संविधान खतरे में है। लेकिन यह समझाने के लिए विपक्षी नेताओं के पास कोई मजबूत तर्क नहीं थे, वे यह स्पष्ट करने में विफल रहे कि आखिर संविधान को खतरा कैसे है? कांग्रेस संविधान पर चर्चा करते समय यह भी भूल गई कि वह यदि मोदी सरकार के एक दशक के कार्यकाल की गलतियां गिनायेगी तो उसे भी अपने चार दशकों के कार्यकाल की गलतियों हिसाब देना होगा। संविधान पर चर्चा के दौरान जैसे विपक्ष ने सत्तापक्ष पर आरोपों की झड़ी लगाई वैसे ही सत्तापक्ष ने भी विपक्ष पर आरोपों की बौछार की। लेकिन यह सब करते हुए पक्ष एवं विपक्ष ने संविधान की विशेषताओं को उजागर करने की सकारात्मकता की बजाय विध्वंसात्मक नीति का ही सहारा लिया।

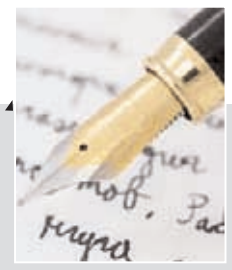

-ललित गर्ग

विपक्ष के रवैये से यही लगा कि उसे यह बुनियादी बात समझने में मुश्किल हो रही है कि जाति जनगणना कराने-न कराने से संविधान की सेहत पर क्या असर पड़ने वाला है? कांग्रेस के लिये यदि जाति जनगणना इतनी ही आवश्यक है तो नेहरू, इंदिरा, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के कार्यकाल में क्यों नहीं कराई गई? अच्छा होता कि कांग्रेस नेता पहले इस प्रश्न का जवाब देते और फिर जाति जनगणना की।

जहां विपक्ष ने आरक्षण विरोधी आरोपों को दोहराते हुए कहा कि सत्ता पक्ष मूल रूप से आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ है और जब-तब दबे-छुपे ढंग से उसकी यह अंदरूनी इच्छा संघ और पार्टी के छोटे-बड़े नेताओं के बयानों से जाहिर होती रहती है। जवाब में खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया कि आरक्षण की जो व्यवस्था अभी लागू है, उनकी सरकार उस पर आंच नहीं आने देगी, लेकिन धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कोई भी कोशिश वह सफल नहीं होने देगी। जाहिर है, इसमें मतदाताओं को अपनी पाली में करने की दोनों पक्षों की कोशिश भी देखी और पहचानी जा सकती है। सत्तापक्ष और विपक्ष ने संविधान पर चर्चा के बहाने एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने का काम ईर्ष्या और मात्सर्य की भावना से किया, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास को ही बल दे रहा था। लगता है कि विपक्षी नेता यह समझने को तैयार नहीं कि लोकसभा चुनाव के समय उन्होंने संविधान के खतरे में होने का जो हौवा खड़ा किया था, वह अब असरकारी नहीं रह गया है। विपक्ष के रवैये से यही लगा कि उसे यह बुनियादी बात समझने में मुश्किल हो रही है कि जाति जनगणना कराने-न कराने से संविधान की सेहत पर क्या असर पड़ने वाला है? कांग्रेस के लिये यदि जाति जनगणना इतनी ही आवश्यक है तो नेहरू, इंदिरा, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के कार्यकाल में क्यों नहीं कराई गई? अच्छा होता कि कांग्रेस नेता पहले इस प्रश्न का जवाब देते और फिर जाति जनगणना की आवश्यकता रेखांकित करते। लेकिन विपक्ष एवं विशेषकर कांग्रेस ऐसे मुद्दों को उछालकर खुद ही निरुत्तर होती रही है।

पूरी बहस में महापुरुषों को घसीटने का बिंदु ऐसा था जो न केवल बहस का जायका बिगाड़ने वाला कहा जा सकता है बल्कि यह निरुद्देश्यता एवं स्तरहीनता को ही दशार्ने वाला कहा जा सकता है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को यह भी बताना चाहिए कि संविधान पर बहस करते समय सावरकर का नाम लेना और मनुस्मृति दिखाना क्यों आवश्यक हो गया था? कांग्रेस को यह समझ आ जाए तो बेहतर कि सावरकर, मनुस्मृति और अदाणी का उल्लेख करते रहने से उसे कोई राजनीतिक लाभ नहीं मिलने वाला। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष की तू-तू मैं-मैं चलती रहती है, लेकिन इसमें महापुरुषों को घसीटना अब बंद होना चाहिए। हमारे हर महापुरुष ने अपने समय, समाज और समझ की सीमाओं में रहते हुए कुछ ऐसा योगदान किया, जिसके लिए हम कृतज्ञ महसूस करते हैं। इसका मतलब उनके हर विचार से सहमति रखना या उनके हर कृत्य को समर्थन देना नहीं है। लेकिन उनके प्रति समाज की या उसके एक हिस्से की भी भावनाओं का सम्मान हमारी राजनीति का हिस्सा होना चाहिए।

सत्ता पक्ष ने इमरजेंसी का पुराना आरोप भी उछला, लेकिन नई बात यह रही कि इस पर बचाव की मुद्रा अपनाने के बजाय कांग्रेस इस तर्क के साथ सामने आई है कि भाजपा को भी अपनी गलतियों के लिए माफी मांगनी चाहिए। लेकिन यहां इमरजेंसी जैसी कोई भाजपा की गलती बताने में कांग्रेस नाकाम ही रही। एक और बड़ी विडम्बना यह देखने को मिली कि संविधान निर्माण को किसी दल विशेष की देन कहा गया जबकि संविधान निर्माण में सभी दलों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर विशेषतौर पर कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और कहा कि पिछले कुछ वर्षों से देश में ऐसा माहौल बनाया गया है कि संविधान एक पार्टी की विशेष देन है, जबकि वास्तविकता यह है कि संविधान के निर्माण में बहुत से लोगों की भूमिका रही है जिसे पूरी तरह से नकार दिया गया। संविधान सभा ने जो संविधान तैयार किया था, वह केवल कानूनी दस्तावेज नहीं था, बल्कि वह जनआकांक्षाओं का प्रतिबिंब था। उन्होंने कहा कि संविधान पार्टी विशेष नहीं बल्कि राष्ट्र का है, पार्टी विशेष ने संविधान निर्माण को हाईजैक कर लिया। निश्चित ही संविधान देश का सुरक्षा कवच है। लोकसभा में संविधान पर बहस की मूल आवश्यकता उन कारणों पर बुनियादी चर्चा की थी जिनके चलते संविधान निमार्ताओं के सपने अभी भी अधूरे हैं और नियम-कानूनों पर संविधान की मूल भावना के अनुरूप पालन नहीं हो पा

लेटर टू एडिटर

स्वदेशी तकनीक

भारतीय स्वदेशी तकनीक की वैश्विक मांग बढ़ रही है। वंदे भारत ट्रेन जैसे उदाहरण ने इसे साबित किया है; इस ट्रेन की मांग कई देशों, जैसे चिली, कनाडा और मलेशिया, में बढ़ी है। इसकी मुख्य वजह भारत में इसका कम मूल्य है–वहीं अन्य देशों में ऐसी ट्रेनें 160 से 180 करोड़ में बिकती हैं, जबकि भारत में ये 120 से 130 करोड़ में उपलब्ध हैं। भारतीय निर्माण की गति भी बेहतर है। यह सब ह्यमेक इन इंडियाह्न के सपने को साकार कर रहा है।

-अमृतलाल मारू, रांची

जंग नहीं समाधान

इस्राइल ने गाजा और दक्षिणी लेबनान पर बड़े हवाई हमले किए, जिसमें हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाया गया। जिसने ही चल रहे संघर्ष को जन्म दिया। हिजबुल्लाह ने जवाब में उत्तरी इस्त्राइल में रॉकेट दागे, जिसमें हाइफा जैसे शहर शामिल थे। वैसे जंग किसी भी समस्या का हल नहीं है।

- रोहित शाह, हजारीबाग

ट्वीट

झारखंडियों के हक में इस बकाया राशि का एक-एक रुपये का विस्तृत ब्रेकअप केंद्र सरकार को कई बार दिया जा चुका है - फिर भी भाजपा सरकार द्वारा इसे लगातार नकारना हमारे अधिकारों पर किया जाने वाला एक कुंठित प्रयास है। हम इसे होने नहीं देंगे।

- हेमंत सोरेन, सीएम

कोयला हमारा, जमीन हमारा, कब मिलेगा हमारे हक-अधिकार का 1 लाख 36 हजार करोड़? चुनाव मे हमने अपनी ताकत दिखाई है, हमे मजबूर ना करें..अब झारखंड का एक भी कोयला बाहर नही जाएगा..

झारखंड से लोकसभा और राज्यसभा मे चुने गए भाजपा के सदस्य कहा हैं, सब गूंगे और बहरे हो गए क्या ?

- सुप्रियो भट्टाचार्य झामुमो

चुनावी राजनीति में सॉफ्ट टारगेट क्यों बनती जा रही हैं महिलाएं ? कब होगी असली मुद्दों की बात ?

संतोष पाठक

सामयिक

भारत जैसे कल्याणकारी राज्य में इस तरह की योजनाओं की प्रासंगिकता पर सवाल नहीं उठाए जाने चाहिए लेकिन यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि राजनीतिक दल इसे चुनाव जीतने के लिए एक टूल की तरह इस्तेमाल करने लग गए हैं।

भारत की राजनीति में महिलाएं राजनीतिक दलों के लिए एक सॉफ्ट टारगेट बनती जा रही हैं। देश के सभी राजनीतिक दलों को यह लगने लगा है कि महिला मतदाताओं को लुभा कर चुनावी जीत हासिल की जा सकती है। यही वजह है कि एक के बाद एक कई राज्यों में राजनीतिक दलों ने खासकर सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों ने महिलाओं के खाते में सीधे कैश पहुंचा कर सत्ता में फिर से वापसी करने में कामयाबी हासिल कर ली है।

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री रहने के दौरान शिवराज सिंह चौहान, लाडली बहना योजना चलाकर अपने आपको पूरे राज्य की महिलाओं के लिए भाई और बच्चों के लिए मामा के रूप में स्थापित कर चुके हैं। शिवराज सिंह चौहान सरकार के नक्शे-कदम पर चलते हुए हाल ही में महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की महायुति गठबंधन सरकार और झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार ने सत्ता में जोरदार वापसी की है।

राजनीतिक दल चुनावी राजनीति के हिसाब से किस तरह से महिलाओं को सॉफ्ट टारगेट मान रहे हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विभिन्न राज्यों में सत्तारूढ़ सरकारें अब चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में एक निश्चित रकम भेजने की योजना लाते हैं और अगर संभव होता है तो एक-दो किस्त भेज भी देते हैं और फिर महिलाओं से यह वादा करते हैं कि अगर वे उनकी पार्टी को चुनाव जीता दें तो फिर से सरकार बनने के बाद वे उस राशि को बढ़ा देंगे। अब इसे महिला सम्मान योजना का नाम दिया जाए या लाडली बहना योजना का नाम दिया जाए या फिर कोई और नाम दिया जाए लेकिन सही मायनों में यह एक चुनावी रिश्वत से ज्यादा कुछ नहीं होता है।

अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के नाम पर हर महिला के खाते में एक हजार रुपए भेजने की घोषणा की, हालांकि वे और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, दोनों ही इस बात को बखूबी समझते हैं कि चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में पैसे जाने की संभावना बहुत ही कम है। लेकिन उस पर भी तुर्रा देखिए कि केजरीवाल ने एक तरह से महिलाओं को चुनावी लालच देते हुए यह भी घोषणा कर दी है कि विधानसभा चुनाव जीतवा दो तो इसे बढ़ाकर 2100 रुपए कर दिया जाएगा। हालांकि दिल्ली सरकार के वित्त विभाग ने इस योजना में होने वाले खर्च की राशि को लेकर कई तरह की गंभीर चिंताएं व्यक्त की हैं।

भारत जैसे कल्याणकारी राज्य में इस तरह की योजनाओं की प्रासंगिकता पर सवाल नहीं उठाए जाने चाहिए लेकिन यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि राजनीतिक दल इसे चुनाव जीतने के लिए एक टूल की तरह इस्तेमाल करने लग गए हैं। चुनावी शोर, चुनावी वादें और चुनावी जीत की गहमा-गहमी के बीच असली मुद्दे कहीं गौण होते नजर आ रहे हैं।

सवाल यह खड़ा हो रहा है कि आखिर इस तरह की योजनाएं चुनाव के पहले ही क्यों शुरू की जाती है ? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या 1000, 1500, 2100 या 3000 रुपए की राशि से सभी समस्याओं का स्थायी समाधान हो जाता है। वास्तव में एक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा में फ्री शिक्षा, फ्री स्वास्थ्य और फ्री नौकरी निहित होती है लेकिन विडंबना देखिए कि सरकारों ने इन मुद्दों पर स्थायी काम करने की बजाय कामचलाऊ हल ढूंढ लिया है।

सरकार और देश के राजनीतिक दल, लोगों को फ्री शिक्षा, फ्री स्वास्थ्य और फ्री नौकरी देने से बचने के लिए बाकी हर चीज मुफ्त में देने को तैयार है। ऐसे में अब वक्त आ गया है कि महिला मतदाताओं को ही आगे बढ़कर, नेताओं से यह सवाल पूछना चाहिए कि सरकारी स्कूलों और कॉलेजों की हालत इतनी खराब क्यों हैं ? प्राइवेट स्कूलों और कॉलेजों की फीस बेतहाशा क्यों बढ़ती जा रही है ? जिस देश में बड़े पैमाने पर डॉक्टरों की कमी है, उस देश में एमबीबीएस की पढ़ाई का खर्च सालाना एक करोड़ रुपए से भी ज्यादा कैसे हो गया है ? सरकारी अस्पताल में समय पर उचित और फ्री इलाज क्यों नहीं मिल पा रहा है ? नौकरी तक का फॉर्म भरने के लिए बेरोजगार बच्चों से सैकड़ों-हजारों रुपए क्यों लिए जा रहे हैं ? क्योंकि अगर आप जोड़ कर देखेंगी तो ये सभी खर्च मिलाकर आपको महिला सम्मान या लाडली बहना योजना के नाम पर मिलने वाली राशि से कई हजार गुना ज्यादा बैठ जाएगी।

राहुल में पीएम मोदी को टक्कर देने की क्षमता नहीं, ममता,उमर और रामगोपाल समझें

उमेश चतुर्वेदी

राजनीति

अगर ईवीएम पर इतना ही संदेह है तो संदेह करने वाले दलों को चाहिए कि वे ईवीएम के जरिए होने वाले चुनावों का बहिष्कार करें। इसके बाद अगर चुनाव होगा तो निश्चित है कि इस चुनाव की पवित्रता सवालों के घेरे में आ जाएगी।

संविधान पर संसद में विशेष बहस पर अपने नेताओं प्रियंका वाड्रा और राहुल गांधी के भाषणों को लेकर जिस वक्त कांग्रेस गद्गद् हो रही थी, उसी वक्त उस पर कश्मीर की वादियों से सियासी गर्मी का जबर्दस्त झोंका आया। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस को सीधे-सीधे सलाह दे डाली कि ईवीएम का रोना छोड़ो और अपनी हार को स्वीकार कर लो। दिलचस्प यह है कि लोकसभा के अपने पहले भाषण में संविधान पर चर्चा के दौरान प्रियंका वाड्रा ने कहा था कि ईवीएम हटा दो, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। प्रियंका के इस बयान के ठीक बाद सामने आए उमर अब्दुल्ला के ये शब्द महज बयान नहीं है, बल्कि इसके कई राजनीतिक अर्थ हैं।

उमर के इस बयान को ममता बनर्जी और रामगोपाल यादव की अभिव्यक्ति की अगली कड़ी के रूप में रखा जा सकता है। यहां एक बार फिर दोहरा देना उचित ही होगा कि इंडिया गठबंधन के अघोषित अगुआ को रूप में राहुल गांधी को नकार चुकी हैं और समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव कांग्रेस की अगुआई को ही नकार चुके हैं। उमर अब्दुल्ला ने अपने बयान के जरिए एक तरह से साफ कर दिया है कि कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व में उनका भरोसा नहीं है। आज की राजनीति जिस बिंदु पर पहुंच चुकी है, उसमें अगुआ की हर गलत-सही बात का समर्थन करना ही अनुयायियों की पहली शर्त बन गई है। तार्किकआधार पर समर्थन और विरोध की सोच को हमारे समाज ने सिरे से नकार दिया है। यह नकार राजनीति में सबसे ज्यादा नजर आता है। अगुआ की बात को अनुयायी ने स्वीकार नहीं किया तो उसे सीधे-सीधे नाफरमानी या अनुशासनहीनता माना जाता है। दलीय व्यवस्था में ऐसे नकार की सजा निष्कासन और निलंबन तय है। चूंकि इंडिया गठबंधन औपचारिक कोई दल नहीं, बल्कि दलों का समूह है, लिहाजा यहां वैसी अनुशासनिक व्यवस्था नहीं है। इसके बावजूद मोटे तौर पर गठबंधनों के बीच एक समझ रही है कि गठबंधन और उसके अगुआ की सेहत पर असर ना पड़े, ऐसी बयानबाजी से दूर रहा जाए।

लेकिन ममता बनर्जी, रामगोपाल यादव और उमर अब्दुल्ला के बयान के संदेश साफ हैं। संदेश यह है कि कांग्रेस की अगुआई में उन्हें नरेंद्र मोदी को चुनौती दे पाने की ताकत राहुल गांधी में नहीं दिखती। इन बयानों का एक संदेश यह भी है कि राहुल गांधी की अगुआई में इन दलों का कम से कम राष्ट्रीय स्तर पर कोई भविष्य नहीं है। लेकिन उमर अब्दुल्ला इससे आगे का भी संकेत दे रहे हैं। ईवीएम के बहाने वे कांग्रेस को यह भी संदेश दे रहे हैं कि ह्यमीठा-मीठा गप और कड़वा-कड़वा थूह्न की वैचारिक सोच वाली राजनीति लंबे समय तक नहीं चल सकती। यह कैसे हो सकता है कि जिस ईवीएम के सहारे आप अमेठी और वायनाड जीतने के बाद आप जश्न में डूब सकते हैं, जिसके सहारे 55 से 99 सीटों पर पहुंच जाते हैं तो इसे अपनी भारी जीत बताते हैं, जिस ईवीएम के ही सहारे जब आप कर्नाटक, हिमाचल और झारखंड और यहां तक कि कश्मीर जीत जाते हैं तो इसे नरेंद्र मोदी की हार बताने लगते हैं, लेकिन अगर चुनावी रणनीति में मात खाने के बाद सत्ता की दौड़ में पीछे रह जाते हैं तो ईवीएम को दोषी ठहराने लगते हैं। यह दोहरापन नहीं चलनेवाला। इसे जनता भी समझने लगी है।

अगर ईवीएम पर इतना ही संदेह है तो संदेह करने वाले दलों को चाहिए कि वे ईवीएम के जरिए होने वाले चुनावों का बहिष्कार करें। इसके बाद अगर चुनाव होगा तो निश्चित है कि इस चुनाव की पवित्रता सवालों के घेरे में आ जाएगी। अगर ईवीएम पर संदेह करने वाले दल चुनाव प्रक्रिया से बाहर हो जाएं तो विपक्ष विहीन चुनाव को जनता भी स्वीकार नहीं कर पाएगी और उस चुनाव को सहज लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अंग नहीं माना जा सकेगा।

कोई भी दल संसदीय राजनीति के उस रसूख को छोड़ने का साहस नहीं रखता, जो उसे सांसद या विधायक बनने के बाद हासिल होता है। इन दलों और उनके नेताओं को पता है कि संसद और विधानमंडल से बाहर रहने के बाद उनकी बातें गौर से सुनीं नहीं जातीं और उनके शब्दों को तवज्जो भी नहीं मिलता। इसलिए वे ईवीएम पर सवाल भी उठा रहे हैं और उसी ईवीएम के जरिए संसदीय कुर्सियों पर भीकाबिज रहना चाहते हैं। यह भी एक तरह से चारित्रिक दोहरापन ही है और उमर अब्दुल्ला का यह बयान उस दोहरापन से खुद को अलग करने की कोशिश भी हो सकता है।वैसे कांग्रेस के लोगों से ऑफ द रिकॉर्ड बात कीजिए तो वे भी मानते हैं कि चाहे ईवीएम का मुद्दा हो या किसानों का आंदोलन, उनके लिए सिर्फ कवरअप के मुद्दे हैं। कवरअप यानी बचाव का मुद्दा। पार्टी के अंदरूनी सूत्र भी मानते हैं कि जिन कृषि कानूनों के विरोध में कांग्रेस राजनीति कर रही है, उन्हें उसकी ही सरकार ने तैयार किया था। ईवीएम का चलन 2004 में पूरी तरह शुरू हुआ। जिसमें कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानी यूपीए को जीत मिली थी और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने थे। तब तो कांग्रेस को यह जीत बहुत पसंद आई थी। इसके अगले यानी 2009 के चुनाव में भी यूपीए को दूसरीबार जीत मिली। तब भी ईवीएम पर कम से कम कांग्रेस की ओर से सवाल नहीं उठा। तब लालकृष्ण आडवाणी खेमे की ओर से ईवीएम पर सवाल उठा तो उसे सिरे से खारिज कर दिया गया। इसके बाद आडवाणी के लोगों ने उसे तूल नहीं दिया। लेकिन 2014 के बाद से लगातार ईवीएम पर कांग्रेस की ओर से लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं।

स्पीड न्यूज

वुशू में रीता ने जीती सिल्वर

रजरप्पा। 68वां राष्ट्रीय स्कूल वुशू गेम अंडर-19 वर्ष में 9 से 15 दिसंबर तक दिल्ली के ताल कोटरा स्टेडियम में वुशू का मैच संपन्न हुआ, जिसमें रामगढ़ जिला से विभिन्न वजन में तीन वुशू खिलाड़ी अमन कुमार, कृष्ण सिंहा और रीता कुमारी ने भाग लिया। इसमें रीता कुमारी प्लस टू हाई स्कूल डीमरा से अपने नाम शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 40 किलो वजन में सेमीफाइनल राउंड में 8-3 अंको से मैच जीत कर फाइनल में प्रवेश किया जहां राजस्थान से 4-5 अंको से पराजित होकर सिल्वर मेडल जीता। वही अंडर 17 वर्ष में 22 - 26 नवंबर तक जम्मू में खेला गया। राष्ट्रीय स्कूल वुशू में खुशी कुमारी ने भी शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर 5 - 6 से गुजरात से मैच हार गई। रीता के सिल्वर मेडल जीतने पर रजरप्पा वुशू एकेडमी के वुशू खिलाड़ी एवं पूरे जिला में हर्ष का माहौल है। उनके बधाई एवं उज्जवल भविष्य के कामना करने वालों में गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, गोमिया विधायक सह मंत्री झारखंड सरकार योगेंद्र प्रसाद, रामगढ़ विधायक ममता देवी, रामगढ़ उपायुक्त चंदन कुमार, डीइओ नीलम कुमारी डीएससी संजीत कुमार, एडीपीओ कुमार राज, रजरप्पा महाप्रबंधक कल्याण जी प्रसाद, सीएसआर पदाधिकारी रजरप्पा आशीष झा ने भी बधाई दी ।

धर्मशाला कमेटी ने 144 का किया विरोध

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा बाजार स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर सह खोपडिया बाबा धर्मशाला में मंगलवार रात मंदिर कमेटी की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता जवाहरनगर पंचायत के पूर्व मुखिया प्रदीप मांझी ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से वर्ष की भांति इस वर्ष भी मकर संक्रांति धूमधाम से मनाने और 24 घंटे का अखंड-हरिकीर्तन आयोजन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मंदिर कमेटी के कई लोगो को रामगढ अनुमंडल दंडाधिकारी न्यायलय से धारा 144 लगाने को लेकर मिले नोटिस पर भी चर्चा हुई। कहा गया कि खाता संख्या 63 प्लाट नं. 767 रकबा 7 डिसमील भूमि प्लाट बताकर सुरेश उपाध्याय द्वारा धारा 144 लगवाने कार्य किया जा रहा है। जिसका मंदिर कमेटी कड़ा विरोध करता है। बैठक में कहा गया कि सुरेश उपाध्याय दिग्भ्रमित कर केवल भूमि बताकर दशको से उक्त भूमि पर अवस्थित प्राचीन हनुमान मंदिर सह खोपड़िया बाबा धर्मशाला में धारा 144 लगवाना चाहता है। ताकि मंदिर में पूजा-पाठ के साथ धर्मशाला में धार्मिक कार्यो पर रोक लगा दिया जाए। बैठक में मौजूद लोगो ने कड़ा विरोध करते हुए कहा कि कानूनी नोटिस का जबाब हमलोग भी कानूनी ढंग से माननीय न्यायलय में देकर सुरेश उपाध्याय के सनातन विरोधी मंशा का पदार्फाश करेंगे। बैठक में मंदिर कमेटी के प्रदीप मांझी, पंसस प्रतिनिधि रोबिन मुखर्जी, राजकिशोर पांडेय, विनय मिश्रा, महेंद्र साव, अमित शर्मा, किशोर कुमार, बाबूलाल नायक, बिट्टू गुप्ता, अशोक राम, बुधन गोस्वामी, बिल्लू अग्रवाल, संजय साव, सत्यनारायण प्रसाद, अभिषेक मिश्रा, कृष्णा यादव, पंकज कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

शीतला मंदिर में भव्य भंडारा आयोजित

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा सयाल मोड़ स्थित माता शीतला मंदिर प्रांगण में सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा अनुष्ठान संपन्न होने पर बुधवार को भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। इसके पूर्व पंडित रामकुमार पाठक द्वारा पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मां शीतला का पूजा-अर्चना की गई। तत्पश्चात हवन का आयोजन हुआ है। पूजा और हवण में भारी संख्या में श्रद्धालु महिला-पुरूष शामिल हुए। पूजा के दौरान आराध्य देवी-देवताओं के भक्ति जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। पूजा के बाद भव्य भंडारा का आयोजन हुआ। जिसमें सैंकड़ों श्रद्धालु ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारा में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण करते हुए पंडित रामकुमार पाठक ने कहा कि ऐसे आयोजनो से क्षेत्र में भक्ति का संचार बढ़ता है। साथ ही क्षेत्र में हरियाली-खुशहाली और सुख-समृद्धि का आगमन होता है। पंडित श्री पाठक ने कहा कि प्रसाद का अर्थ प्रभु का साक्षात दर्शन करना होता है। इसलिए हर श्रद्धालु को प्रसाद जरूर ग्रहण करना चाहिए। धार्मिक अनुष्ठान को संपन्न कराने में अमित पाठक, किशोर यादव, भोला सिंह, पिंटू लाल, अशोक सिंह, अजय यादव, मुन्ना यादव, भीम सिंह, मीणा देवी, रीना देवी, उत्तम सिन्हा, मोहन कुमार, मंगलम, गणेश श्रीवास्तव, नान्हू यादव, राजन नायक सहित कई लोगों का विशेष योगदान रहा

सदस्यता को लेकर भाजपा का कार्यशाला

कुजू। 22 दिसंबर से शुरू हो रहे भाजपा के संगठन महापर्व के अन्तर्गत सदस्यता अभियान को लेकर कुजू पूर्वी पंचायत सचिवालय में मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मांडू मंडल अध्यक्ष तोकेश सिंह व संचालन मंडल महामंत्री अशोक कुमार ने किया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में रामगढ़ जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता व विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला सदस्यता प्रभारी राजेंद्र कुशवाहा एवं मंडल प्रभारी महेंद्र प्रजापति शामिल हुए। मौके पर जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता ने बताया कि 22 दिसंबर से इस कार्यक्रम का विधिवत शुरूआत होना है। 22 दिसंबर से 14 जनवरी तक यह कार्यक्रम चलेगा। साथ ही 2 जनवरी से 15 जनवरी तक सक्रिय सदस्यता बनाने का अभियान चलेगा। जबकि 1 फरवरी से 10 फरवरी तक बूथ कमेटी एवं बूथ अध्यक्ष का गठन होगा। 11 से 20 फरवरी तक मंडल कमेटी एवं मंडल अध्यक्ष का गठन किया जाएगा। कार्यशाला में रतन प्रसाद, रवि साहू, राजेश प्रसाद, डिंपल प्रजापति, अखिलेश प्रसाद, आशीष साहू, पंचित महतो, गणेश सोनी, नरेश गुप्ता, दशरथ केसरी, वीरेंद्र करमाली, पवन साहू, खेमलाल साहू, सुखदेव सोनी, सूरज महतो, अंबिका सिंह, बैजनाथ राम, बुद्धदेव राम, संजीत सोनी व अन्य मौजूद थे।

मंजीत यादव और उदय साव हत्या मामले में तीन गिरफ्तार

पार्टनर संतोष मेहता ने उदय साव की करायी थी हत्या

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। मंजीत यादव और उदय साव हत्याकांड मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया। एसआइटी ने मंजीत यादव के रेकी करने वाले राहुल पासवान एवं निरंजन यादव को गिरफ्तार किया। पूछताछ दौरान राहुल पासवान द्वारा उदय साव हत्याकांड में भी रेकी करने एवं उदय हत्याकांड के साजिशकर्ता संतोष मेहता के बारे में बताया। जिसके आधार पर उदय साव हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता संतोष कुमार मेहता को गिरफ्तार किया गया एवं संतोष मेहता के निशानदेही पर 68 पीस साईन किया हुआ चेक, जिसकी कुल रकम 01 करोड़ 31 लाख रुपए, एक ब्लैंक चेक हस्ताक्षर किया हुआ तथा रेकी के दौरान प्रयोग में लाया गया राहुल पासवान का अपाची मोटरसाईकिल बरामद किया।

पुलिस ने बताया कि अन्य अभियुक्तों के गिरफ्तारी को छापामारी जारी है। इस हत्याकांड को अपने ही पाटनर के द्वारा साजिश के तहत अंजाम दिया गया है। इस कांड में अन्य फिरार अभियुक्तों के खिलाफ एसआइटी कर रही है छापेमारी। कटकमदाग प्रमुख पति सह पूर्व मुखिया उदय साव हत्याकांड में मुख्य आरोपी उसी का पार्टनर संतोष कुमार मेहता निकला। उसने उदय साव को हत्या करने के लिए तीन शूटरों को 10 लाख की सुपारी दी थी। इसके लिए उसने एक प्लान बनाया और उस प्लान के तहत उसकी पत्नी को लेकर रांची चला गया ताकि किसी को संदेह नहीं हो। इस घटनाक्रम में पांच लोगों का नाम सामने आया है । जिसमें मुख्य साजिश कर्ता उदय कुमार मेहता और मुख्य शूटर राहुल पासवान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । जबकि तीन अन्य फरार चल रहे हैं जिनकी गिरफ्तारी को लेकर झारखंड बिहार व नेपाल में छापामारी चल रही है। पुलिस ने उसके पार्टनर संतोष कुमार मेहता को हत्या के साजिश के आरोप में शूटर राहुल पासवान के साथ पकड़ा । राहुल एलएलबी की डिग्री हासिल किए हुए हैं। उदय की हत्या करने के लिए तीन की संख्या में आए शुटरों ने घटना को अंजाम दिया था। गिरफ्तार संतोष मेहता उदय साव के साथ साए की तरह रहता था और जमीन के कारोबार में संलिप्तता था।

गिरफ्तार शूटर राहुल पासवान चतरा जिला के लाइन मोहल्ला पुलिस लाईन स्थित जीतनी मोड़ का रहने वाला है। उसे पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार किया है। हत्या के एवज में 1.5 लाख रुपए एडवांस के तौर पर भुगतान किया गया था। पुलिस के मुताबिक राहुल पासवान का आपराधिक रिकार्ड है और वह करीब आठ बार जेल जा चुका है। उसके उपर लूट, हत्या जैसे कई मुकदमे चल रहे है। वहीं संतोष मेहता का भी आपराधिक रिकार्ड है और उग्रवादी संगठन जेपीसी से उसका संबंध रहा है। बताया जाता है कि वह उग्रवादी संगठन को छोड़ने के बाद कोयला का काम प्रारंभ किया था और धीरे धीरे उदय मेहता के संपर्क में आकर जमीन का कारोबार करने लगा था। जानकारी के अनुसार उसने हत्या की साजिश जमीन कारोबार में अनबन के बाद रची और स्वयं को इस मामले से दूर रखने के लिए उसने उसकी पत्नी को अपने साथ अपने हीं गाड़ी से रांची पीएचडी हेतू फार्म भरवाने ले गया था। हालांकि वह पुलिस के नजर और जांच से नहीं बच सका और अंततः उसका कनेक्शन शूटर राहुल पासवान से जुड़ गया। राहुल पासवान सबसे पहले गिरफ्तार हुआ और फिर पुलिस के समक्ष उसने घटना के पीछे की सच्चाई खोलकर रख दी।

मालूम हो कि उपायुक्त आवास के समीप झील रोड में सरस्वती अपार्टमेंट से निकलने के क्रम में उदय साव को पहले से घात लगाए अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पांच गोली माथे में उदय साव को लगी थी और दो गोली कंधे और बाह में लगी थी।घटना के बाद एक महिला को पकड़ा गया था। इसके बाद से पुलिस की जांच चल रही थी।

समाज कल्याण की रामगढ़ के उपायुक्त ने की समीक्षा

46 सहायिकाओं और चार सेविकाओं की बहाली के लिए प्रचार-प्रसार करें

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। उपायुक्त चंदन कुमार ने बुधवार को जिला समाज कल्याण विभाग से संचालित कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सेविका के चार पद और सहायिकाओं के 46 पद की बहाली के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया। समाहरणालय सभाकक्ष में बैठक के दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खलको ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से क्रमवार संचालित योजनाओं व विकास कार्यों के संबंध में जानकारी दी। पोषण ट्रैकर एप की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला सुपरवाइजर्स को 28 दिसंबर तक शत-प्रतिशत गर्भवती व धात्री माताओं का डाटा पोषण ट्रैकर ऐप में अंकित करने एवं ससमय सभी को पोषाहार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। आंगनबाड़ी केंद्रों में ग्रोथ मॉनिटरिंग उपकरणों यथा इन्फैंटोमीटर, स्टेडिओमेटर, वेट स्केल आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर उपायुक्त ने निर्देश दिया। वर्तमान में आवश्यकता अनुसार ग्रोथ मॉनिटरिंग उपकरणों का आकलन करते हुए संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को कहा।

रिक्त पड़े सेविकाओं के 4 पद और सहायिकाओं के 46 पद के लिए व्यापक प्रचार करने का निर्देश दिया। कुपोषण उन्मूलन की दिशा में कार्यों की समीक्षा के दौरान डीसी ने सीडीपीओ एवं सुपरवाइजर को उनके उनके क्षेत्र में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की पहचान कर उनके उपचार के लिए नजदीकी एमटीसी केंद्र में उन्हें भर्ती करने का निर्देश दिया। समाज कल्याण प्राधिकारी ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर निजी विद्यालयों में पढ़ रही बच्चियों को भी सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ दिया जाना है। इस दौरान उपायुक्त ने प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, कन्यादान योजना सहित अन्य योजनाओं के प्रति गंभीरता पूर्वक कार्य करने एवं निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत लाभुकों को योजना से लाभान्वित करने का निर्देश दिया।

जनवरी में होगा 47 ज्ञान केंद्रों का उद्घाटन

रामगढ़। रामगढ़ जिला पंचायती राज कार्यालय के जरिये किए जा रहे कार्यों को लेकर बुधवार को डीसी चंदन कुमार ने समीक्षा की। बैठक के दौरान जिला पंचायती राज पदाधिकारी के जरिये जिले के अलग-अलग प्रखंडों में स्थित कुल 47 पंचायत में नवनिर्मित पंचायत ज्ञान केंद्र की जानकारी दी गई। उपायुक्त के जरिये सभी 47 पंचायत ज्ञान केंद्रों का उद्घाटन एक साथ 10 जनवरी 2025 को करने का निर्देश दिया गया। वहीं उनके द्वारा पंचायत ज्ञान केंद्र का व्यापक प्रचार प्रसार कर स्थानीय विद्यार्थियों को इससे लाभान्वित करने का निर्देश दिया गया। डिजिटल पंचायत योजना के अंतर्गत हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने पंचायत भवनों के माध्यम से जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र सहित निर्गत किए जाने वाले अन्य दस्तावेजों को लेकर डिजिटल पंचायत योजना का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। 15 वे वित्त आयोग के तहत हो रहे कार्यों के संबंध में उपायुक्त ने टाइड एवं अनटाइड फंड के तहत ली गई योजनाओं एवं उनके तहत पूर्ण किए गए कार्यों को जल्द से जल्द लंबित कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया।

हजारीबाग के कांग्रेस कार्यकर्ता राजभवन मार्च में हुये शामिल

हजारीबाग। गौतम अडानी तथा मणिपुर हिंसा के विरोध में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के आह्वान पर जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र यादव के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता राज्यव्यापी एक दिवसीय राजभवन मार्च में शामिल हुए। राजभवन मार्च में आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान, धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जय शंकर पाठक, केदार पासवान, बिनोद कुशवाहा, मनोज नारायण भगत, निसार खान, अवधेश कुमार सिंह, शशि मोहन सिंह, विरेन्द्र कुमार सिंह, संजय तिवारी, दिगंबर प्रसाद मेहता के साथ जीत कुमार सिंह व अन्य हुये शामिल।

कार्यकर्ताओं के बदौलत जीते : तिवारी महतो

कुजू। आजसू पार्टी के मांडू विधानसभा स्तरीय चुनावी समीक्षा बैठक कुजू पूर्वी पंचायत सचिवालय में हुई। इसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष नरेश महतो तथा संचालन मनोज गोप व उमेश महतो ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो शामिल हुए। बैठक में चुनाव में मांडू विधानसभा विभिन्न बूथ पर पड़े एनडीए को मिले मतदान की समीक्षा की गई। वही 20 दिसंबर को आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो का

नयामोड़ में स्वागत के साथ मांडू विधायक तिवारी महतो के नेतृत्व में लुगु बाबा स्टेडियम में मांडू विधानसभा स्तरीय स्वागत सह आभार यात्रा में शामिल होने का निर्णय लिया गया। तिवारी महतो ने कहा कि चुनाव में पार्टी के कार्यकर्ता के बदौलत ही हमारी जीत हुई है। विधायक हम नहीं हमारे सारे कार्यकर्ता बने हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 40 साल से जो गलती बाप-बेटा ने मिलकर किया है। बैठक में परमेश्वर महतो, चंद्रमणि देवी, लालचंद महतो, उमेश भोक्ता, हेमलाल महतो, कृष्णा महतो, भोला तुरी, मदन महतो, तेजनाथ महतो तेजू, राम भजनलाल महतो, जयकिशोर महतो, गुड्डू सिंह, सुरेंद्र महतो, निरंजन महतो, संगीता महतो, महादेव महतो व अन्य मौजूद थे।

रामगढ़ में लगा जन शिकायत समाधान शिविर

शिकायतों का जल्द समाधान करें पुलिस अधिकारी : एसपी

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। सिद्धू कान्हू जिला मैदान में बुधवार को रामगढ़ पुलिस द्वारा जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला के विभिन्न थाना व ओपी के लोग अपनी शिकायत लेकर पहुंचे। जन शिकायत कार्यक्रम का आयोजन रामगढ़ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक किया गया। कार्यक्रम में दोपहर 12:00 बजे रामगढ़ उपायुक्त चंदन कुमार पहुंचे। जहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कार्यक्रम के संबंध में कई जानकारियां लीं।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के तहत जिला मैदान में व्यवहार न्यायालय रामगढ़ (डीएलएसए), सहायता केंद्र रामगढ़ जन शिकायत समाधान कोषांग रामगढ़, रामगढ़ थाना, रामगढ़ महिला थाना, वेस्ट बोकारो ओपी, रजरप्पा थाना, गोला थाना, मांडू थाना, कुजू ओपी, बरलंगा थाना, पतरातू थाना, बासल थाना, भदानीनगर ओपी और भुरकुंडा ओपी द्वारा स्टाल लगाकर लोगों की शिकायतें ली गईं। कार्यक्रम में 2:30 बजे तक 67 शिकायतें पहुंच चुकी थीं। इनमें से अधिकांश मामले जमीन विवाद, पैसों के लेन- देन और घरेलू हिंसा के रहे। समस्याओं पर पुलिस अधीक्षक ने संबंधित थाना और ओपी के प्रभारी और पुलिस अधिकारियों को मार्गदर्शन दिया और शिकायतों के जल्द समाधान हेतु निर्देश दिया।

मौके पर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने कहा कि सितंबर माह में पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर जन शिकायत कार्यक्रम का आयोजन हुआ किया गया था । जिसमें 193 मामले आए थे। जिनमें से अधिकांश मामलों का निष्पादन किया गया। उन्होंने कहा कि आज पुनः कार्यक्रम के माध्यम से लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे हैं। जिनका समाधान कराने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में डीएसपी मुख्यालय चंदन वत्स, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामगढ़ परमेश्वर प्रसाद सहित कई पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

एक नजर में

हजारीबाग में लगा जन शिकायत समाधान शिविर

हजारीबाग। हजारीबाग में बुधवार का जन शिकायत समाधान शिविर लगा। एसपी अरविन्द कुमार सिंह कहा कि इसमें जनता की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान का प्रयास किया जाता है । आम लोगों से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया जाता है । यह भी कहा कि समस्याओं के समाधान की सूचना शिकायतकर्ता को दें, तय समय सीमा में समाधान न हो पाने पर सीनियर अफसरों को इसकी जानकारी दी जाती है। इस तरह के शिविर से पुलिस और लोगो के बीच एक विश्वास का भाव भी पैदा होता है।

बनादाग रेलवे साइडिंग से 20,000वीं रैक रवाना

बड़कागांव। पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने अपनी यात्रा के पड़ाव में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर छू लिया है। परियोजना के बनादाग रेलवे साइडिंग से 20,000वीं रैक को हरी झंडी दिखाकर परियोजना प्रमुख फैज तैय्यब ने रेलवे विभाग, एमडीओ सेल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रवाना किया। यह अनूठा कीर्तिमान रचने वाला पकरी बरवाडीह एनटीपीसी की पहली कोयला खनन परियोजना है। गौरतलब है कि 16 मई 2016 मैं अपनी स्थापना के बाद से पकरी बरवाडीह ने साल दर साल कई कीर्तिमान छुए हैं लेकिन आज 20 हजारवीं कोल रैक को रवाना करना उन सभी कीर्तिमानों से सबसे ऊपर है। आपको यह भी बताया था कि 17 फरवरी 2017 को पहली रैक परियोजना के बानादाग रेलवे साइडिंग से रवाना किया गया था ।

गुमशुदा व्यक्ति का अबतक नहीं मिला सुराग

दारू। मेढ़कुरी पंचायत के मेढ़कुरी कला निवासी बजरंगी कुमार पिता निर्मल प्रजापति जो दिनांक 14-12-2024 को अपने घर से बाइक का कुछ पार्ट्स लाने के लिए हजारीबाग गया हुआ था जो कि समय पर अपने घर नहीं लौट पाया। परिवार वालों ने काफी समय तक इन्तजार किया घर नहीं अपने के बाद आस पास के लोगों को इसकी जानकारी दिया और अपने स्तर के काफी खोज बिन भी किया लेकिन नहीं मिलने के बाद उनके मोबाइल नंबर पर कॉल भी किया गया बार बार स्विच ऑफ बताता रहा जिसके बाद उनके परिजनों वालों ने दारू थाना में लिखित आवेदन देकर खोज बिन करने का गुहार लगाई। बजरंग प्रजापति पेशा से बाइक मरम्मति का कार्य करता था उनके तीन बेटी है । परिवार वालों वालों का रो रो कर बुरा हाल है। वहीं कल दिनांक 17- 12 -2024 को गांव के समाजसेवी ऋषि सिंह एवं पंचायत समिति सदस्य सुमन कुमार ने दारू थाना प्रभारी से मुलाकात कर इस मामले गंभीरता से लेने का आग्रह किया ताकि गुमशुदा व्यक्ति अपने परिवार वालों सही सलामत मिल सके।वहीं दारू थाना प्रभारी शफीक खान ने बतलाया कि पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है लोकेशन वगैरह का ट्रेस किया गया है कोशिश है कि गुमशुदा व्यक्ति को जल्द से जल्द घर वापसी लाया जाएगा।

विधायक ने किया धान क्रय केंद्र का उद्घाटन

बड़कागांव। चंदौल पंचायत स्थित होरम गांव में धान अधिप्राप्ति केंद्र का उद्घाटन विधायक रोशन लाल चौधरी ने फीता काट कर किया।मौके पर विधायक को फूल माला से स्वागत किया गया।इसके बाद विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि विपक्ष नेता बाबूलाल मरांडी से मिलकर किसानों की समस्या को रखा।सभी पंचायतो में सर्वे कर सिंचाई की सुविधा के लिए सूचीबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाएगा।हर कुआं में बिजली और जगह-जगह पर ट्रांसफार्मर की व्यवस्था की जाएगी।मौके पर आजसू केंद्रीय सचिव कालेश्वर गंझु,केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा, भाजपा मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, आजसू जिला उपाध्यक्ष उपेंद्र प्रसाद,गिरेंद्र कुमार,पुर्व प्रमुख टुकेश्वर प्रसाद,पसस प्रतिनिधि सुरेश चौधरी,प्रवीण कुमार आदि उपस्थित थे।

आराधना स्टूडियो में आग से लाखों का नुकसान

दारु। दारु चौक स्थित आराधना स्टूडियो सह सास बहु कपड़ा दुकान मे मंगलवार की मध्य रात्रि को भीषण आग लग गयी। इस आग मे स्टूडियो और कपड़ा दुकान पुरी तरह जलकर राख हो गया । इस आग से लाखों की क्षति हो गयी। आग मे जलने के कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग के कारण स्टूडियो व दुकान मे रखे विद्युत उपकरण लेपटॉप, कम्प्यूटर आदि मे जोरदार ब्लास्ट हो गयी।इस ब्लास्ट के कारण दुकान मालिक सूरज कुमार बुरी तरह से घायल हो गये।विद्युत उपकरण में ब्लास्ट के कारण दुकान की इंट की दीवार गिर गयी जिसमे दबकर दुकान मालिक घायल हो गये। घटना की सूचना पाकर दारु थाना पुलिस भी रात में पहुंचकर हर संभव मदद किया। आग से दुकान पुरी तरह जलकर राख हो गया और कुल पांच लाख रुपैये का नुकसान दुकान मालिक को हो गया।

जाली दस्तावेजों से जमीन हड़प रहे हैंअर्जुन शर्मा :राणा

हजारीबाग। जगदीशपुर बड़ासी गांव के निवासी अर्जुन शर्मा पर अधिवक्ता रणजीत कुमार राणा ने सनसनीखेज आरोप लगाया कि अर्जुन शर्मा जाली दस्तावेजों से जमीन हड़प रहे हैं। अर्जुन शर्मा के पिता स्वर्गीय रामधनी राणा थे, पर यह आरोप है कि उन्होंने जाली वंशावली, आयुक्त के आदेश पत्र, और सदर अंचल के रजिस्टर 2 में छेड़छाड़ कर दूसरे व्यक्ति की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि अर्जुन शर्मा ने कई बार जाली वंशावली तैयार की है और उनका उपयोग जमीन हड़पने के लिए किया है। आरोप है कि उन्होंने तत्कालीन आयुक्त एम. आर. होदा के हस्ताक्षर और उपायुक्त कार्यालय की मोहर का गलत तरीके से इस्तेमाल करते हुए जाली आदेश पत्र बनाए हैं। इन दस्तावेजों का उपयोग करके अर्जुन शर्मा ने गैरकानूनी तरीके से जमीन पर कब्जा जमाने की कोशिश की है। सदर अंचल, हजारीबाग के रजिस्टर 2 में भी छेड़छाड़ करने के आरोप अर्जुन शर्मा पर लगे हैं। आरोप है कि उन्होंने अपने दादी धूपनी देवी के नाम से रसीद कटवा कर गलत तरीके से उसका लाभ उठाने की कोशिश की है। इस छेड़छाड़ के माध्यम से अर्जुन शर्मा ने अपने दादी के नाम पर जमीन हड़पने की कोशिश की है, जबकि वह जमीन वास्तव में किसी और की है।

विकास की मांग और पर्यावरण

पर्यावरण के संबंध में एक महत्वपूर्ण उपागम सोशल इकोलॉजी का है। यह विचारधारा भौतिक पर्यावरण को फर्स्ट नेचर एवं संस्कृति को सेकंड नेचर का दर्जा देती है। फर्स्ट नेचर से सेकंड नेचर पैदा होता है। पर्यावरण की समस्याएं अंततः सामाजिक प्रश्नों के समाधान द्वारा हल होती हैं। मनुष्य सचेतन प्रकृति के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो अपनी चेतना, बुद्धिमत्ता एवं सामाजिकता का उपयोग प्रकृति की सेवा और रक्षा के लिए कर सकने में समर्थ है। दरअसल प्रकृति का दमन, मनुष्य की आंतरिक प्रकृति के दमन के बाद ही संभव है।

मनोज शर्मा

यूनाइटेड नेशन्स कांफ्रेंस ऑन द ह्यूमन एनवायरनमेंट के प्रथम दिवस को संयुक्त राष्ट्र संघ की सामान्य सभा द्वारा 1972 में विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। 1974 से प्रत्येक वर्ष एक विशेष थीम को आधार बनाकर यह मनाया जाता है और 1987 से इसका कोई मेजबान देश चुने जाने की परंपरा रही है। इस वर्ष का मेजबान देश कनाडा है। जैसी कि परिपाटी है इस दिवस के अवसर पर पर्यावरण जागरूकता लाने के लिए प्रयास किए जाते हैं। बावजूद बढ़ते प्रचार के, लोगों में बढ़ती जागरूकता के और विश्व स्तर पर गंभीरता से होते दिखते प्रयत्नों के, पर्यावरण पर संकट गहराया है। कई बार ऐसा भी बोध होता है कि लोग तो पर्यावरण को बचाना चाहते हैं किंतु विभिन्न देशों की सरकारें इस संबंध में दोहरा मापदंड अपनाती हैं।

मार्च 2017 में जब नैनीताल हाइकोर्ट ने गंगा नदी और अन्य प्राकृतिक संरचनाओं को एक जीवित इकाई का दर्जा दिया तो गंगा न्यूजीलैंड की वानकुई नदी के बाद यह दर्जा पाने वाली केवल दूसरी नदी बनी। यह फैसला हम लोगों के लिए आश्चर्य का विषय हो सकता है लेकिन हमारे लिए यह जानना रोचक होगा कि क्रिस्टोफर स्टोन जो साउदर्न कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के प्राध्यापक थे 1972 में ही न्यायालय से

वृक्षों और प्राकृतिक संरचनाओं हेतु कम से कम कारपोरेशन के दर्जे की मांग कर चुके थे जो न्यायालय द्वारा एक नजदीकी फैसले में जजों के बहुत थोड़े बहुमत द्वारा तकनीकी कारणों से नामंजूर कर दी गई थी तथापि स्टोन के विचारों का ससम्मान उल्लेख फैसले में किया गया। लगभग इसी वर्ष में नेपाल के शेरपाओं की हिमालय पर्वत श्रृंखला के कतिपय पर्वतों को पवित्र मानकर उन पर आरोहण न करने की परंपरा से प्रभावित होकर कुछ स्कॅंडिनेवियन

पर्यावरण की रक्षा और हमारा दायित्व

डॉ उषा किरण

प्रकृति के साथ अनेक वर्षों से की जा रही छेड़छाड़ से पर्यावरण को हो रहे नुकसान को देखने के लिए अब दूर जाने की जरूरत नहीं है। विश्व में बढ़ते बंजर इलाके, फैलते रेगिस्तान, कटते जंगल, लुप्त होते पेड़-पौधे और जीव जंतु, प्रदूषणों से दूषित पानी, कस्बों एवं शहरों पर गहराती गंदी हवा और हर वर्ष बढ़ते बाढ़ एवं सूखे के प्रकोप इस बात के साक्षी हैं कि हमने अपनी धरती और अपने पर्यावरण की ठीक से देखभाल नहीं की। अब इसके होने वाले संकटों का प्रभाव बिना किसी भेदभाव के समस्त विश्व, वनस्पति जगत और प्राणी मात्र पर समान रूप से पड़ रहा है। आज दुनियाभर में अनेक स्तरों पर यह कोशिश हो रही है कि आम आदमी को इस चुनौती के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया जाए, ताकि उसके अस्तित्व को संकट में डालने वाले तथ्यों की उसे समय रहते जानकारी हो जाए और स्थिति को सुधारने के उपाय भी गंभीरता से किए जा सके। भारत के संदर्भ में यह सुखद बात है कि पर्यावरण के प्रति सामाजिक चेतना का संदेश हमारे धर्मग्रंथों और नीतिशतकों में प्राचीनकाल से रहा है। हमारे यहां जड़ में, चेतन में सभी के प्रति समानता और प्रकृति के प्रति सम्मान का भाव सामाजिक संस्कारों का आधार बिंदु रहा है। वर्ष 1984 में शताब्दी की सबसे बड़ी औद्योगिक दुर्घटना भोपाल गैस त्रासदी के बाद तो समाचार पत्रों में पर्यावरणीय खबरों का प्रतिशत यकायक बढ़ गया। पर्यावरण की अनदेखी मानव सभ्यता पर कालिख पोत रही हैं । इस दिशा में भागीरथी प्रयास जरूरी है। भागीरथ प्रतीक है उच्चतम श्रम का, मनुष्य के श्रम के पसीने का। मनुष्य के श्रम का पसीना गंगाजल से भी ज्यादा पवित्र है। गंगा

और भागीरथ के मिथक से ही इसे समझा जा सकता है। भागीरथ जब अपने श्रम से गंगा को धरती पर लाये तो गंगा का नाम हो गया भागीरथी, भागीरथ का नाम गंगाप्रसाद नहीं हुआ। इस प्रकार अधिक परिश्रमी और असाध्य कार्य के लिए प्रतीक हो गया भागीरथी प्रयास। पर्यावरण के क्षैत्र में भी संरक्षण के भागीरथी प्रयासों की आवश्यकता है। सर्वप्रथम यह हमारा सामाजिक दायित्व है कि हम स्वयं पर्यावरण हितैषी बनें जिससे पर्यावरण समृद्ध भारत बनाया जा सके।

प्रकृति और मनुष्य के गहरे अनुराग के कारण दोनों के साहचर्य से प्रकृति का संतुलन बना रहता है। पिछले हजारों वर्षों से चले आ रहे प्रकृति संतुलन में पिछले एक शताब्दी में आये व्यापक बदलाव के लिए उत्तरदायी कारणों की खोज जरूरी है। मनुष्य के प्रकृति के साथ प्रेममूलक संबंधों में आ रही गिरावट और बढ़ती संवेदनशीलता के दायरों से बाहर निकलकर पुनः प्रकृति की ओर लौटने के लिये हमें हमारी परंपराओं, शिक्षाओं और संस्कृति की समृद्ध विरासत की ओर लौटना होगा। **(विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग विमेंस कॉलेज, रांची)**

बुद्धिजीवियों ने डीप इकोलॉजी की अवधारणा दी जिसके अनुसार प्रकृति अपने अंतस्थ मूल्य के कारण महत्वपूर्ण है न कि मनुष्य के लिए उपयोगिता के कारण। डीप इकोलॉजी के समर्थक प्रचलित पर्यावरणीय विमर्श को शैलो इकोलॉजी की संज्ञा देते हैं जो विकसित देशों के नागरिकों की सुख सुविधा के लिए प्रदूषण नियंत्रण व संसाधनों के प्रबंधन पर आधारित है।

प्रायोगिक दृष्टि से देखें तो वैश्विक स्तर पर पर्यावरण से सम्बंधित मामलों में विकसित देशों का बोलबाला रहा है। यही कारण है कि इस विचार का जन्म हुआ कि स्वच्छ पर्यावरण उच्च प्रतिव्यक्ति आय वाले खाते पीते लोगों की विलासितापूर्ण आवश्यकता है। इकोलॉजिकल फुटप्रिंट के द्वारा किसी देश द्वारा उपभोग किए जा रहे जैविक रूप से उत्पादक क्षेत्र एवं उसके लिए उपलब्ध जैविक रूप से उत्पादक क्षेत्र का अनुपात ज्ञात किया जा सकता है। इसके माध्यम से यह तथ्य सामने आता है कि विकसित देश अपने क्षेत्र में उपलब्ध जैविक रूप से उत्पादक क्षेत्र की तुलना में बहुत अधिक जैविक उत्पादक क्षेत्र का उपयोग कर रहे हैं। इनकी तुलना में अविकसित एवं विकासशील देशों द्वारा उपभोग किए जा रहे और उपलब्ध जैविक उत्पादक क्षेत्र में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। स्वयं हमारे ही देश में उद्योगों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने हेतु सड़कों व रेल मार्गों के निर्माण के लिए, उद्योगों को बिजली देने के लिए हाइड्रो पावर उत्पादनार्थ विशाल बांधों के निर्माण के नाम पर,पर्यटन उद्योग हेतु अधोसंरचना विकास के लिए, कोयले पर आधारित विद्युत उत्पादन और इस्पात संयंत्र हेतु हजारों वर्ष पुराने वन पारिस्थितिक तंत्र को मूर्खतापूर्ण ढंग से बड़ी निर्ममतापूर्वक उजाड़ दिया गया है। इन उद्योगों में महंगी प्रदूषण नियंत्रण तकनीकी का उपयोग मुनाफे के लालच में नहीं किया जाता, प्रदूषण नियंत्रण संस्थाएं या तो भ्रष्टाचार की शिकार हैं या राजनीतिक दबाव के आगे विवश हैं। फलतः इंडस्ट्रियल वेस्ट बिना उपचारित किए नदियों में प्रवाहित हो रहा है, फ्लाई ऐश को रिहायशी और कृषि क्षेत्रों में बड़ी बेरहमी के साथ डंप किया जा रहा है। भयानक कुहरा दिल्ली और उत्तर भारत की नियति है तो बंगलोर की झील विषैला झाग उगल रही है। उत्तराखंड में वनों के विनाश के बाद आई बाढ़ से हमने कुछ सीखा हो ऐसा नहीं लगता। गर्मी के मामले में छत्तीसगढ़ राजस्थान को मात दे रहा है। प्राकृतिक संसाधनों में समृद्ध होने की कीमत चुकाता यह धान का कटोरा घटते वन क्षेत्रों, उजड़ती कृषि भूमि और नीचे जाते भूजल स्तर के साथ घायल और क्षत-विक्षत पारिस्थितिक तंत्रों का समूह बन कर रह गया है। छत्तीसगढ़ और झारखंड में वन और वनवासियों की आहुति दे विकास का यज्ञ जारी है।

पर्यावरणविद जानते हैं कि हजारों साल लगते हैं तब कोई पारिस्थितिक तंत्र निर्मित और स्थिर होता है। इस तंत्र की व्यापक जैव विविधता में हजारों वनस्पतियों एवं जीवों की प्रजातियों का समावेश होता है।

औद्योगिक विकास से बढ़ता प्रदूषण और हम

मृत्युंजय प्रसाद

निश्चित रूप से टीवी खोलते ही कई चैनलों पर पर्यावरण की समस्याओं पर विशेषज्ञों के विचार एवं विवाद सुनाई देंगे। आखिर, पर्यावरण दिवस भी कोई चीज है और चूंकि इसको लेकर जितना शोर-शराबा होगा, व्यक्ति उतना ही पर्यावरण प्रेमी कहा जायेगा, इसलिए शोर खूब मचेगा, पर प्रश्न उठता है कि क्या वाकई पर्यावरण दिवस पर सिर्फ शोर से स्थिति में सुधार आ जायेगा? बीते कुछ सालों में मनुष्य ने बहुत प्रगति की है और अपने रहन-सहन को बेहतर बनने के लिए अंधाधुंध प्रकृति की अवहेलना भी की है, जिसका परिणाम ये हुआ है कि मनुष्य तथा अन्य वन-जीवों को अपने जीवन के प्रति संकट का सामना करना पड़ रहा है। मामला कई बार तो इस कदर खतरनाक दिखता है कि व्यक्ति तो व्यक्ति, देश और सम्पूर्ण विश्व के नेता भी कई बार इस पर गम्भीर चिंता जताते हैं, सम्मेलन करते हैं, लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात! प्रदूषित पर्यावरण का प्रभाव पेड़ पौधों एवं फसलों पर पड़ा है। अक्सर ही असमय बरसात तथा सूखा फसलों को बुरी तरह से बर्बाद कर देते हैं। पानी के सारे श्रोत सूख रहे हैं या उनमें घुले रसायनों की वजह से पीने योग्य नहीं रह गए हैं और ऐसे में मानव जीवन पर संकट की चर्चा और उससे निकले समाधान पर कार्यान्वयन होना ही चाहिए। समुद्र तटों पर स्थित महानगरों को अब भयंकर स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि वैज्ञानिकों का कहना है कि समुद्र के पानी का स्तर बढ़ रहा है, जिससे इसके किनारों पर बसे महानगरों के डूबने का खतरा नजर आता है। कहीं भूकम्प तो कहीं बाढ़ तो कहीं भूस्खलन ने तबाही मचा रखी है और यह नजारा पृथ्वी के हर एक कोने में देखने को मिल जाता है, वह चाहे नेपाल हो, पाकिस्तान हो, अमेरिका हो, चीन हो या फिर अपना देश भारत ही क्यों न हो! सड़कों पर दौड़ती गाड़ियों से निकलने वाले धुएं की वजह से आज सांस लेना दूभर हो गया है।

> हालांकि, बढ़ती जनसंख्या का पर्यावरण के ह्रास से सीधा सम्बन्ध है, इसलिए सरकार को भी इन मामलों की तरफ कड़ाई से ध्यान देना चाहिए। साथ ही साथ, बढ़ता शहरीकरण, जंगलों की कटाई इत्यादि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के प्रमुख कारणों में शामिल हैं। विकसित और विकासशील देशों के बीच ग्रीन हाउस उत्सर्जन को लेकर हमेशा ही विवाद रहा है और अभी हाल ही में इसको लेकर कई सम्मेलन भी हुए है, जिस पर काफी हद तक सहमति भी बनी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि समुद्र के पानी का स्तर बढ़ रहा है, जिससे इसके किनारों पर बसे महानगरों के डूबने का खतरा नजर आता है। कहीं भूकम्प तो कहीं बाढ़ तो कहीं भूस्खलन ने तबाही मचा रखी है और यह नजारा पृथ्वी के हर एक कोने में देखने को मिल जाता है, वह चाहे नेपाल हो, पाकिस्तान हो, अमेरिका हो, चीन हो या फिर अपना देश भारत ही क्यों न हो!

इस औद्योगिक विकास के युग में संसार के सभी विकासशील और विकसित देशों में हजारों लाखों फैक्टरियां दिन-रात चलती रहती हैं जिनसे निकलने वाला धुआं और विषैले पदार्थ हमारे पर्यावरण को बुरी तरह से प्रभावित करते हैं। प्रदूषण की वजह से ही सूर्य की खतरनाक किरणों से रक्षा करने वाली ओजोन परत में छेद बढ़ता ही जा रहा है। पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ गया है कि मार्च-अप्रैल के महीने में ही तापमान 50 के आंकड़े को छूने को बेताब हो जा रहा है। अभी जून का महीना चल रहा है, और क्या दिन, क्या रात, आपको गर्मी से त्राहिमाम, त्राहिमाम के अतिरिक्त कुछ और सुनाई न देगा! हालांकि, इन समस्याओं के प्रति कई पर्यावरणविद सचेत हैं तो हमारे पर्यावरण को बचाने के लिए तथा लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए साल में एक दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' स्थापित किया गया था। ये लगभग 100 से अधिक देशों में मनाया जाता है तथा यह संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा चलाया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का उद्देश्य है लोगों के मन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता को बढ़ाना तथा प्रकृति और पृथ्वी की रक्षा करने के साथ-साथ पर्यावरण को और बेहतर बनाना है। इस मौके पर विश्व भर में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, लेकिन बेहद दुख की बात है कि ये आयोजन सिर्फ आयोजन तक ही सीमित रह जाते हैं। जन-मानस भी इसके प्रति दायित्व नहीं समझ पा रहे तो तमाम संस्थाओं के कागजी कार्यक्रमों पर सवाल तो उठते ही हैं। अगर हम ठान लें कि हमें पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कुछ करना है तो हमें इसके लिए ज्यादा मेहनत करने की जरुरत भी नहीं है। बस रोजमर्रा के कामों को करते हुए हम ये काम व्यक्तिगत स्तर पर भी आसानी से कर सकते हैं।

हमारी छोटी-छोटी, समझदारी भरी पहल पर्यावरण को बेहद साफ-सुथरा और तरोताजा कर सकती है, इस बात में दो राय नहीं। जैसे, जब भी हम बाजार जाते हैं तो प्लास्टिक के थैलों के बजाय हम घर से कपड़े का थैला ले जाएं या कागज का थैला प्रयोग करें जिससे बेवजह प्लास्टिक का कचरा फैलने से बचेगा।

हालांकि, बढ़ती जनसंख्या का पर्यावरण के ह्रास से सीधा सम्बन्ध है, इसलिए सरकार को भी इन मामलों की तरफ कड़ाई से ध्यान देना चाहिए। साथ ही साथ, बढ़ता शहरीकरण, जंगलों की कटाई इत्यादि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के प्रमुख कारणों में शामिल हैं। विकसित और विकासशील देशों के बीच ग्रीन हाउस उत्सर्जन को लेकर हमेशा ही विवाद रहा है और अभी हाल ही में इसको लेकर कई सम्मेलन भी हुए है, जिस पर काफी हद तक सहमति भी बनी है।

देखना दिलचस्प होगा कि विश्व भर के देश और उनका नेतृत्व इन मामलों पर क्या रुख अपनाता है तो व्यक्तिगत स्तर पर नागरिक इसके प्रति क्या कदम उठाते हैं। कम से कम हर व्यक्ति यथासम्भव प्लास्टिक इस्तेमाल न करने की कसम ही खा ले, फिर तो पर्यावरण दिवस की सार्थकता जरूर होगी, अन्यथा हर साल की भांति खानापूर्ति तो चल ही रही है!

(वरीय अधिवक्ता, सिविल कोर्ट रांची)

ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते खतरे

आधुनिक युग में वायु प्रदूषण, जल का प्रदूषण, मिट्टी का प्रदूषण, तापीय प्रदूषण, विकरणीय प्रदूषण, औद्योगिक प्रदूषण, समुद्रीय प्रदूषण, रेडियोधर्मी प्रदूषण, नगरीय प्रदूषण, प्रदूषित नदियां और जलवायु बदलाव तथा ग्लोबल वार्मिंग के खतरे लगातार दस्तक दे रहे हैं। ऐसी हालत में इतिहास की चेतावनी ही पर्यावरण दिवस का सन्देश लगती है। पिछले कुछ सालों में पर्यावरणीय चेतना बढ़ी है। विकल्पों पर गंभीर चिंतन हुआ है तथा कहा जाने लगा है कि पर्यावरण को बिना हानि पहुंचाए या न्यूनतम हानि पहुंचाए टिकाऊ विकास सम्भव है। यही बात प्राकृतिक संसाधनों के संदर्भ में कही जाने लगी है।

कुछ लोग उदाहरण देकर बताते हैं कि लगभग 5000 साल तक खेती करने, युद्ध सामग्री निर्माण, धातु शोधन, नगर बसाने तथा जंगलों को काट कर बेवर खेती करने के बावजूद अर्थात विकास और प्राकृतिक संसाधनों के बीच तालमेल बिठाकर उपयोग करने के कारण प्राकृतिक संसाधनों का ह्रास नहीं हुआ था। तो कुछ लोगों का कहना है कि परिस्थितियां तथा आवश्यकताओं के बदलने के कारण भारतीय उदाहरण बहुत अधिक प्रासंगिक नहीं है।

हकीकत में समाज तथा व्यवस्था की अनदेखी और पर्यावरण के प्रति असम्मान की भावना ने ही संसाधनों तथा पर्यावरण को सर्वाधिक हानि पहुंचाई है। उसके पीछे पर्यावरण लागत तथा सामाजिक पक्ष की चेतना के अभाव की भी भूमिका है। इन पक्षों को ध्यान में रख किया विकास ही अंततोगत्वा विश्व पर्यावरण दिवस का अमृत होगा।

डायनासोर यदि आकस्मिक आसमानी आफत के शिकार हुए थे तो हम अपने ही द्वारा पैदा की आफत की अनदेखी के शिकार हो सकते है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यह अपेक्षा करना सही होगा कि रेत में सिर छुपाने के स्थान पर अपने अस्तित्व की रक्षा के लिये स्वच्छ तकनीकों को आगे लाया जाना चाहिए, गलत तकनीकों को नकारा जाना चाहिए या सुधार कर सुरक्षित बनाया जाना चाहिए। उम्मीद है, कम-से-कम भारत में जमीनी हकीकत का अर्थशास्त्र उसकी नींव रखेगा। शायद यही इतिहास का भारतीय सबक होगा।

स्पीड न्यूज

29 को बरनवाल मोदी सेवा समिति का वनभोज

जमशेदपुर। बरनवाल मोदी सेवा समिति का अहिबरण जयंती शोभा यात्रा एवं पारिवारिक मिलन समारोह 29 दिसंबर रविवार को जुगसलाई पार्क में मनाया जायेगा। इसके मुख्य अतिथि जमशेदपुर पूर्वी के विधायक पूर्णिमा साहू होगी एवं विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय बरनवाल वैश्य महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डाक्टर विजय प्रकाश जी होंगे। यह जानकारी बरनवाल मोदी सेवा समिति जमशेदपुर के अध्यक्ष मनोज कुमार बरनवाल ने दी।

कामरेड विनोद मिश्र की 26वीं पुण्यतिथि मनी

जमशेदपुर। भाकपा माले के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव कामरेड दिवंगत विनोद मिश्र की 26 वीं पुण्य तिथि सिंहभूम जिला भोजपुरी साहित्य परिषद के सभागार में 18 दिसंबर को मनायी गयी। मौके पर दिवंगत नेता को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी। भाकपा माले की कोल्हान प्रमंडल इकाई द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा की शुरुआत कामरेड विनोद मिश्र की तस्वीर पर पुष्पांजलि के साथ की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता ओम प्रकाश सिंह ने की। मौके पर रामेश्वर प्रसाद, जेपी सिंह, गंगाधर कुंभकार, कन्हैया लाल सिंह, नंद किशोर सिंह, चुनचुन रजक, जीतु कर्मकार, उमेश साह, उदय सिंह, आस्तिक रजवार आदि उपस्थित थे।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित

जमशेदपुर। महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड के निर्देश पर पुलिस महानिरीक्षक एवं वरीय पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम बिष्टुपुर थाना अंतर्गत माईकल जॉन ऑडिटोरियम में किया गया। उक्त कार्यक्रम में विभिन्न थानों से आये लोगों की शिकायत संबंधी आवेदन मिले, जिनका संज्ञान लेते हुए विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है।

अग्रवाल सम्मेलन ने बांटा भोजन और फल

जमशेदपुर। नर सेवा नारायण सेवा समर्पण के तहत पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन द्वारा बुधवार को बाराद्वारी स्थित गांधी आश्रम मे कुष्ठ मरीजो के बीच भोजन और फल का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम अग्रवाल सम्मेलन के जिलाध्यक्ष सुशील अग्रवाल की देखरेख में हुआ।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से फूलचंद की मौत

गम्हरिया। औद्योगिक क्षेत्र के फेज सात में मंगलवार की शाम अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी। मृतक की पहचान बुधवार को पूर्वी सिंहभूम के कमलापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बांगुड़दा ग्राम निवासी फुलचंद सहिस (56) के रूप में हुई।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

तीन करोड़ इनामी राशि वाला टाटा स्टील गोल्फ टूर चैंपियनशिप आज से

- गगनजीत भूल्लर, एसएसपी चौरसिया, ओमप्रकाश चौहान, वीर अहलावत, उदयन माने रहेंगे आकर्षण

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। टाटा स्टील ग्रुप और पीजीटीआई 19 से 22 दिसंबर, 2024 तक जमशेदपुर के बेल्डीह और गोलमुरी गोल्फ कोर्स में टाटा स्टील टूर चैंपियनशिप की मेजबानी करेंगे। टूर्नामेंट में 3 करोड़ रुपये का पुरस्कार दिया जायेगा। पीजीटीआई पर सबसे बड़ा। इस क्षेत्र में 62 पेशेवरों का विशिष्ट क्षेत्र होगा। उक्त जानकारी बेल्डीह क्लब में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट डीबी सुंदराम ने दी। इस अवसर पर उनके साथ पीजीटीआई के सीईओ उत्तम सिंह मुंडी, गगनदीप भूल्लर, वीर अहलावत और जमशेदपुर गोल्फ क्लब के सीइओ दिग्विजय सिंह मौजूद थे।

टाटा स्टील टूर चैंपियनशिप 2024 टाटा स्टील पीजीटीआई सीजन का सीजन-एंडिंग इवेंट है। टूर्नामेंट 72-होल स्ट्रोक-प्ले चैंपियनशिप है और इसमें कोई कटौती लागू नहीं होगी। सभी प्रतिभागियों के लिए पुरस्कार राशि की गारंटी है। टूर्नामेंट से पहले प्रो-एम इवेंट 17 को खेला गया था।

आयोजन का प्रारूप इस प्रकार है : डीबी सुंदराम ने बताया कि सभी चार राउंड में, आधा मैदान अपना पहला नौ होल गोलमुरी में और दूसरा नौ होल बेल्डीह में खेलेगा, जबकि दूसरा आधा

चैंपियनशिप ट्रॉफी को प्रदर्शित करते बायें से उत्तम सिंह मुंडी, गगनजीत भूल्लर, डीबी सुंदराम, वीर अहलावत व दिग्विजय सिंह।

अपना पहला नौ होल बेल्डीह में और दूसरा नौ होल गोलमुरी में खेलेगा। दूसरे राउंड से, लीडरबोर्ड का अग्रणी/ अग्रणी आधा भाग (स्कोर के अनुसार अग्रणी समूह) अपने पहले नौ होल गोलमुरी में और दूसरे नौ होल बेल्डीह में खेलेंगे। पुरस्कार वितरण समारोह रविवार 22 दिसंबर को बेल्डीह गोल्फ क्लब में आयोजित किया जायेगा। पीजीटीआई के सीइओ उत्तम सिंह मुंडी ने बताया कि टूर्नामेंट में एक चमकदार मैदान होगा जिसमें भारतीय गोल्फ के कुछ सबसे बड़े नाम शामिल होंगे जैसे कि गत चैंपियन गगनजीत भुल्लर (2020 और 2023 चैंपियन), एसएसपी चौरसिया, 2023 टाटा स्टील पीजीटीआई रैंकिंग चैंपियन ओम प्रकाश चौहान, 2024 टाटा स्टील पीजीटीआई रैंकिंग लीडर वीर अहलावत, पूर्व चैंपियन उदयन माने (2019 और 2021 चैंपियन), राहिलगांगजी, मनु गंडास और युवराज संधू हैं।

■ टाटा स्टील खेल को बढ़ावा देती रहेगी : सुंदराम्- टाटा स्टील के रॉ मटेरियल डिवीजन के उपाध्यक्ष सह जमशेदपुर गोल्फ कैप्टन डी बी सुंदर राम ने कहा, टाटा स्टील में, हमने हमेशा उत्कृष्टता को प्रेरित करने और समुदायों के निर्माण के माध्यम के रूप में खेल को बढ़ावा दिया है। इस वर्ष भी जमशेदपुर में पीजीटीआई टूनामेंट की मेजबानी गोल्फ को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। जमशेदपुर गोल्फ कप्तान के रूप में, इस चैंपियनशिप को हमारे हरे-भरे मैदान में आयोजित होते देखना विशेष रूप से संतुष्टिदायक है, जो खेल के साथ हमारे शहर के गहरे संबंध को दर्शाता है। हम खिलाड़ियों और उत्साही लोगों के बीच उत्कृष्ट प्रदर्शन और सौहार्दपूर्ण एक रोमांचक सप्ताहांत की आशा करते हैं।

■ जमशेदपुर के गोलमुरी और बेल्डीह गोल्फ कोर्स का जवाब नहीं : उत्तम- पीजीटीआई के सीईओ उत्तम सिंह मुंडी ने कहा, हम पीजीटीआई की स्थापना के बाद से उसके अटूट समर्थन के लिए टाटा स्टील को धन्यवाद देते हैं। टाटा स्टील टूर चैंपियनशिप 2024, सीजन का शोपीस इवेंट, जिसमें मौजूदा ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष 60 खिलाड़ियों के साथ आमंत्रित अतिथि भी शामिल हैं। एक और सप्ताह के उत्साहजनक गोल्फ का वादा करता है, जो एक शानदार मैदान के रूप में जमशेदपुर के बेल्डीह और गोलमुरी के दो उत्कृष्ट स्थानों पर उतरेगा। सीजन के सबसे बड़े पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करें। यह देश में गोल्फ प्रशंसकों के बीच रुचि बढ़ाता है क्योंकि यह 2024 टाटा स्टील पीजीटीआई रैंकिंग चैंपियन का भी फैसला करेगा। हम खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हैं।

■ दो स्थान, बेल्डीह और गोलमुरी गोल्फ कोर्स, दोनों हरे-भरे, सुंदर और बहुत अच्छी तरह से बनाये हुए हैं, जिनकी पृष्ठभूमि में आकर्षक डालमा पहाड़ियां हैं। जबकि बेल्डीह गोल्फ कोर्स लंबे फेयरवेज का प्रदर्शन करता है, गोलमुरी गोल्फ कोर्स एक छोटा, हरा-भरा, बुटीक कोर्स है जो गोल्फर्स को गलती की कोई गुंजाइश नहीं देता है।

शास्त्रीनगर में कांग्रेसी नेता आलोक की दिन दहाड़े हत्या

- परिजनों का आरोप-सरयू राय के इशारे पर छोटा बच्चा और मोहित ने की हत्या
- मात्र 24 दिन पहले हुई थी आलोक मुन्ना की शादी, पत्नी और मां का बुरा हाल

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। नगर के शास्त्रीनगर इलाके में सुबह 10 बजे टाइगर क्लब चलाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता आलोक भगत उर्फ आलोक मुन्ना की दिन दहाड़े हत्या कर दी गयी। आलोक पूजा के लिए फूल लेकर अपनी बुलेट से लौट रहा था तभी शिशु मंदिर के पास घात लगा कर बैठे हत्यारों ने सामने से चार गोलियां उसके सीने में उतार दी। मुन्ना की मौके पर ही मौत हो गयी। मुन्ना पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता का कट्टर समर्थक और कांग्रेसी नेता था।

मुन्ना को गोली लगने पर उसके समर्थक उसे टाटा मेन हॉस्पिटल ले गये जहां जांचोपरांत चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुन्ना की 24 दिन पहले ही शादी हुई थी। उसकी हत्या के बाद मां और पत्नी का रो-रो कर बुरा हाल है।

हत्या की सूचना मिलने पर आइजी अखिलेश झा ने सीनियर एसपी किशोर कौशल के साथ घटना स्थल का निरीक्षण किया, और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता भी मृतक के परिजनों से मिले और उन्हें सांत्वना दी।

दूसरी ओर, मृतक आलोक मुन्ना के भाई मनोज ने आरोप लगाया है कि हत्या नये विधायक सरयू राय के ईशारे पर छोटा बच्चा और मोहित ने की है। ये दोनों विधायक के ही समर्थक हैं। चुनाव के दौरान मुन्ना की भाजपाइयों से बकझक भी हुई थी।

घटना स्थल का मुआयना करते आइजी अखिलेश झा व सीनियर एसपी किशोर कौशल और आलोक मुन्ना की फाइल फोटो (इनसेट)।

सरयू राय पोषित अपराधियों ने की है मुन्ना की हत्या : बन्ना गुप्ता

जमशेदपुर। शास्त्रीनगर सरस्वती शिशु मंदिर के पास कांग्रेस कार्यकर्ता आलोक भगत उर्फ मुन्ना की दिन दहाड़े हत्या पर पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने यहां जारी बयान में कहा कि चुनाव के दौरान गला फाड़ कर भय और अपराध मुक्त जमशेदपुर बनाने का झूठा प्रचार करने वाले विधायक और झूठ के सौदागर सरयू राय पोषित अपराधियों ने कांग्रेस कार्यकर्ता आलोक भगत ऊर्फ मुन्ना की दिन दहाड़े हत्या की हैं। इस संबंध में यदि त्वरित कार्यवाई नहीं हुई और अपराधी गिरफ्तार नहीं हुए तो डीजीपी और मुख्यमंत्री से मिलेंगे। यह एक राजनीतिक हत्या हैं, कई कांग्रेस के साथियों को भी धमकी मिल रही हैं, यदि पुलिस किसी के दवाब में कार्य करती हैं तो इसको लेकर आंदोलन किया जायेगा।

एक नजर में

टेल्को गोलचक्कर पर जैम@स्ट्रीट 22 को

जमशेदपुर। टाटा स्टील UISL, टाटा मोटर्स और टाटा कमिंस के सहयोग से जैम@स्ट्रीट इवेंट का दूसरा संस्करण आयोजित करने जा रहा है । यह बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम रविवार, 22 दिसंबर 2024 को सुबह 6:30 बजे से टाटा मोटर्स टाउनशिप (टेल्को क्षेत्र) में श्रमिक ब्यूरो राउंडअबाउट से डीलर्स हॉस्टल तक फैले क्षेत्र में आयोजित किया जायेगा। इस दिन का आनंद उठाने के लिए तैयार हो जाइये, जिसमें बैडमिंटन, जुंबा वर्कआउट और स्वादिष्ट व स्वस्थ भोजन जैसी गतिविधियां टेल्को की मुख्य सड़क पर उपलब्ध होंगी। जैम @ स्ट्रीट केवल एक कार्यक्रम नहीं है; यह एक उत्सव है जो विभिन्न रुचियों के लिए गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। चाहे आप फिटनेस प्रेमी हों, कला के शौकीन हों, या अपने परिवार के साथ मजेदार दिन बिताना चाहते हों, जैम@स्ट्रीट में हर किसी के लिए कुछ खास है। लाइव म्यूजिकल परफॉर्मेंस का आनंद लें, विभिन्न प्रकार के फूड स्टॉल्स का अन्वेषण करें, और रोमांचक बास्केटबॉल और कराटे प्रदर्शनों को देखें। आप रोमांचक एडवेंचर स्पोर्ट्स में भाग ले सकते हैं, पेंटिंग सेशन में हिस्सा ले सकते हैं, और अस्थायी टैटू बनवाकर मजा ले सकते हैं। इसके अलावा, जुम्बा सत्र का हिस्सा बनें, जो आपके दिन में जोश और ताल भर देगा। जैम @ स्ट्रीट में भाग लेना सभी के लिए निःशुल्क है और इसमें हर कोई शामिल हो सकता है।

बन्ना के संरक्षण में चल रहे आपराधिक गिरोह अब आपस में ही भिड़ने लगे हैं : सरयू राय

जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने कहा है कि बन्ना गुप्ता के संरक्षण में चल रहे आपराधिक गिरोह अब आपस में ही लड़ने लगे हैं। शास्त्री नगर के आलोक भगत की हत्या बन्ना समर्थित आपराधिक गिरोहों की परपस्पर प्रतिद्वंदिता का ही परिणाम है। सत्ता का दबाव हटते ही बन्ना गुप्ता के संरक्षण में चल रहे गिरोह आपस में ही भिड़ने लगे हैं। यहां जारी एक बयान में श्री राय ने कहा कि जिन लोगों को हथियार बना कर बन्ना गुप्ता ने पिछले पांच वर्षों में जमशेदपुर में भय और आतंक का साम्राज्य खड़ा किया था, वे अब खुद भयभीत और आतंकित हैं। उनका यह भय और आतंक कहीं बाहर से नहीं बल्कि एक ही थैली के चट्टे-बट्टों का आपसी संघर्ष है। पुलिस इसकी छानबीन करे और बन्ना गुप्ता द्वारा पिछले पांच वर्षों में कायम किये गये भय और आतंक के माहौल का पदार्फाश करे। उनके संरक्षण में चल रहे गिरोहों की परस्पर प्रतिस्पर्धा पर पुलिस नजर रखे। श्री राय ने कहा कि खुफिया विभाग जरूरी दस्तावेज जुटाये ताकि आगे ऐसी घटनाएं ना हों। उन्हें उम्मीद है कि जमशेदपुर पुलिस इस घटना का पदार्फाश करेगी और इस मामले की तह तक जाएगी। अब बन्ना गुप्ता खुद भयभीत हो रहे हैं। उनके भय का कारण भी उनके द्वारा पोषित आपराधिक गिरोह ही हैं। जमशेदपुर पुलिस को पर्याप्त प्रयास करना चाहिए और बन्ना समर्थित आपराधिक गिरोहों की शिनाख्त समय पर करनी चाहिए।

मनोहरपुर के विधायक जगत माझी पहुंचे आवासीय विद्यालय गुदड़ी, छात्राओं से मिले

सोनुवा। सोनुवा के बेगुना गांव में संचालित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय गुदड़ी में बुधवार को मनोहरपुर के नव निर्वाचित विधायक जगत माझी का अभिनंदन समारोह आयोजित हुआ। मौके पर छात्राओं एवं शिक्षिकाओं ने विधायक का गीत से स्वागत किया एवं गुलदस्ता भेंट किया। मौके पर विधायक ने विद्यालय का निरीक्षण किया एवं छात्राओं की समस्याओं से अवगत हुए। छात्राओं ने विधायक के समक्ष खेल का मैदान, हिंदी विषय के शिक्षक, एंबुलेंस एवं बाथरूम आदि की समस्याएं रखी। साथ ही गणतंत्र दिवस पर झंडोतोलन के लिए विधायक को आमंत्रित किया। विधायक ने आश्वासन दिया कि जल्द ही यहां की समस्याओं का समाधान किया जायेगा। मौके पर विधायक के हाथों कक्षा छह की छात्राओं के बीच कंबल का वितरण किया गया। विधायक जगत माझी ने कहा यहां आकर उन्हें अपना हॉस्टल लाइफ याद आ गया। कहा कि उन्होंने भी कक्षा एक से हॉस्टल में पढ़ाई की है। सीनियर्स छात्राओं को जूनियर की मदद करने को कहा। कहा जो भी जरूरत की चीजें है उन्हें मुहैया कराया जाएगा। खेल के साथ पढ़ाई पर भी ध्यान दें, ताकि गुदड़ी प्रखंड का नाम रौशन हो। मौके पर वार्डेन पुष्पा कंडुलना, सीआरपी डाक्टर महतो, शर्मिला कुमारी, नूतन भईयां, सुनीता सिंह, मोनिका महतो, स्नेहलता प्रधान, नीतू महतो, अंजू मुंडा, रिंकी प्रधान, रेखा महतो आदि शिक्षिका उपस्थित रही।

भोजपुरी भवन में याद किये गये भिखारी ठाकुर, नमन...

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जमशेदपुर गोलमुरी भोजपुरी भवन में सिंहभूम जिला भोजपुरी साहित्य परिषद के अध्यक्ष व वरीय साहित्यकार अरबिंद बिद्रोही की अध्यक्षता में भोजपुरी के अनमोल लोक कलाकार स्व भिखारी ठाकुर की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें याद किया गया। वक्ताओं ने कह भिखारी ठाकुर महान मां सरस्वती के वरद पुत्र जो स्कूल बहुत कम समय तक गए, लेकिन साक्षात मां सरस्वती को उनके कंठ में आकर बसना पड़ा। उन्होंने सामाजिक कुरीति के खिलाफ नाटक कला के माध्यम से दूर करने का सफल प्रयास किया। इस दौरान गबरघिचोर, श्री गंगा स्नान, बेटी बियोग, भाई बिरोध, बिदेशिया, बिधवा- बिलाप, कलियुग प्रेम, ननद भौजाई, नकल भाड़ आ नेटुआ के इत्यादि अनेको नाटक प्रमुख है। उन्हें भोजपुरी का सेक्सपियर भी कहा जाता है।

डीबीएमएस का वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

›› रेड हाउस बना ओवर ऑल चैंपियन

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। डीबीएमएस इंग्लिस स्कूल का वार्षिक खेलकूद महोत्सव 2024 का आयोजन 18 दिसंबर को जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कंपलेक्स में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चारों दलों द्वारा मार्च पास्ट का प्रदर्शन किया गया जिसमें तमन्ना बोस कमांडर इन चीफ थीं। विद्यालय सीनेट के मुख्य छात्र युवराज सेठी त्एवं मुख्य छात्रा एन. विदिशा एवं अन्य पदाधिकारी द्वारा चारों दलों की अगुवाई की गई। रेड हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस एवं ब्लू हाउस एक-दूसरे के पीछे मार्च पास्ट का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। बच्चों ने पूरी ऊर्जा, उमंग एवं उत्साह के साथ विभिन्न खेलों में हिस्सा लिया एवं बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की।

खेल दिवस पर टाटा स्टील में सपोर्ट्स एवं ट्रेनिंग सेंटर की मुख्य पदाधिकारी विभूति दंड अदेशरा मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थीं जिन्होंने प्राचार्या रजनी शेखर, उप-प्राचार्या एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ खेल ध्वज फहरा कर खेल दिवस का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर कक्षा 2 के छात्र-छात्राओं ने ब्लेजिंग फ्यूरी नाम से सुंदर डांस ड्रिल प्रस्तुत किया गया जिसके द्वारा इस वर्ष को ड्रैगन ऑफ ईयर बताया गया। कक्षा तीन के विद्यार्थियों ने बास्केट बॉल ब्लिट्ज नाम से डांस ड्रिल प्रस्तुत किया जिसके जरिए टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन एन टाटा को श्रद्धांजलि दी गयी।

कोल्हान विवि: व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के शिक्षकों को पांच माह से नहीं मिला है वेतन

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। कोल्हान विवि के अंतर्गत संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों (बीबीए, बीसीए, बीएससी आईटी एवं एमबीए) के शिक्षकों को पिछले पांच महीनों से संविदा नवीनीकरण और मानदेय भुगतान में हो रही देरी के कारण गंभीर वित्तीय और मानसिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। संविदा नवीनीकरण प्रक्रिया लंबित होने से शिक्षकों का नियमित वेतन बाधित हो गया है, जिससे उनके परिवारों की आजीविका पर गहरा प्रभाव पड़ा है।

आज वर्कर्स महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में मुख्य अतिथि सह मुख्य वक्ता के रूप में जमशेदपुर पश्चिम के माननीय विधायक श्री सरयू रॉय का आगमन हुआ। इस अवसर का लाभ उठाते हुए शिक्षकों के प्रतिनिधि मंडल ने उनसे मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में शिक्षकों ने अपनी समस्याओं के बारे में अवगत कराया और निवेदन किया कि माननीय विधायक इस विषय पर हस्तक्षेप कर विश्वविद्यालय प्रशासन और संबंधित विभागों से संवाद स्थापित करें।

जमशेदपुर में ही वी द सिख्स का विमोचन करना चाह रहे कपिलदेव

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। क्रिकेट लीजेंड कपिल देव ने सिख समुदाय को समर्पित अपनी पुस्तक वी द सिख्स का विमोचन जमशेदपुर में करने की इक्छा जताई है। जमशेदपुर के पत्रकार परविन्दर भाटिया से एक विशेष मुलाकात में उन्होंने कहा कि वह जमशेदपुर के लोगों से मिले प्यार से उत्साहित हैं और वह चाहते हैं कि जमशेदपुर में उनकी पुस्तक का विमोचन किया जाए। भेंट के दौरान उन्होंने विशेष रूप से जानकारी प्राप्त की कि जमशेदपुर में सिखों जनसंख्या कितनी है। पहले चरण में वह पुस्तकों की एक हजार प्रतियां भेजेंगे और खुद जमशेदपुर में आ कर पुस्तक का विमोचन करेंगे। कपिल कॉफी-टेबल बुक, सिख समुदाय का सटीक इतिहास देती है और इसमें दुनिया भर के 100 गुरुद्वारों की पहले कभी न देखी गयी।

कड़ाके की ठंड में कंबल सेवा से राहत पहुंचा रहे काले

जमशेदपुर। कड़ाके की ठंड के मौसम में कई बुजुर्गों को असहनीय सर्दी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में हर हर महादेव सेवा संघ के संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले द्वारा पिछले 24 वर्षों से जरुरतमंद बुजुर्गों को कंबल सेवा किया जाता है, जिससे उन्हें ठंड से राहत मिल सके। इस अभियान के अंतर्गत अमरप्रीत सिंह काले ने नेहरू कालोनी, स्लेग रोड, सीतारामडेरा, बंगाली कॉलोनी, पुराना सीतारामडेरा, हरिजन बस्ती, भालूबासा, वैशाली नगर (भट्टा), बारीडीह बस्ती, मूंसा सिंह बगान, गुरुद्वारा बस्ती, साकची सहित अन्य स्थानों का दौरा किया और वहां के बुजुर्गों को कंबल प्रदान करके आशीर्वाद लिया। कंबल प्राप्त करने वाले बुजुर्गों ने अमरप्रीत सिंह काले का आभार व्यक्त किया और उनके कार्य की सराहना की। अमरप्रीत सिंह काले ने कहा कि यह सेवा कार्य केवल भगवान भोलेनाथ की कृपा और आपके आशीर्वाद से ही संभव हो रहा है। काले ने यह भी कहा कि यदि भोलेनाथ की कृपा और समाज के लोगों का आशीर्वाद बना रहा, तो यह कंबल सेवा कार्य निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने आगे कहा हमारे समाज में सबसे महत्वपूर्ण यह है कि हम अपनी जिम्मेदारियों को समझें और दूसरों की मदद करने के लिए आगे आएं। काले ने उपस्थित सभी लोगों से अपील की कि वे भी इस प्रकार की सेवा कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें और जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने के लिए एकजुट रहें।

मेधावी बच्चों को कलक्टर, डॉक्टर और इंजीनियर बनाने में हरसंभव मदद करेगा भूल्लर फाउंडेशन

सत्येन्द्र कुमार

जमशेदपुर। इंटरनेशनल गोल्फर गगनजीत सिंह भूल्लर ने अपने सामाजिक दायित्व के तहत पंजाब के कैंसर रोगियों एवं आर्थिक रुप से कमजोर युवा खिलाड़ियों को मदद के अभियान को बड़ा करने का निर्णय लिया है। गगनजीत सिंह भूल्लर फाउंडेशन के जरिए अब मेधावी किंतु आर्थिक रुप से कमजोर छात्र-छात्राओं को यूपीएससी, नीट एवं आइआइटी जैसी परीक्षाओं की तैयारी कराने का निर्णय लिया है। कोचिंग से लेकर रहने- खाने- पीने का खर्च फाउंडेशन उठायेगा। इसकी विधिवत घोषणा 31 मार्च 2025 को की जायेगी। गगनजीत का कहना है कि कमजोर परिवार के बच्चे इन परीक्षाओं में सफल होते हैं तो वे न सिर्फ अपने परिवार को ट्रांसफॉर्म करेंगे बल्कि समाज के कमजोर परिवारों के लिए एक नजीर भी बनेंगे। डोमिनो इफैक्ट से काफी बदलाव आयेगा।

गोल्फर गगनजीत भूल्लर।

उक्त जानकारी गोल्फर गगनजीत सिंह भूल्लर ने **खबर मन्त्र** से एक बातचीत में दी। उन्होंने बताया कि उनके लिए इनामी टुर्नामेंट जीतने से ज्यादा सामाजिक कार्य से मिली संतुष्टि बहुत मायने रखती है। 2013 में गगनजीत भुल्लर फाउंडेशन की स्थापना की। मेडिकल एंड एजूकेशन के क्षेत्र में फाउंडेशन फोकस कर रहा है। पंजाब के गुरुदासपुर जिला के जद्दी गांव, जहां से मेरी जड़ है, वहां कैंसर जांच शिविर लगाना शुरु किया। हमने इस दौरान जागरुकता कार्यक्रमों के जरिए कैंसर का डर लोगों के मन से दूर किया है। इसी तरह छोटे किसानों को मदद भी फाउंडेशन के जरिए की है। पांच एकड़ से कम जमीन वाले 22 किसान परिवारों के घर पर सोलर पैनल लगायें। अब पंजाब की आम आदमी पार्टी ने बिजली फ्री कर दी है तो हम पंजाब फाइव हार्ट फाउंडेशन के सहयोग से फ्री बाईपास सर्जरी भी करायी जा रही है।

अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

टेस्ट में 537 विकेट, धोनी के बराबर शतक, सचिन से ज्यादा प्लेयर ऑफ द सीरीज... अश्विन का करिश्माई करियर

- अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक लिया संन्यास, सीरीज बीच में छोड़कर लौटेंगे घर
- रविचंद्रन अश्विन के टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट के साथ ही एक सुनहरा अध्याय खत्म हो गया
- रविचंद्रन अश्विन के टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट के साथ ही एक सुनहरा अध्याय खत्म हो गया

एजेंसी

ब्रिस्बेन। भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। उन्होंने गाबा टेस्ट के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की। अश्विन कप्तान रोहित शर्मा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे थे और वहां इसकी घोषणा की। संन्यास से पहले अश्विन ड्रेसिंग रूम में विराट कोहली के साथ बैठे नजर आए थे। इस दौरान कोहली ने उन्हें गले भी लगाया था। अश्विन एडिलेड डे नाइट टेस्ट में टीम इंडिया का हिस्सा रहे थे।

भारत के लिए कई रिकॉर्ड बना चुके अश्विन

38 साल का यह स्पिनर भारत के लिए कई रिकॉर्ड बना चुका है। वह टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों में सातवें स्थान पर हैं। अश्विन के नाम 106 टेस्ट में 537 विकेट हैं। 59 रन देकर सात विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी है। इस दौरान उनका औसत 24.00 का और स्ट्राइक रेट 50.73 का रहा है। अश्विन टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय में अनिल कुंबले के बाद दूसरे नंबर पर हैं। कुंबले के नाम 619 टेस्ट विकेट थे। अश्विन का एलान चौंकाने वाला है, क्योंकि वह भारतीय सरजमीं पर भारतीय स्पिन अटैक की धार थे। अपने घर पर डेब्यू के बाद से जब भी वह स्क्वॉड में चुने गए, हर बार वह टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने घर पर कोई टेस्ट मिस नहीं किया है।

रविचंद्रन अश्विन का इंटरनेशनल करियर

फॉर्मेट	मैच	रन	विकेट	बेस्ट स्कोर	100/51	बेस्ट गेंदबाजी	5 विकेट
टेस्ट	106	3503	537	124	06/14	13/140	37
वनडे	116	707	156	65	00/01	04/24	00
टी20	65	184	72	31	00/00	4/8	00

- यही नहीं, उन्होंने धोनी के बराबर 6 शतक जड़े, जबकि सचिन से अधिक प्लेयर ऑफ द सीरीज जीते

अश्विन के नाम दूसरा सबसे ज्यादा पांच विकेट

अश्विन के नाम टेस्ट में 37 फाइव विकेट हॉल है, जो कि किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा है। उनके बाद कुंबले का नंबर आता है। कुंबले ने टेस्ट में 35 बार पारी में पांच विकेट लिए थे। ओवरऑल सबसे ज्यादा पारी में पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के नाम है। उन्होंने 67 बार ऐसा किया था। अश्विन शेन वॉर्न के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं।

आइपीएल में सीएसके के लिए खेलते दिखेंगे अश्विन

अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू पांच जून 2010 को हरारे में श्रीलंका के खिलाफ वनडे में किया था। वहीं, टी20 डेब्यू उन्होंने 12 जून 2010 को ही हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ किया था। अश्विन का टेस्ट डेब्यू 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली में हुआ था। वह टेस्ट में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने टेस्ट में 11 बार प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता है। इस मामले में वह मुरलीधरन की बराबरी पर हैं। अश्विन 2011 में वनडे विश्व कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे। हालांकि, इसके बाद वह कोई आइसीसी ट्रॉफी नहीं जीत सके। अश्विन टेस्ट में भारत का नियमित हिस्सा रहे हैं। हालांकि, वनडे में वह टीम से बाहर हैं। टी20 में उनका टीम में आना जाना लगा रहा है। 2021 और 2022 टी20 विश्व कप के स्क्वॉड में वह पहली चॉइस नहीं थे। हालांकि, किसी के चोटिल या अनफिट होने पर उन्हें शामिल किया गया। अब भारत का यह दिग्गज स्पिनर सिर्फ आइपीएल में खेलता दिखेगा। उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स ने अपनी टीम में शामिल किया है।

- **जय शाह** ने एक्स पर लिखा, भारत के सबसे महान मैच विजेताओं में से एक - गेंद के जादूगर और खेल के चतुर विचारक। गर्व करने लायक अंतरराष्ट्रीय करियर और भविष्य के लिए आपको शुभकामनाएं।
- पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री, ने एक्स पर लिखा, श्शानदार करियर के लिए बधाई हो, पुराने दोस्त। कोच के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान आप एक अमूल्य संपत्ति थे और आपने अपने कौशल और शिल्प से खेल को बहुत समृद्ध किया। गॉड ब्लेस यू।श

बीसीसीआइ ने पोस्ट कर दी बधाई

बीसीसीआइ ने एक्स पर एक पोस्ट में अश्विन की उनके मैच जीतने वाले प्रदर्शन के लिए सराहना की, जो स्पिन में महारत के शानदार करियर के लिए जाना जाता है। बीसीसीआइ ने पोस्ट में लिखा, 'धन्यवाद अश्विन। महारत, जादूगरी, प्रतिभा और इनोवेशन का पर्यायवाची नाम। बेहतरीन स्पिनर और #टीमइंडिया के अमूल्य ऑलराउंडर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। शानदार करियर के लिए बधाई, अश्विन'।

गावस्कर अश्विन के फैसले से खुश नहीं

गावस्कर अश्विन के फैसले से खुश नहीं थे और उन्होंने 2014-15 में आस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज के दौरान एमएस धोनी के रिटायरमेंट लेने के फैसले से तुलना करते हुए तर्क दिया कि इस तरह के फैसले टीम की योजना को नुकसान पहुंचाते हैं। सीरीज के बीच में संयास लेना समझ से बाहर है गावस्कर ने आगे कहा, वह (अश्विन) यह भी कह सकते थे कि सीरीज खत्म होने के बाद मैं भारत के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहूंगा। इसी तरह जब एमएस धोनी 2014-15 सीरीज में तीसरे टेस्ट के अंत में रिटायर हुए, तो एक खिलाड़ी कम रह गया।

अश्विन की विरासत सभी को प्रेरित करती रहेगी: सचिन

भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा कि अश्विन की विरासत सभी को प्रेरित करती रहेगी। साथ ही उन्होंने चेन्नई के इस क्रिकेटर की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने खेल को मन और दिल से किस तरह से अपनाया। तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, अश्विन, मैं हमेशा से आपकी प्रशंसा करता रहा हूं कि आपने खेल को मन और दिल से किस तरह से अपनाया। कैरम बॉल को बेहतरीन तरीके से खेलने से लेकर महत्वपूर्ण रन बनाने तक, आपने हमेशा जीत का रास्ता निकाला।

कोहली ने एक्स पर लिखा सब कुछ के लिए धन्यवाद दोस्त

अश्विन के अचानक रिटायरमेंट की खबर जब पूर्व कप्तान विराट कोहली तक पहुंची तो वो भावुक हो गये। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट में उनका कौशल और मैच जीतने का योगदान बेमिसाल है। मैच के बाद कोहली ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, 'मैंने आपके साथ 14 साल तक खेला है और जब आपने आज मुझे बताया कि आप रिटायर हो रहे हैं, तो मैं थोड़ा भावुक हो गया और साथ में खेले गए उन सभी सालों की यादें मेरे सामने आ गयी। कोहली ने आगे लिखा, मैंने आपके साथ यात्रा के हर पल का आनंद लिया है, आपका कौशल और भारतीय क्रिकेट में मैच जीतने वाला योगदान बेमिसाल है और आपको हमेशा भारतीय क्रिकेट के दिग्गज के रूप में याद किया जाएगा।' आपके जीवन में आपके परिवार और आपके लिए जो कुछ भी सामने आता है, उसके लिए शुभकामनाएं। आपको और आपके करीबी लोगों को बहुत सम्मान और ढेर सारा प्यार।

- पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह ने एक्स पर लिखा, शानदार खेल दिखाया ऐश और शानदार यात्रा के लिए बधाई! दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को अपने जाल में फंसाने से लेकर कठिन परिस्थितियों में डटे रहने तक, आप टीम के लिए एक वास्तविक संपत्ति रहे हैं। दूसरी तरफ आपका स्वागत है!
- पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने अश्विन की प्रशंसा करते हुए एक्स पर लिखा, धन्यवाद, अश्विन भाई! गेंद के साथ आपका जादू, तेज क्रिकेटिंग दिमाग और टेस्ट क्रिकेट के लिए बेजोड़ जुनून हमेशा हमारे दिलों में रहेगा। हमें खुशी और गर्व के अनगिनत पल देने के लिए धन्यवाद। आपके अगले अध्याय के लिए आपको शुभकामनाएँ!

पूरी टीम अश्विन के फैसले का पूरा समर्थन करती है: रोहित

कप्तान रोहित शर्मा ने अश्विन के फैसले की प्रशंसा करते हुए कहा कि कुछ फैसले बहुत व्यक्तिगत होते हैं और पूरी टीम अश्विन की सोच का पूरा समर्थन करती है। रोहित ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, देखिए कुछ फैसले बहुत निजी होते हैं और मुझे नहीं लगता कि इस पर सवाल उठाए जाने चाहिए? हां, अगर किसी खिलाड़ी के पास कोई विकल्प है, तो उसे वह विकल्प दिया जाना चाहिए और ऐश जैसे खिलाड़ी, जो इतने सालों से हमारे लिए खेल रहे हैं, उन्हें इस तरह के फैसले खुद लेने की अनुमति है। और हमें टीम के साथी के तौर पर इसका सम्मान करना चाहिये। वह इस बात को लेकर बहुत आश्वस्त थे कि वह क्या करना चाहते हैं। और टीम उनकी विचार प्रक्रिया का पूरा समर्थन करती है। कप्तान ने आगे कहा, जब मैं पर्थ आया तो मैंने यह सुना। मैं टेस्ट मैच के पहले तीन या चार दिनों के लिए वहां नहीं था, लेकिन तब से यह उसके दिमाग में था. और जाहिर है कि इसके पीछे बहुत सी बातें हैं। मुझे पूरा यकीन है कि ऐश, जब सही स्थिति में होगा, तो इसका जवाब दे पाएगा। लेकिन वह समझता है, आप जानते हैं कि टीम क्या सोच रही है। वह समझता है कि हम किस तरह के संयोजन के बारे में सोच रहे हैं।

भारत के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार

नयी दिल्ली। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच ब्रिसबेन के गाबा मैदान पर खेला गया तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ पर समाप्त हो गया है। इस मुकाबले के बाद भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में तीसरे स्थान पर मौजूद है। भारत के हालांकि अब भी डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें जिंदा है और वह दूसरे स्थान पर रहकर इसके लिए क्वालिफाई कर सकती है। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहने के बावजूद आस्ट्रेलिया टीम डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। दोनों टीमें अंक बांटने पर मजबूर हुईं। ड्रॉ होने से भारत के डब्ल्यूटीसी अंक प्रतिशत में गिरावट आई और उसकी पीसीटी 57.29 से 55.88 पर पहुंच गई है। भारत अंक तालिका में तीसरे स्थान पर बना हुआ है और दक्षिण अफ्रीका शीर्ष पर मौजूद है। डब्ल्यूटीसी 2023-25 चक्र के फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को अगले दो मैचों में हार से बचना होगा। भारत शेष दो मैचों में एक ड्रॉ और एक जीत दर्ज कर सका तो भी उसकी उम्मीदें रहेंगी। गाबा टेस्ट ड्रॉ रहने के बाद अब भारत अधिकतम 138 अंक हासिल कर सकता है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी: बारिश ने ड्रा कराया ब्रिसबेन टेस्ट

एजेंसी

ब्रिसबेन। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच खेले गये तीसरे टेस्ट मैच को पांचवें दिन बुधवार को भारत की दूसरी पारी में शुरू हुई बारिश के कारण ड्रा घोषित कर दिया गया। ट्रैविस हेड को उनके शानदार खेल के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवजा गया। पांच मैचों की श्रृंखला में दोनों टीमें एक-एक मैच जीत कर बराबरी पर है। इससे पहले आस्ट्रेलिया ने पहली पारी के आधार पर मिली 185 रनों की बढ़त के बाद दूसरी पारी सात विकेट पर 89 रन पर घोषित कर भारत को जीत के लिए 275 रनों का लक्ष्य दिया था। आस्ट्रेलिया के 275 रनों के लक्ष्य के जवाब में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 2.1 ओवर में बिना कोई विकेट खोए आठ रन बनाये थे कि तेज बारिश शुरू हो गई। चायकाल के समाप्त होने बावजूद हो रही हल्की बारिश के कारण अम्पायरों ने मैच को ड्रा घोषित कर दिया। यशस्वी जायसवाल (नाबाद चार) और के एल राहुल (नाबाद चार) रन क्रीज पर थे। भारत ने सुबह के सत्र में बुधवार को नौ विकेट पर 252 रनों से आगे खेलना शुरू किया। अभी टीम के स्कोर में आठ रन और जुड़े थे कि ट्रैविस हेड ने आकाश दीप को विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच आउट कराकर 260 के स्कोर पर भारतीय पारी का अंत कर दिया। आकाश दीप ने 44 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 31 रनों की पारी खेली। वहीं जसप्रीत बुमराह 10 रन बनाकर नाबाद रहे। आस्ट्रेलिया को पहली पारी के स्कोर के आधार पर 185 रनों की बढ़त मिली। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी आस्ट्रेलियाई टीम तेजी से रन बनाने के प्रयास में लगातार अपने विकेट खोती रही। उस्मान ख्वाजा (आठ), मार्नस लाबुशेन (एक) को बुमराह ने अपना शिकार बनाया। नेथन मैकस्वीनी (चार), मिचेल मार्श (दो) को आकाश दीप ने आउट किया। ट्रैविस हेड (17) और स्टीव स्मिथ (चार) को मोहम्मद सिराज ने आउट किया। 18वें ओवर में बुमराह ने आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (22) को आउट कर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। इसी के साथ आस्ट्रेलिया ने 89 रन पर अपनी दूसरी पारी घोषित कर दी। भारत की ओर जसप्रीत बुमराह ने तीन, आकाश दीप और मोहम्मद सिराज ने दो-दो विकेट लिये। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन बनाये थे।

जसप्रीत बुमराह ने रचा इतिहास, कपिल देव को पीछे छोड़ा

ब्रिस्बेन। भारत के दाएं हाथ के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में एक बड़ा कीर्तिमान बनाया है। भारतीय उपकप्तान आस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गये हैं। बुमराह ने 'द गाबा' में भारत और आस्ट्रेलिया के बीच चल रहे तीसरे टेस्ट के 5वें दिन यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। जसप्रीत बुमराह ने पूर्व भारतीय कप्तान दिग्गज कपिल देव के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। बुमराह के नाम अब आस्ट्रेलिया की धरती पर 52 विकेट हो गये हैं, जो कपिल देव के 51 विकेटों से एक ज्यादा है। तीसरे टेस्ट के आखिरी दिन बुमराह ने मार्नस लाबुशेन को आउट करके अपना दूसरा विकेट लिया और यह उपलब्धि हासिल की। 31 वर्षीय बुमराह ने अब तक 20 पारियों में 52 विकेट लिए हैं, जिसमें 41.07 की बॉलिंग स्ट्राइक रेट है, जिसमें 3 बार 5 विकेट लेने का कारनामा शामिल है। कपिल देव के नाम 24.58 की औसत और 61.50 की स्ट्राइक रेट के साथ 51 विकेट दर्ज हैं। कपिल देव ने आस्ट्रेलिया में पांच बार 5 विकेट हॉल दर्ज किया है। बता दें कि, गाबा टेस्ट के दूसरे दिन बुमराह SENA देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया) में सबसे ज्यादा 5 विकेट हॉल लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने थे। उन्होंने इन देशों में अब तक कुल 8 बार 5 विकेट लिए और कपिल देव को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने इन्हीं चार देशों में 7 बार पांच विकेट लिए थे।

200 टेस्ट विकेट से 7 कदम दूर

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज 200 टेस्ट विकेट पूरे करने से सिर्फ 7 विकेट दूर हैं। उम्मीद है कि वह जल्द ही यह उपलब्धि हासिल करने वाले छठे तेज गेंदबाज और 12वें भारतीय बन जाएंगे।

सलमान बने खो-खो विश्वकप के ब्रांड एंबेसडर

नयी दिल्ली। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआइ) ने बुधवार को भारतीय सुपरस्टार सलमान खान को खो-खो विश्वकप के पहले संस्करण का ब्रांड एंबेसडर बनाने जाने की घोषणा की। बुधवार को यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय खिलाड़ी प्रशिक्षण शिविर में मीडिया के साथ बातचीत के दौरान केकेएफआई ने यह घोषणा की। कार्यक्रम में केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल, महासचिव एमएस त्यागी के साथ-साथ भारतीय पुरुष और महिला खिलाड़ी और कोच शामिल हुए।

सम्मान की लड़ाई में बंगाल वारियर्स पर भारी पड़े तमिल थलाइवाज, 31 अंक से हराया

पुणे। प्लेआफ की दौड़ से बाहर होने के बाद तमिल थलाइवाज और बंगाल वारियर्स के लिए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन में अब सिर्फ सम्मान की लड़ाई बची है और इस लड़ाई में थलाइवाज टीम बंगाल पर भारी पड़ी। थलाइवाज ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में बुधवार को 60-29 के अंतर से हराया। थलाइवाज को 20 मैच में सातवीं जीत मिली जबकि बंगाल को इतने ही मैचों में 12वीं हार मिली। थलाइवाज की जीत में मोइन शफागी (13), हिमांशु (13), साई प्रसाद (6) और डिफेंडर नितेश (7) ने चमक दिखाई जबकि फजल अतराचली के बगैर उतरी बंगाल के लिए मंजीत चौधरी ने सबसे अधिक सात अंक लिए। बंगाल की टीम चार बार आलआउट हुई।

सीनियर एलिट स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप का समापन

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के गिरी सेंटर स्थित बॉक्सिंग हॉल में 14 से 18 दिसंबर तक आयोजित हुई चार दिवसीय 5वीं सीनियर एलिट हरियाणा स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप का बुधवार को समापन हुआ। इस चैंपियनशिप का आयोजन हरियाणा बॉक्सिंग संघ, क्रीड़ा भारती और एचएयू के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। चैंपियनशिप के बेस्ट बॉक्सर गौरव पुनियानी व बेस्ट प्रमोशिंग प्रीत रहे तथा ओवरऑल ट्रॉफी साईं भिवानी को मिली और रनर अप हिसार रहा। चैंपियनशिप के समापन अवसर पर हकृवि के कुलपति डॉ. बी.आर. कंबोज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और विशिष्ट अतिथि के तौर पर ओलंपियन अर्जुन अवॉर्डी डीएसपी जयभगवान मौजूद रहे जिन्होंने विजेताओं को मेडल दिए।

पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को वनडे में हराया

एजेंसी

पार्ल (दक्षिण अफ्रीका)। ऑलराउंडर सलमान आगा के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने बोलैंड पार्क में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज के पहले वनडे में आखिरी ओवर में रोमांचक जीत दर्ज की। इस शानदार जीत से पाकिस्तान ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। पहले वनडे में दोनों टीमों ने जीत के लिए पूरी जान लगा दी। लेकिन, अंत में मेन इन ग्रीन ने जीत दर्ज की। 240 रनों के औसत से कम लक्ष्य के जवाब में पाकिस्तान एक समय 60/4 पर लड़खड़ा रहा था और लक्ष्य काफी दूर लग रहा था। लेकिन बाएं हाथ के सैम अयूब और सलमान आगा ने मिलकर पारी को संभाला। एक बार जब वे दोनों क्रीज पर आ गए, तो उन्होंने बीच-बीच में बाउंड्री लगाना शुरू कर दिया। 141 रनों की साझेदारी ने पाकिस्तान को बढ़त दिला दी, लेकिन तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा के दोहरे विकेट वाले ओवर ने कहानी में नया मोड़ ला दिया, जिसमें शतकवीर अयूब का विकेट भी शामिल था। दक्षिण अफ्रीका ने गेंद से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन बल्ले से वे कुछ रन कम बना पाए। इससे पहले, पाकिस्तान के गेंदबाजों ने एक और शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन किया, जैसा उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में किया था, जब उन्होंने वनडे सीरीज जीती थी, क्योंकि उन्होंने वहां सिर्फ 4 तेज गेंदबाजों का इस्तेमाल किया, जिन्होंने अपनी टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया। पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों को अपने स्पिनरों से मदद की जरूरत थी और अप्रत्याशित लेकिन बेहद प्रभावी आगा उनके लिए मौजूद थे. आगा ने 70 रनों की शानदार ओपनिंग साझेदारी तोड़ी और फिर जल्दी ही पहले 4 विकेट चटकाकर दक्षिण अफ्रीका को 88/4 पर पहुंचा दिया।

बांग्लादेश ने रचा इतिहास, वेस्टइंडीज के खिलाफ उसी के घर में हराकर जीती पहली टी20 सीरीज

एजेंसी

सेंट विंसेंट (वेस्टइंडीज)। बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच यहां अर्नोस वेल ग्राउंड, किंग्सटाउन, सेंट विंसेंट में बुधवार को दूसरा टी20 खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में बांग्लादेश ने मेजबानों को चौंकाते हुए 27 रनों से शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने 3 मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाकर सीरीज अपने नाम कर इतिहास रच दिया है। बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 साल के लंबे अंतराल के बाद अपनी पहली टी20 सीरीज जीत दर्ज की। यह 2018 के बाद से बांग्लादेश के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ इस फॉर्मेट में पहली सीरीज जीत है। वहीं, बांग्लादेश ने पहली बार वेस्टइंडीज को वेस्टइंडीज में सीरीज हराकर इतिहास रच दिया है। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने बांग्लदेशी गेंदबाजी लाइन-अप की अगुवाई की और अंत में बांग्लादेश को कम स्कोर वाले इस मुकाबले में जीत दिलाई। तस्कीन ने 1 ओवर में 2 विकेट लेकर शानदार शुरूआत की और फिर स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर अकील होसेन के रूप में आखिरी विकेट लेकर विंडीज की जीत पर पूर्ण विराम लगा दिया। इसके बाद वेस्टइंडीज ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाये। पावरप्ले के बाद विंडीज का स्कोर 32/4 था और सभी शीर्ष 4 बल्लेबाज पवेलियन लौट गये। विकेटों का पतन यहीं नहीं रुका, क्योंकि पहले टी20 में अर्धशतक बनाने वाले कप्तान रोवमन पॉवेल कप्तान की पारी खेलने में विफल रहे और कुल 7 गेंदों पर 6 रन ही जोड़ पाए, इसके बाद ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड ने शानदार प्रदर्शन किया। अंत में दोनों को ज्यादा समर्थन नहीं मिला और बांग्लादेश ने तब भी धैर्य बनाए रखा, जब मैच खत्म होने के करीब था और आखिर में 27 रनों से शानदार जीत दर्ज की। बांग्लादेश के सभी गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने 3 विकेट चटकाये। यह आसान विकेट नहीं था, क्योंकि तेज गेंदबाजों के लिए उछाल और स्पिनरों के लिए स्पिन थी, लेकिन वेस्टइंडीज ने पावरप्ले में बहुत सारे विकेट गंवाए, जो इस फॉर्मेट में हाल के दिनों में उनके लिए एक बार-बार होने वाली समस्या रही है।

गोल्डी ने एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से होंगी सम्मानित

एजेंसी

नालंदा। बिहार के नालंद की गोल्डी कुमारी ने थाईलैंड में आयोजित विश्व एबिलिटी स्पोर्ट्स युवा खेलों में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता। इस बेहतरीन प्रदर्शन के कारण उन्हें 26 दिसंबर को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किया जाएगा। गोल्डी कुमारी की इस शानदार सफलता से ना सिर्फ बिहार का सम्मान बढ़ा है, बल्कि राज्य के दूसरे खिलाड़ियों का मनोबल भी काफी बढ़ा है। पिछले वर्ष के अविस्मरणीय विश्व खेलों के बाद, प्रथम विश्व एबिलिटीस्पोर्ट युवा खेल एक से सात दिसंबर 2024 तक थाईलैंड में आयोजित किए गए जिसमें एथलेटिक्स, बोशिया, पावरलिफ्टिंग और टेबल टेनिस का खेल कार्यक्रम आयोजित किया गए। बिहार सरकार खिलाड़ियों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। बिहार का यही राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स अब 2025 में पुरुष हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। इसके साथ ही साथ खेलो इंडिया यूथ गेम्स तथा पैरा गेम्स की भी मेजबानी करेगा।

गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता जूनियर वर्ग

ज्ञान निकेतन, जेपीएस सेंट्रल और संत पॉल की जीत

मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार देते के अतिथि

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। जिला पब्लिक स्कूल समन्वय समिति के तत्वावधान में खेले जा रहे 23वीं गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे दिन जेपीएस सेंट्रल स्कूल ने ज्ञान भारती बेलचंपा की टीम को 74 रनों से संत पॉल एकेडमी गढ़वा की टीम ने साईं पब्लिक स्कूल को आठ विकेट से ज्ञान निकेतन रेहला की टीम ने एआरडी पब्लिक स्कूल को 9 विकेट से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया।

टाउन हॉल के मैदान में ज्ञान भारती बेलचंपा की टीम ने टॉस जीतकर जेपीएस सेंट्रल पब्लिक स्कूल को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। जेपीएस के अजमल के 40 और रेहान के 27 रनों के सहयोग से टीम ने निर्धारित ओवरों में छह विकेट के नुकसान पर 135 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। ज्ञान भारती की ओर से सरताज ने तीन विकेट प्राप्त किया। जवाबी पारी खेलने उतरी ज्ञान भारती की टीम 61 रनों पर सिमट गई। जेपीएस की ओर से प्रिंस और आमिर ने दो-दो विकेट प्राप्त किया। दूसरे मैच में साईं पब्लिक स्कूल पहले बल्लेबाजी करते हुए 39 रनों पर ही सिमट गई। संत पल एकेडमी ओर से उत्कर्ष, आर्य और शिवम ने दो-दो विकेट प्राप्त किया।

जबाबी पारी खेलने उतरी संत पॉल एकेडमी ने दो विकेट खोकर तीन ओवर में ही शुभम के 16 रन और उत्कर्ष के नाबाद आठ रन की बदौलत जीत दर्ज कर ली। तीसरे मैच में एआरडी पब्लिक स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आशीष के 12 रनों के सहयोग से निर्धारित ओवर में 63 रन बनाए। ज्ञान निकेतन रेहला की टीम की ओर से फरहान ओर फहीम ने तीन-तीन विकेट लिए। जवाबी पारी खेलने उतरी ज्ञान निकेतन की टीम फरहान के 31 रन की बदौलत एक विकेट खोकर विजयी लक्ष्य को पा लिया।

ग्रामीण सड़कों के रखरखाव की निगरानी के लिए

मुख्यमंत्री करेंगे हमारा बिहार हमारी सड़क' ऐप का लोकार्पण

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार 19 दिसम्बर को पटना स्थित समारोह में 'हमारा बिहार हमारी सड़क' मोबाइल ऐप का लोकार्पण करेंगे। ग्रामीण कार्य विभाग अंतर्गत इस एंड्रॉयड आधारित मोबाइल ऐप का निर्माण किया गया है।

इस ऐप के माध्यम से आमजन अब सड़कों की खराब स्थिति जैसे गड्ढ़े, क्षतिग्रस्त किनारे और अन्य समस्याओं की रिपोर्ट सीधे संबंधित अधिकारियों को कर सकेंगे। मोबाइल ऐप निर्मित करने का उद्देश्य राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की देखभाल और रखरखाव में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

यह ऐप पूरे राज्य में उपलब्ध होगा और लोगों को आसानी से सड़क संबंधी समस्याओं को साझा करने का एक प्लेटफार्म प्रदान करेगा। यह ऐप राज्य के सभी प्रखंडों के अनुरक्षणाधीन 63,000 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों की सूची प्रदान करेगा। उपयोगकर्ता अपने प्रखंड की

सड़क का चयन कर सकते हैं और गड्ढ़ों या अन्य समस्याओं की रिपोर्ट फोटो के साथ दे सकते हैं।

'हमारा बिहार हमारी सड़क' ऐप के माध्यम शिकायत दर्ज करने के बाद, संबंधित अधिकारी के द्वारा उस समस्या को तय समय सीमा में हल किया जाएगा और समस्या समाधान की स्थिति को भी ऐप के माध्यम से अपडेट किया जाएगा। एक बार समस्या हल हो जाने के बाद, संबंधित अधिकारी पुनः मरम्मत स्थल की तस्वीर अपलोड करेंगे। इससे ग्रामीण सड़कों के अनुरक्षण एवं रखरखाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

इस अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुधरेगी बल्कि, जनता की भागीदारी से बुनियादी ढांचे के विकास में भी तेजी आएगी। यह ऐप नागरिकों और सरकार के बीच सीधे संवाद को बढ़ावा देने के लिए विकसित किया गया है। उपयोगकर्ता ऐप पर किसी भी सड़क की खराब स्थिति का विवरण और उसकी तस्वीरें अपलोड कर सकते हैं।

'हमारा बिहार हमारी सड़क' ऐप अब गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध होगा। इसे डाउनलोड कर नागरिक अपनी शिकायतें दर्ज कर सकते हैं और बिहार की सड़कों को बेहतर बनाने में अपना योगदान दे सकते हैं।

खबर एक नजर में

पीड़ित ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के समक्ष लगायी न्याय की गुहार

अररिया। तीन दिसंबर को अररिया नगर थाना क्षेत्र के आजाद नगर में जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने के नियत से आए भू-माफिया के द्वारा जमीन मालिक के बेटों पर जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। इस मामले में पीड़ित परिजनों के द्वारा अररिया नगर थाना में कांड संख्या 595/24 में दो दर्जन लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करवाते हुए न्याय की गुहार लगाई थी। घटना के 16 दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस के द्वारा अपराध कर्मियों की गिरफ्तारी नहीं किए जाने से नाराज होकर पीड़ित परिवार ने बुधवार को अररिया दौरे पर आए बिहार के नेता प्रतिपक्ष पूर्व उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मिलकर मामले में न्याय दिलाने की गुहार लगाई।

राज्य के महत्वपूर्ण शहरों में मौसम विज्ञान केंद्र स्थापित होंगे : सम्राट चौधरी

पटना। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की सेवाओं के 150 वर्ष पूरे होने पर आईएमडी, पटना के तत्वावधान में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य के महत्वपूर्ण शहरों में मौसम विज्ञान केंद्र स्थापित होंगे, जिससे जनता को सटीक जानकारी मिलेगी। चौधरी ने कहा कि अभी बिहार में केवल 5 नियमित सतहीय वेधशालाएं (पटना, गया, भागलपुर, पूर्णिया और वाल्मीकिनगर) कार्यरत हैं लेकिन राज्य सरकार इनकी संख्या बढ़ाने और अन्य शहरों में नई सतहीय वेधशाला सह मौसम विज्ञान केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि मौसम विज्ञान केंद्रों की संख्या बढ़ने से न केवल राज्य में मौसम की भविष्यवाणी को और अधिक सटीक बनाया जा सकेगा, बल्कि नए रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। राज्य में इन प्रयासों से मौसम विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति होगी और जनता को बेहतर सेवाएं दी जा सकेंगी।

राज्यपाल सह कुलाधिपति को गार्ड ऑफ ऑनर

एजेंसी

सहरसा/मधेपुरा। भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय में संपन्न हुए सीनेट बैठक में प्रदेश से भाग लेने आए राज्यपाल सह कुलाधिपति को 17 बिहार एनसीसी बटालियन सहरसा कैडेट्स अमन कुमार,आदित्य रमन, विकास कुमार, अमरजीत कुमार, निशांत कुमार, रोशन कुमार, रमेश कुमार, पुरूषोतम कुमार, अभिषेक कुमार ने गेस्ट हाउस के पास गार्ड ऑफ ऑनर दिया। गर्ल्स कैडेट्स बबली कुमारी,स्वाति गुप्ता,निशा कुमारी, शिवानी कुमारी ने कुलाधिपति सह राज्यपाल बिहार राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर का पायलटिंग की। इस तैयारी में नायक सूबेदार महेंद्र राय, हवलदार शिशुपाल सिंह,हवलदार आर एस राठौड़ ने महत्पूर्ण भूमिका निभाया। ज्ञातव्य हो कि मेजर गौतम को कई वर्षों से लगातार गार्ड ऑफ ऑनर देने का अवसर मिलता रहा है और मेजर गौतम भी उसे बड़ी मुस्तैदी से लगातार निभा रहे हैं।

कैमरे और अत्याधुनिक तकनीक से लैस ट्रैक पर होगा ड्राइविंग का टेस्ट

पटना। पटना और औरंगाबाद के तर्ज पर अब पूर्णिया, भागलपुर, दरभंगा, सारण एवं गया में कैमरे और अत्याधुनिक तकनीक से लैस ट्रैक पर ड्राइविंग टेस्ट लिया जायेगा। इसके लिए पूर्व से बने टेस्टिंग ट्रैक का ऑटोमेशन होगा। यह कार्य परिवहन विभाग द्वारा मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के सीएसआर फंड से कराया जायेगा। इन जिलों में ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक का ऑटोमेशन के लिए मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड एवं परिवहन विभाग के बीच विश्वेश्वरैया भवन स्थित सभागार में मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एमओए) किया गया।

केंद्र को देना होगा बकाया राशि : झामुमो

रमना। प्रखंड मुख्यालय स्थित पार्टी कार्यालय में बुधवार को झामुमो कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न हुई। बैठक में केंद्र सरकार के पास रॉयल्टी के बकाया एक लाख 36 हजार करोड़ रुपए बकाया पर चर्चा करते हुए संसद भवन में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के द्वारा दिए गए बयान की निंदा करते हुए वक्ताओं ने कहा कि झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से लेकर सभी वरिय अधिकारियों के द्वारा पत्राचार कर बकाया राशि एक लाख 36 हजार करोड़ की मांग लगातार किया जाता रहा है। लेकिन सांसद पप्पू यादव के द्वारा मामला उठाए जाने के बाद वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि किसी प्रकार का बकाया नहीं है। पंकज चौधरी का यह बयान दुर्भावना से ग्रसित होकर दिया गया है। वक्ताओं ने कहा कि इस मामले में संगठन के प्रदेश नेतृत्व और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ पूरा झारखंडवासी साथ है। भाजपा के सांसद और उसके नेताओं को भी चाहिए कि झारखंड केंद्र के पास बकाया राशि की मांग करें ताकि प्रदेश के सर्वांगिण विकास निर्वाध गति से चलते रहें। केंद्र सरकार को बकाया राशि देना होगा नहीं तो झारखंड से खनिज संपदा बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष नागेद्र कुमार सिंह, विशेश्वर मेहता, अनुज कुमार, सुभान अंसारी, निरुद्दीन अंसारी, मुन्ना पासवान, रोहित वर्मा, मुन्ना प्रसाद सहित आदि ने संबोधित किया।

एकदिवसीय मोटिवेशनल सत्र का आयोजन

उद्घाटन करते अतिथि

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय परिसर स्थित ग्रुप पद संभव राम सभागार में बुधवार को एकदिवसीय मोटिवेशनल सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डीसी शेखर जमुआर, पूर्व डीडीसी सत्येंद्र नारायण उपाध्याय, इंटीग्रेटेड एडु सिस्टम नई दिल्ली के मेंट एवं डायरेक्टर आनंद प्रभाकर शुक्ला, जिला कृषि पदाधिकारी शिवशंकर प्रसाद, बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह, कुलपति प्रो. एमके सिंह ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। इस एकदिवसीय मोटिवेशनल सेशन में आनंद प्रभाकर शुक्ला ने यूपीएससी, जेपीएससी एवं बीपीएससी के द्वारा सिविल सर्विसेज एग्जामिनेशन की तैयारी एवं सफलता के लिए बच्चों को ओरियंटेशन एवं जागरूक किया। इस ओरियंटेशन सत्र में डीसी ने भी अनुभव साझा किया। डीसी, पूर्व डीडीसी, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं कुलपति ने बच्चों के प्रत्येक प्रश्न का जवाब दिया और आश्वस्त किया कि परिसर में एक अच्छे कोचिंग सेंटर की व्यवस्था की जाएगी। जिससे कि यहां पढ़ने वाले बच्चे सप्ताह में दो दिन कक्षाएं आयोजन का लाभ ले सकें।

मौके पर डॉ तान्या वर्मा, डॉ. एके सिन्हा, सुभाष कुमार, राकेश सिंह, प्रवीण कुमार सिंह, डॉ. पंकज कुमार, शिव कुमार ओझा, केशरी कुमार, प्रवीण कुमार सिंह, पंकज सिन्हा, शंभू राम डेंटल कॉलेज, होम्योपैथी कॉलेज, दिनेश कॉलेज ऑफ एजुकेशन, फार्मेसी कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, पैरामेडिकल कॉलेज, वनांचल कॉलेज ऑफ़ साइंस के प्राचार्य, शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

जरूरतमंदों के बीच कम्बल का वितरण

खबर मन्त्र संवाददाता

मझिआंव। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत खरसोता गांव स्थित शिव महिमा केयर अस्पताल के प्रोपराइटर डॉ. राजकिशोर प्रसाद ने दर्जनों असहाय, गरीब व जरूरतमंदों के बीच कम्बल का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी बढ़ती ठंढ को देखते हुए असहाय, गरीब, मजदूर व जरूरतमंदों के बीच निजी राशि से कम्बल का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार मैं समाज सेवा कई वर्षों से करता रहा हूं।

भगवान शिव की अपरम्पार महिमा व आशीर्वाद से मेरे पास तन-मन व धन पर्याप्त है। इसलिए मैं भूखे को अन्न, प्यासे को पानी व जरूरतमंदों को बढ़ती ठंड में कम्बल देने का प्रयास करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं 500 गरीबों के बीच कम्बल का वितरण प्रत्येक ठंडी के समय में करता हूं। उन्होंने कहा कि केवल इतना ही नहीं कई गरीबों की बेटी की शादी में आर्थिक

वितरण करते डा राजकिशोर प्रसाद

मदद भी करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं अपने जन्मदिन के अवसर पर लोगों के बीच निःशुल्क फलदार पौधे का भी वितरण करता हूं। गरीबों के बीच रहकर उनकी सेवा करना अपना परम् धर्म समझ लिया है। मुझे दान-पुण्य करना खूब भाता है, यही जीवन की सार्थकता भी है। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में कुछ वृद्ध महिला व पुरुषों को निःशुल्क आंख की जांच शिविर का आयोजन कर उन्हें मुफ्त में इलाज कराने की सलाह देता हूं। उन्होंने कहा कि जब तक मेरी सांसें रहेंगी, यही उम्मीद करूंगा कि लोगों की सेवा सदैव करता रहूं। उन्होंने कहा कि शिव महिमा केयर अस्पताल में झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावे, देश के कई राज्यों से रोगी आते हैं, जिसमें उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, मध्यप्रदेश आदि राज्य भी शामिल हैं।

उक्त अस्पताल पहुंचने वाले वैसे गरीब तबके के लोग, जो इलाज कराने में असमर्थता जताते हैं, उन्हें भी सहयोग किया जाता है। मौके पर प्रेम दुबे, अमित कुमार, नीरज कुमार, मनीष कुमार, विवेक कुमार, विजेंद्र कुमार चौधरी, उषा देवी सहित उक्त अस्पताल के अन्य कर्मी भी उपस्थित थे।

डीएसपी के आश्वासन पर ई रिक्शा संघ ने हड़ताल समाप्त किया

सहरसा। शहर में ई रिक्शा संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार से तीन दिवसीय हड़ताल किया जा रहा है,जिसके तहत ई-रिक्शा संघ ने 17, 18 और 19 दिसंबर को हड़ताल की घोषणा कर ई रिक्शा का परिचालन पुरी तरह बंद कर दिया,जिससे राहगीरों को परेशानी हो रही थी। ई रिक्शा संघ के सचिव मोहम्मद अकरम ने बताया कि ई रिक्शा चालकों के लिए कहीं समुचित जगह नहीं है।पार्किंग के अभाव मे वे लोग सड़क किनारे कहीं भी ई रिक्शा लगाने पर पुलिस द्वारा जबरन धड़पकड की जाती है। इसके लिए रिक्शा पार्किंग स्थल को चिन्हित किये जाने की मांग की गई। साथ ही कहा यातायात मार्ग को सुलभ बनाने के लिए जो वन वे सिस्टम लागू किया है। इससे भी ई रिक्शा चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हड़ताल के पहले दिन का खबर चलने के बाद खबर पर संज्ञान लेते हुए यातायात डीएसपी प्रवीण कुमार ने दूरभाष से वार्ता कर ई रिक्शा संघ के सचिव मोहम्मद अकरम को आश्वासन दिया कि मैं अभी ट्रेनिंग के दौरान जिला से बाहर हूं।

एक देश- एक चुनाव विधेयक का नवादा के अधिवक्ताओं ने किया स्वागत

नवादा। केन्द्र सरकार द्वारा एक देश, एक चुनाव विल लोक सभा मे पेश किये जाने का नवादा जिले के अधिवक्ताओं ने जोरदार स्वागत किया है। अधिवक्ताओं ने स्वागत करते हुए कहा एक देश एक चुनाब होने से खर्चों की कमी आएगी। अधिवक्ताओं ने संविधान 129 वां संशोधन विधेयक किये पेश किये जाने की प्रसंशा करते हुए प्रधानमंत्री को वधाई दी है। विधेयक का स्वागत करते हुए वरीय अधिवक्ता नवादा जिला अधिवक्ता संघ के पूर्व महासचिव ईश्वरी शर्मा, एडवोकेट एसोशिएशन के सचिव निरंजन सिंह, नवादा जिला अधिवक्ता संघ के सचिव अरविंद कुमार, अरुण कुमार सिन्हा,विपिन कुमार सिंह, संजय मनोज कुमार, राम विनय सिंह, संजय सिंह, कुमार चन्दन, सयुंक्ता कुमारी, शालिनी कुमारी, रीना कुमारी डॉ साकेत बिहारी, रेखा कुमारी, मुरारी कुमार आदि अधिवक्ताओं ने स्वागत किया।

मोतिहारी पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई, एक दिन में 210 कुर्की का किया निपटारा

पूर्वी चंपारण। जिला पुलिस के विशेष कुर्की अभियान के तहत जिले भर में एक दिन के अंदर 210 कुर्की का निष्पादन किया गया। इस दौरान जिले भर में 83 चिन्हित वैसे अपराधियों के घर पुलिस पूरे दल बल के साथ बुलडोजर लेकर पहुंची और उनका कुर्की किया गया। इसके अलावा 49 अपराधियों ने पुलिस के भय से आत्मसमर्पण कर दिया।

कल्याणपुर के पीपराखेम में पुलिस चेक पोस्ट हुआ शुरू

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के पीपरा खेम पंचायत के नारायणपुर चौक पर पुलिस चेक पोस्ट का उद्घाटन बुधवार को केसरिया विधायक शालिनी मिश्रा व पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए विधायक ने कहा की लम्बे समय से क्षेत्र के लोगों की मांग आज पूर्ण हो गई। 6 माह के अन्दर नीजी कोष से भवन का निर्माण कर पुलिस चेक पोस्ट को ओपी मे बदल दी जाएगी। वही एसपी ने कहा की यहां की जनता की माँग थी की सुरक्षा के दृष्टिकोण से केसरिया थाना व कल्याणपुर थाना की दूरी लगभग 12 किलोमीटर है और दक्षिण में साहेबगंज बॉर्डर है। सुरक्षा व अपराध पर लगाम लगाने के लिए पुलिस चेकपोस्ट की जरुरत थी, जिसे पूरा किया गया। चेक पोस्ट की जिम्मेदारी एस आई शिवनाथ प्रसाद को दिया गया।

निःशुल्क कपड़ा बैंक में गर्म कपड़े के लिए उमड़ रही है भीड़

गर्म कपड़े का वितरण करते शौकत खान

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। मानवता के मन्दिर कहें जाने वाले गरीबों के निःशुल्क कपड़ा बैंक में कम्बल और गर्म कपड़ा के लेने वाले जरुरतमंदों की प्रतिदिन भीड़ उमड़ रही है। इसकी जानकारी देते हुए अनेक निःशुल्क बैंक के संस्थापक शौकत खान ने बताया कि गढ़वा में कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

जिस कारण गढ़वा जिले के साथ-साथ उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ से भी लोग हमारे कपड़ा बैंक में प्रतिदिन कम्बल और गर्म कपड़ा लेने आ रहें हैं। साथ ही बताया कि हमारे पास पर्याप्त मात्रा में कपड़ों का स्टॉक है। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी जब तक ठंड का मौसम रहेगा तब-तब गरीबों के बीच कम्बल और गर्म कपड़ों का वितरण जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि रात में भी कोई भी जरूरतमंद मेरे आवास से कम्बल प्राप्त कर सकते हैं। बुजुर्गों को पहले प्राथमिकता दी जाएगी।

दहशत फैलाकर व्यवसाईयों से रंगदारी व वसूलने के लिए की गई थी सत्या की हत्या

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। नगर ऊंटरी पुलिस ने बुधवार को कुख्यात अपराधकर्मी सत्या पासवान हत्याकांड का उद्भेदन कर ली है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अपराधकर्मियों के पास से एक 7.65 बोर का देसी पिस्टल, 7.65 एमएम की चार जिंदा गोली, एक पल्सर मोटरसाइकिल एवं दो मोबाइल बरामद किया गया है। गिरफ्तार लोगों में नगर ऊंटारी थाना क्षेत्र के बिशनपुर गांव निवासी यासीन खान का पुत्र इकबाल खान एवं गढ़वा थाना क्षेत्र के झलुवा गांव निवासी असगर अंसारी का पुत्र शोहदाग खान का नाम शामिल है। एसपी दीपक कुमार पांडेय ने बुधवार को समाहरणालय स्थित सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी।

एसपी ने बताया कि गत तीन दिसंबर को नगर ऊंटारी थाना क्षेत्र के गोसाई बाग स्थित लाइन होटल

प्रेस कॉन्फ्रेंस करते एसपी

के पास गढ़वा जिले के कुख्यात अपराधकर्मी सत्या पासवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कुख्यात अपराधकर्मी इकबाल खान एवं एक अन्य अज्ञात अभियुक्त के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। एसपी ने बताया कि इस कांड के अनुसंधान एवं गिरफ्तारी के लिए नगर ऊंटारी एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया था। अनुसंधान के क्रम में पाया गया कि इस घटना में इकबाल खान के अतिरिक्त दूसरा अपराधकर्मी बिशुनपुर गांव निवासी तौसिम खान उर्फ तौसीफ द्वारा घटना का अंजाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह हत्या उक्त दोनों ने एक अन्य शोहदाब अंसारी के साथ मिलकर व्यवसाईयों में दहशत फैलाकर उनसे रंगदारी वसूलने के लिए की थी। इस हत्या के बाद नगर ऊंटारी थाना क्षेत्र में एक और हत्या करने का योजना थी। इसका रेकी शोहदाब खान कर रहा था। घटना में प्रयुक्त दोनों पिस्टल तौसीम खान लेकर भागने में सफल रहा। छापामारी दल में एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह के अलावा नगर ऊंटारी पुलिस निरीक्षक रतन कुमार सिंह, थाना प्रभारी आदित्य नायक, पुलिस अवर निरीक्षक जितेंद्र कुमार आदि शामिल थे।

उत्पाद विभाग ने 50 लाख से अधिक मूल्य के विदेशी शराब को किया जब्त

अररिया। अररिया उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना पर बुधवार को जोकीहाट टॉल प्लाजा के पास बड़ी कार्रवाई करते हुए टैंक लोरी में लोड भारी मात्रा में विदेशी शराब को जब्त किया। टैंकलोरी में शराब के बड़े खेप को छिपाकर सिलीगुड़ी से मुजफ्फरपुर तस्करी कर ले जाया जा रहा था। मामले में दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। जिनसे उत्पाद विभाग की टीम पूछताछ में जुटी है।टैंकलोरी से एकरीबन 3 हजार 555 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया। मामले को उत्पाद विभाग के अधीक्षक निरंजन कुमार झा ने जानकारी देते हुए बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि शराब का बड़ा खेप पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से मुजफ्फरपुर जाने वाला है।सूचना को लेकर दो दिनों से टीम को अलग अलग स्थानों पर लगाया गया था।इसी क्रम में जोकीहाट टॉल प्लाजा के पास एक टैंकलोरी के आने पर उसको रोककर उनकी तलाशी ली गई तो टैंकलोरी के चैंबर में शराब का कार्टून छिपाकर रखा हुआ था।

पेज एक का शेष

कांग्रेस ने कई बार...

लेकिन वे इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि एससी/एसटी समुदायों के खिलाफ सबसे भयानक नरसंहार उनके शासनकाल में हुए हैं। पीएम ने कहा, संसद में गृह मंत्री ने डॉ. आंबेडकर का अपमान करने और एससी/एसटी समुदायों की अनदेखी करने के कांग्रेस के काले इतिहास को उजागर किया। उनके द्वारा प्रस्तुत तथ्यों से वे स्पष्ट रूप से स्तब्ध और स्तब्ध हैं, यही कारण है कि वे अब नाटकीयता में लिप्त हैं।

खड़गे ने शाह से मांगा इस्तीफा : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय गृह मंत्री पर संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अंबेडकर के अपमान का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को बचाव करने के बजाय उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करना चाहिए। खड़गे ने कहा, अमित शाह ने जो बात कही वह निंदनीय है। यह देश का दुर्भाग्य है कि एक दलित नायक, जो सबके लिए पूजनीय है, के बारे में इस तरह की टिप्पणी की गयी। उन्होंने गृह मंत्री शाह पर तंज कसते हुए कहा कि अमित शाह की गलती नहीं है क्योंकि वे जिस स्कूल में पढ़े हैं वहां यही पढ़ाया जाता है।

सपने में भी बाबासाहेब का अपमान नहीं कर सकता : गृह मंत्री अमित शाह ने बाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस में आंबेडकर मुद्दे पर कहा कि, वे सपने में भी बाबा साहेब का अपमान नहीं कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने विपक्ष पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि, कांग्रेस संविधान और आंबेडकर विरोधी पार्टी है। शाह ने कहा, कांग्रेस ने बाबा साहेब आंबेडकर को भारत रत्न देने से रोका था। पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में शाह ने कहा कि, सच सामने आया तो कांग्रेस ने भ्रम फैलाया। शाह ने कहा, राज्यसभा में मेरे बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। इससे पहले उन्होंने पीएम मोदी के बयानों को एडिट करके सार्वजनिक किया था। शाह ने कहा, 'मैं उस पार्टी से हूं जो आंबेडकर का कभी अपमान नहीं कर सकती। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि, मल्लिकार्जुन खड़गे को कांग्रेस के इस कुत्सित प्रयास का समर्थन नहीं करना चाहिए था। उन्हें दुख है कि, राहुल गांधी के दबाव में आकर वे भी इसमें शामिल हो गये।

स्पीड न्यूज

पाक में आतंकी हमला 5 सुरक्षाकर्मी मारे गये

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान और शांगला में 24 घंटों दौरान हुए दो अलग-अलग आतंकी हमलों में पांच सुरक्षाकर्मी मारे गये। आतंकवादियों ने डेरा इस्माइल खान में एक आईईडी विस्फोट और शांगला जिले में एक पुलिस चौकी पर हमला किया। आतंकवादियों ने मंगलवार को डेरा इस्माइल खान में दरबान तहसील के जरकानी इलाके में आतंकियों ने आईईडी से इस वाहन पर विस्फोट कर दिया। इस हमले में तीन कर्मी शहीद हो गए और दो अन्य घायल हो गए। घायलों को संयुक्त सैन्य अस्पताल (सीएमएच) डेरा इस्माइल खान ले जाया गया।

रूस ने 24 घंटों में 540 यूक्रेनी सैनिकों को मारा

मॉस्को। रूस के पश्चिम जैपड समूह के हमलों में पिछले 24 घंटों में 540 यूक्रेनी सैन्यकर्मी मारे गये है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बुधवार कहा कि रूसी सशस्त्र बलों ने यूक्रेनी सशस्त्र बलों के 540 सैन्यकर्मी को मार गिराया है और एक पैदल सेना लड़ाकू वाहन, अमेरिकी निर्मित एक एम113 बख्तरबंद कार्मिक वाहक, एक पोलिश निर्मित रोसोमक बख्तरबंद कार्मिक वाहक तथा दो पिकअप ट्रक नष्ट कर दिए हैं।

यूपी में अटल शताब्दी समारोह आज से

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म शताब्दी समारोह मनाएगी। इस उपलक्ष्य में 19 से 25 दिसंबर तक धूमधाम से अनेक आयोजन किए जाएंगे। संस्कृति विभाग व उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले शताब्दी समारोह का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह, संगीत नाटक अकादमी में करेंगे। समारोह में प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, काव्य पाठ समेत अनेक आयोजन भी होंगे। इन आयोजनों के विजेताओं को 25 दिसंबर को सम्मानित भी किया जाएगा।

इंदौर में कांग्रेस नेता के घर से 4.5 करोड़ मिला

इंदौरद्ध कांग्रेस नेता गोलू अग्निहोत्री के घर ईडी की कार्रवाई तीसरे दिन बुधवार को भी जारी रही है। अब तक लगभग 4.5 करोड़ रुपये नकद और सोने-चांदी और अन्य मूल्यवान वस्तुएं जब्त की हैं जिनकी कीमत का आकलन किया जा रहा है। कांग्रेस नेता गोलू अग्निहोत्री क्रिकेट सट्टा और डब्बा कारोबार के साथ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जांच के घेरे में हैं। वह रविवार की रात ही दुबई से लौटे थे। ईडी के अधिकारियों ने मुंबई एयरपोर्ट पर गोलू को हिरासत में लिया था।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 20.32 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में 17 दिसंबर तक प्रत्यक्ष कर संग्रह 1921508 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में संग्रहित 1596932 करोड़ रुपये की तुलना में 20.32 प्रतिशत अधिक है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में संग्रहित प्रत्यक्ष कर 1359067 करोड़ की तुलना में 16.45 प्रतिशत अधिक है।

इंदौर में होगा देश का पहला जीरो वेस्ट एयरपोर्ट

इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर का एयरपोर्ट भी अब जीरो वेस्ट एयरपोर्ट बनने जा रहा है। इंदौर सांसद शंकर लालवानी ने अधिकारियों को एयरपोर्ट को जीरो वेस्ट एयरपोर्ट पर काम करने के लिए कहा था, जो अब साकार रूप ले चुका है। आगामी 22 दिसंबर को केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू रीसायकल प्लांट का लोकार्पण करेंगे। यह जानकारी बुधवार को सांसद शंकर लालवानी ने दी। शंकर लालवानी ने बताया कि इंदौर देश का सबसे स्वच्छ शहर है और इंदौर ने कचरे से कंचन तक की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान को पूरा किया है। इसी तरह इंदौर एयरपोर्ट को जीरो वेस्ट एयरपोर्ट बनाने का लक्ष्य रखा था।

शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन धड़ाम

सेंसेक्स 502 अंक टूटा, निवेशकों के 2.38 लाख करोड़ डूबे

एजेंसी

मुंबई। विदेशी कोषों की निकासी के बीच उपयोगिता, पूंजीगत उत्पाद और धातु शेयरों में बिकवाली से घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरकर बंद हुए। सेंसेक्स 500 से अधिक अंक टूट गया, जबकि निफ्टी 24,200 अंक के स्तर से नीचे आ गया। कारोबारियों ने कहा कि नीतिगत ब्याज दर में कटौती पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व का फैसला आने के पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया जिससे कारोबारी धारणा पर असर पड़ा।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 452.75 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन

455.13 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 2.38 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 502.25 अंक यानी 0.62 प्रतिशत गिरकर 80,182.20 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 634.38 अंक लुढ़ककर 80,050.07 अंक पर आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी 137.15 अंक यानी 0.56 प्रतिशत गिरकर 24,198.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और बजाज फाइनेंस में प्रमुख रूप से गिरावट रही। इसके उलट, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, एफआईआई ने मंगलवार को 6,409.86 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की। व्यापक बाजार में बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.76 प्रतिशत गिर गया जबकि मिडकैप में 0.61 प्रतिशत का नुकसान रहा। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों में से 2,563 शेयरों में गिरावट रही जबकि 1,442 शेयरों में तेजी रही और 94 अन्य अपरिवर्तित रहे। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया अबतक के अपने सबसे निचले स्तर पर आ चुका है।

ये हैं टॉप लूजर्स

सेंसेक्स की कैपनियों में टाटा मोटर्स का शेयर 2.75% गिरकर बंद हुआ। पावर ग्रिड, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स के शेयर प्रमुख रूप से गिरावट में रहे।

ये हैं टॉप गेनर्स

टीसीएस का शेयर सबसे ज्यादा चढ़कर बंद हुआ। इंडेक्स हैवी वेट रिलायंस इंडस्ट्रीज और सनफार्मा, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंफोसिस और आईटीसी के शेयर हरे निशान में रहे।

ट्रंप के बयान ने बिगाड़ा बाजार का मूड

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत अमेरिका के कुछ उत्पादों पर काफी ज्यादा शुल्क लगाता है और उन्होंने एक बार फिर इसके बदले में भारतीय उत्पादों पर इसी तरह ज्यादा शुल्क लगाने की बात कही है। ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा कि आम तौर पर देखा जाता है कि अगर वे हम पर शुल्क लगाते हैं तो हम भी उन पर उतना ही शुल्क लगाते हैं। लगभग सभी मामलों में वे हम पर शुल्क लगा रहे हैं, जबकि हम उन पर शुल्क नहीं लगा रहे हैं। खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना के अनुसार ट्रंप का ये बयान भारत और ब्राजील दोनों देशों के लिए ट्रेड कनफ्लिक्ट को लेकर चिंता पैदा करने वाला है। ऐसा होने से भारतीय निर्यातकों की लागत बढ़ सकती है, जिससे अंततः उनका मुनाफा भी प्रभावित होगा। शेयर बाजार पर ट्रंप के इस बयान ने

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोले भारतीय उत्पादों पर अधिक शुल्क लगायेंगे

बुधवार को नेगेटिव असर डाला। घरेलू शेयर बाजार में इस सप्ताह लगातार बिकवाली का दबाव बना हुआ है। पिछले तीन दिन के कारोबार में सेंसेक्स में 1,950 अंक से अधिक की गिरावट आ चुकी है। इसी तरह निफ्टी भी 569 अंक से अधिक फिसल चुका है। ट्रंप की ओर से किए गए रेसिप्रोकल टैक्स के ऐलान और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली की वजह से शेयर बाजार में दबाव की स्थिति बनी है।

संसद के बाहर अंबेडकर का फोटो लेकर प्रदर्शन करते राहुल गांधी, प्रियंका गांधी व अन्य।

उत्तराखंड में जनवरी से लागू होगा यूसीसी

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में जनवरी से समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू हो जाएगी। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस तरह उत्तराखंड आजादी के बाद समान नागरिक संहिता' लागू करने वाला प्रदेश बन जाएगा।

बुधवार को सचिवालय में उत्तराखंड निवेश और आधारिक संरचना विकास बोर्ड (यूआईआईडीबी) की बैठक के दौरान सीएम पुष्कर धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार अपने संकल्प के अनुसार, समान नागरिक संहिता' लागू करने की दिशा में होमवर्क पूरा कर चुकी है। उन्होंने कहा कि मार्च 2022 में प्रदेश में नई सरकार बनने के बाद मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही प्रदेश में समान नागरिक

समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा उत्तराखंड : मुख्यमंत्री

सुगम सेवाएं देने के लिए पोर्टल और मोबाइल एप भी किया गया विकसित

संहिता लागू करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्णय लिया गया था। इस क्रम में सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया।

समिति की रिपोर्ट के आधार पर 7 फरवरी, 2024 को राज्य विधानसभा से समान नागरिक संहिता विधेयक - 2024 पारित किया गया। इस विधेयक पर राष्ट्रपति की सहमति मिलने के बाद 12 मार्च को नोटिफिकेशन जारी किया गया। इसी क्रम में अब समान नागरिक संहिता, उत्तराखंड-

2024 अधिनियम की नियमावली भी तैयार कर ली गई है। इस तरह उत्तराखंड अब जनवरी से 'समान नागरिक संहिता' लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संहिता के प्रावधान लागू करने के लिए कार्मिकों को समुचित प्रशिक्षण देने के साथ ही सभी तरह की आधारभूत सुविधाएं जुटा ली जाएं। इसके साथ ही अधिक से अधिक सेवाओं को ऑनलाइन रखते हुए, जनसामान्य की सुविधा का ख्याल रखा जाए। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि जन सामान्य की सुलभता के दृष्टिगत 'समान नागरिक संहिता' लागू करने के लिए एक पोर्टल तथा मोबाइल ऐप भी तैयार किया गया है, जिससे पंजीकरण, अपील आदि समस्त सुविधाएं ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही हैं। जनवरी, 2025 में उत्तराखंड में राज्य 'समान नागरिक संहिता' लागू हो जाएगी। उत्तराखंड का 'समान नागरिक संहिता कानून', 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की मूल भावना पर चलते हुए, समाज को नई दिशा देगा। यह कानून विशेषकर देवभूमि की महिलाओं और बच्चों के लिए सशक्तीकरण के नए द्वार खोलेगा।

10 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें निर्माणाधीन

एजेंसी

नयी दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा को बताया कि वर्तमान में देश में लंबी और मध्यम दूरी की यात्रा के लिए 10 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि पहला प्रोटोटाइप निर्मित हो चुका है और इसका फील्ड ट्रायल किया जाएगा। रेल मंत्री ने लोकसभा में कहा कि इसके अलावा 200 वंदे भारत स्लीपर रेक के निर्माण का काम भी प्रौद्योगिकी भागीदारों को सौंपा गया है। ट्रेन के रोलआउट की समय-सीमा परीक्षणों के सफल समापन पर निर्भर है। 2 दिसंबर तक, देश भर में छोटी और मध्यम दूरी की यात्रा के लिए भारतीय रेलवे के ब्रॉड गेज विद्युतीकृत नेटवर्क पर 136 वंदे भारत ट्रेन सेवाएं चालू हैं। वैष्णव ने एक अन्य प्रश्न के

200 स्लीपर रेक का काम भी भागीदारों को सौंपा : वैष्णव

उत्तर में कहा कि भारतीय रेलवे की उत्पादन इकाइयां अप्रैल 2018 से केवल एलएचबी कोच का उत्पादन कर रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में एलएचबी कोच का उत्पादन लगातार बढ़ा है। 2014-24 के दौरान निर्मित एलएचबी कोच की संख्या 2004-14 के दौरान निर्मित (2,337) संख्या से 16 गुना (36,933) अधिक है। भारतीय रेलवे ने एलएचबी कोचों की भरमार कर दी है जो तकनीकी रूप से बेहतर हैं। उन्होंने कहा कि सुगम्य भारत मिशन के हिस्से के रूप में, भारतीय रेलवे दिव्यांगजनों और कम गतिशीलता वाले यात्रियों के लिए सुगमता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के दिशा-निर्देशों के तहत, रैंप, सुलभ पार्किंग, ब्रेल और स्पर्शनीय संकेत, कम ऊंचाई वाले काउंटर और लिफ्ट व एस्कलेटर जैसी व्यापक सुविधाएं प्रदान की गई हैं। नवंबर 2024 तक, भारतीय रेलवे ने 399 स्टेशनों पर 1,512 एस्कलेटर और 609 स्टेशनों पर 1,607 लिफ्टें स्थापित की थीं, जो पिछले दशक की तुलना में क्रमशः 9 और 14 गुना की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।

ऑस्कर की दौड़ से बाहर हुई फिल्म लापता लेडीज

नयी दिल्ली। फिल्म लापता लेडीज ऑस्कर पुरस्कार 2025 की दौड़ से बाहर हो गई है। किरण राव के निर्देशन में बनी यह फिल्म 97वें अकादमी पुरस्कारों की सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर श्रेणी में भारत की ओर से आधिकारिक प्रविष्टि थी। अकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज (एएमपीएएस) ने बुधवार की सुबह घोषणा की कि किरण राव द्वारा निर्देशित यह हिंदी फिल्म उन 15 फीचर फिल्मों की सूची में शामिल नहीं है जो अंतिम पांच में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। हालांकि, ब्रिटिश-भारतीय फिल्म निर्माता संध्या सूरी की फिल्म संतोष को इस सूची में जगह मिली है, जिसमें फ्रांस की एमिलिया पेरेज, आई एम स्टिल हियर (ब्राजील), यूनिवर्सल लैंग्वेज (कनाडा), वेव्स (चेक गणराज्य), गर्ल विद द नीडल (डेनमार्क) और जर्मनी की द सीड ऑफ द सेक्रेड फिग भी शामिल हैं।

दिल्ली में बुजुर्गों का होगा फ्री में इलाज : केजरीवाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले एक और योजना का ऐलान करते हुए दिल्ली के बुजुर्गों को संजीवनी दी है। केजरीवाल ने कहा कि संजीवनी योजना के तहत दिल्ली के 60 साल उम्र से अधिक के सभी बुजुर्गों का दिल्ली के किसी भी अस्पताल में मुफ्त इलाज किया जाएगा। ये केजरीवाल की गारंटी है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बुजुर्गों ने ही परिवार को अच्छी शिक्षा दीक्षा देकर इस काबिल बनाया है कि वह आज वह अपना काम कर रहे हैं। लेकिन कई बार ऐसा देखने को मिलता है कि अस्पतालों में इलाज के अभाव की वजह से बुजुर्गों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार लोग बुजुर्गों का इलाज करवाने में कतराते भी हैं क्योंकि काफी पैसा उसमें खर्च होता है। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि जब लक्ष्मण जी मूर्छित हुए थे तब हनुमान जी उनके लिए संजीवनी लेकर आए थे। आम आदमी पार्टी दिल्ली के दिल्ली बुजुर्गों के लिए संजीवनी योजना लेकर आई है।

किसानों के लिए दरवाजे हमेशा खुले हैं: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि किसानों के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने पंजाब और हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर 13 फरवरी से 2024 धरने पर बैठे किसानों से संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए ये टिप्पणियां कीं। पीठ ने पंजाब सरकार से कहा कि अगर आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल के साथ कुछ भी अनहोनी होती है तो इसके लिए वह जिम्मेदार होगी। पीठ ने कहा कि डॉक्टर की सलाह के अनुसार श्री दल्लेवाल को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत है। अदालत के समक्ष पंजाब के एडवोकेट जनरल गुरमिंदर सिंह ने कहा कि किसान अदालत द्वारा नियुक्त समिति से चर्चा करने के लिए अनिच्छुक हैं। इस पर पीठ ने कहा कि हम स्पष्ट करते हैं कि अदालत

अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल के साथ कुछ भी अनहोनी होती है तो इसके लिए पंजाब सरकार होगी जिम्मेदार : अदालत

के दरवाजे हमेशा खुले हैं। किसानों द्वारा सीधे या उनके अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से कोई भी सुझाव या मांग पत्र रिकॉर्ड में लाया जा सकता है। सभी हितधारकों के साथ चर्चा के साथ इस पर उचित विचार किया जाएगा।

अदालत के समक्ष श्री सिंह ने यह भी कहा कि पिछले 20 दिनों से अनशन पर बैठे दल्लेवाल ने मेडिकल जांच से इनकार कर दिया है। उनकी हालत ठीक है, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें भर्ती करने का सुझाव दिया है। इस पर पीठ ने सिंह से कहा कि मतभेद हो सकते हैं, लेकिन आंदोलन करने के लिए उनका स्वस्थ होना जरूरी है। एक निर्वाचित सरकार और एक संवैधानिक अंग के रूप में आप उन्हें कुछ भी नहीं होने दे सकते। पीठ ने कहा कि वह सभी

हितधारकों को यह समझाने की कोशिश करेगी कि कुछ किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत मामले की अगली सुनवाई गुरुवार को करेगी। पीठ ने अदालत द्वारा नियुक्त उच्चस्तरीय समिति से 13 दिसंबर को कहा था कि वह प्रदर्शनकारी किसानों से बात करे और उन्हें अपना विरोध अस्थायी रूप से स्थगित करने या पंजाब-हरियाणा सीमा पर राजमार्ग से इसे स्थानांतरित करने के लिए राजी करे। शीर्ष अदालत ने कहा था कि किसानों को विरोध करने का संवैधानिक अधिकार है, जिसे गांधीवादी दर्शन की तर्ज पर शांतिपूर्ण तरीके से किया जा सकता है। पीठ ने तब केंद्र और पंजाब सरकार दोनों के प्रतिनिधियों को श्री दल्लेवाल से तत्काल मिलने, चिकित्सा सहायता प्रदान करने और उन्हें हड़ताल समाप्त करने के लिए मनाने का निर्देश दिया था।

गौरतलब है कि कृषि उपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी समेत विभिन्न मांगों को लेकर किसान कई महीने से लगातार आंदोलन कर रहे हैं। सुरक्षा बलों द्वारा रोके जाने के बाद किसान 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी बॉर्डर पर डेरा डाले हुए हैं।

शीर्ष अदालत ने गत 02 सितंबर को एक अलग मामले में सुनवाई करते हुए किसानों से बातचीत करने के लिए पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति नवाब सिंह की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति का गठन किया था।

किसान अपनी उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मांगों को लेकर 13 फरवरी से धरना दे रहे हैं। एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी के अलावा किसानों ने स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने, किसानों और खेत मजदूरों के लिए पेंशन, कृषि ऋण माफी, भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 को बहाल करने और पिछले आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों को मुआवजा देने की मांगें कर रहे हैं।